केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बोले साजिश के तहत हो रहा जनसांख्यिकीय परिवर्तन - 3

अमेरिकी शुल्क से पहले शेयर बाजार धड़ाम, चौतरफा बिकवाली से सेंसेक्स 81000 के नीचे आया- 12

एससीओ घोषणापत्र में आतंकवाद की निंदा की कोशिशों में जुटा भारत - 13

चोट के बाद मैदान पर वापसी के लिए तैयार सूर्यकुमार - 14

आज का मौसम

31.9° अधिकतम तापमान

25.4° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.44

सूर्यास्त 06.32

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

भाद्रपद शुक्ल पक्ष चतुर्थी 03:44 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 27 अगस्त 2025, वर्ष 35, अंक 209, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

बारिश और भूस्खलन से भारी तबाही

वैष्णो देवी में 9 और डोडा में 4 की मौत

जम्मू में प्रकृति का कहर, स्थगित की गई वैष्णो देवी यात्रा, बचाव कार्य तेज

जम्मू/श्रीनगर, एजेंसी

- मलबे में कई लोगों के फंसे होने की आशंका और बढ़ सकती है मृतकों की संख्या
- भूस्खलन के बाद मलबे में दबे लोगों को निकालने और मदद पहुंचाने के कार्य में जुटे सेना के जवान

वैष्णो देवी मंदिर मार्ग पर बचाव कार्य में जुटे सेना के जवान।

जम्मू के भगवती नगर में चौथे तवी पुल का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त होने से फंसे वाहन।

जम्मू क्षेत्र में मंगलवार को भारी बारिश और नदियों के उफान पर होने से पानी के वेग से रास्ते में आने वाली हर चीज तहस-नहस हो गई और चट्टान, पेड़ और पत्थर ढलानों से नीचे गिर पड़े। जम्मू क्षेत्र में 13 लोगों की मौत हो गई जिनमें 9 तीर्थयात्रियों की मौत वैष्णो देवी मार्ग पर भूस्खलन की चपेट में आने से हुई जबकि 4 डोडा जिले में हुई। लगातार भारी बारिश ने न केवल जम्मू में तबाही मचाई, जहां अचानक बाढ़ और भूस्खलन के मद्देनजर वैष्णो देवी मंदिर की तीर्थयात्रा स्थगित कर दी गई, बल्कि कश्मीर घाटी में भी।

बारिश से बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा, पुल ढह गए, मोबाइल टावर और बिजली के खंभे टूट गए। केंद्र शासित प्रदेश के बड़े हिस्से में दूरसंचार सेवाएं ठप हो गईं, जिससे लाखों लोगों का संचार संपर्क टूट गया। जम्मू-श्रीनगर और किश्तवाड़-डोडा राष्ट्रीय राजमार्गों पर यातायात निलंबित कर दिया गया। रियासी जिले की त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले रास्ते पर मंगलवार दोपहर करीब तीन बजे भूस्खलन हुआ जिसकी चपेट में आने से 9 लोगों की मौत हो गई जबकि 21 घायल हुए हैं। मृतक संख्या बढ़ सकती है। अधिकारियों ने बताया कि अर्धकुआरी स्थित इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास मलबे में दबे लोगों को निकालने के लिए बचाव दल जुटे हुए हैं और कई लोगों के फंसे होने की आशंका है। भूस्खलन कटरा शहर से पहाड़ी पर स्थित मंदिर तक 12 किलोमीटर के घुमावदार रास्ते के लगभग आधे रास्ते में हुआ। मंदिर तक जाने के दो रास्ते हैं। हिमकोटि मार्ग पर सुबह से ही यात्रा स्थगित कर दी गई थी, लेकिन पुराने रास्ते पर अपराह्न 1.30 बजे तक यात्रा जारी रही, बारिश के मद्देनजर इस मार्ग से भी यात्रा स्थगित करने का फैसला लिया गया। वैष्णो देवी के दर्शन को गया मुजफ्फरनगर का एक परिवार भूस्खलन में दब गया जिसमें उनके इकलौते बेटे की मौत हो गई वहीं दर्शन करने गया आगरा का एक युवक भी लापता है। भूस्खलन के बाद कई रिश्तेदार अपने प्रियजनों की सूचना प्राप्त करने के लिए कटरा स्थित अस्पताल और वैष्णो देवी आधार शिविर में जमा हुए। जम्मू के रक्षा जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि कटरा और उसके आसपास बचाव और राहत कार्यों में सेना के तीन कॉलम तुरंत तैनात कर दिए गए। लोगों की जान बचाने, सहायता प्रदान करने और नागरिकों को सुरक्षित क्षेत्रों में पहुंचाने के प्रयास जारी हैं। डोडा जिले में चार लोगों के मारे जाने की सूचना है। जम्मू संभाग के सभी स्कूल को 27 अगस्त तक बंद रहेंगे।

कटरा, उधमपुर और जम्मू आने-जाने वालीं 18 ट्रेनें रद्द

जम्मू क्षेत्र में लगातार भारी बारिश के कारण उत्तर रेलवे ने मंगलवार को कटरा, उधमपुर और जम्मू रेलवे स्टेशनों से आने-जाने वाली 18 रेलगाड़ियां रद्द कर दी हैं। रेलवे अधिकारियों ने बताया किचार ट्रेनों को बीच में ही रोक दिया गया है। जम्मू क्षेत्र में सोमवार रात से भारी बारिश हो रही है, जिससे पुल क्षतिग्रस्त हो गए हैं, संपर्क बाधित हुआ है।

आज से 50% ट्रंप टैरिफ

अतिरिक्त शुल्क से 48 अरब डॉलर का निर्यात होगा प्रभावित

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका ने 27 अगस्त से भारतीय उत्पादों पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क लागू करने की योजना का विवरण देते हुए एक मसौदा नोटिस जारी किया है, अतिरिक्त टैरिफ से अमेरिका को भारत के 48 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य के निर्यात पर असर पड़ेगा। भारत पर अब कुल अमेरिकी टैरिफ 50 प्रतिशत हो जाएगा।

अमेरिकी बाजार में प्रवेश करने वाले भारतीय सामान पर वर्तमान में 25 प्रतिशत शुल्क पहले से ही लागू है। रूसी कच्चे तेल और सैन्य उपकरणों की खरीद के कारण 27 अगस्त से 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया जा रहा है। अमेरिकी गृह मंत्रालय ने सोमवार को जारी मसौदा आदेश में कहा कि बढ़ा हुआ शुल्क उन भारतीय उत्पादों पर लागू होगा जिन्हें 27 अगस्त, 2025 को 'ईस्टर्न डेलाइट टाइम' (ईडीटी) के अनुसार रात 12 बजकर एक मिनट या उसके बाद उपभोग के लिए (देश में) लाया गया है या गोदाम से निकाला गया है। बशर्ते कि उन्हें देश में उपयोग के लिए मंजूरी दे दी गई हो या 17 सितंबर, 2025 को 12:01 बजे (ईडीटी) से पहले उपभोग के लिए गोदाम से बाहर ले जाया गया हो और आयातक ने एक विशेष 'कोड' घोषित करके अमेरिकी सीमा शुल्क को यह प्रमाणित किया हो। भारत के अलावा ब्राजील एकमात्र अमेरिकी व्यापारिक साझेदार है जिसे 50 प्रतिशत आयात शुल्क का सामना करना पड़ रहा है।

रूसी तेल बेचकर लाभ लेने का लगाया आरोप : अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भारत पर रूसी तेल को दोबारा बेचकर मुनाफाखोरी करने का आरोप लगाया है। भारत ने छह अगस्त को कहा था कि अमेरिकी कार्रवाई अनुचित, और अविवेकपूर्ण है।

नोटिफिकेशन किया जारी

यह उद्योग होंगे प्रभावित

टैरिफ से ज्वेलरी, टेक्सटाइल, ऑटो, सीफूड सेक्टर की इंडस्ट्रीज का मुनाफा घट सकता है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर अमेरिका के साथ ट्रेड डील नहीं होती है या टैरिफ कम नहीं होता है तो 48.2 अरब डॉलर के निर्यात पर सीधा असर पड़ेगा।

इन पर नहीं होगा असर

टैरिफ का असर आईटी, फार्मास्यूटिकल्स और इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्री पर नहीं होगा। अभी इलेक्ट्रॉनिक्स को सेक्शन 232 के तहत छूट मिली है। जब तक इसकी घोषणा नहीं होती तब तक अमेरिका को निर्यात पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

ब्रीफ न्यूज

पिक्सल व ध्रुव स्पेस प्रक्षेपित करेंगे उपग्रह

नई दिल्ली। बेंगलुरु से संचालित अंतरिक्ष स्टार्टअप पिक्सल स्पेस मंगलवार रात स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट के माध्यम से तीन नये हाइपरस्पेक्ट्रल पृथ्वी छायाचित्र उपग्रह प्रक्षेपित करेगा। यह प्रक्षेपण 'फायरफ्लाई' मिशन के पहले चरण के सफलतापूर्वक पूरा होने का संकेत है जो भारत का निजी पृथ्वी छायाचित्र उपग्रह समूह है। 'सेटेलाइट कॉन्स्टेलेशन' एक ऐसा नेटवर्क है जिसमें कई उपग्रह एक ही मिशन या उद्देश्य के लिए अंतरिक्ष में भेजे जाते हैं। जैसे कि धरती की निगरानी, इंटरनेट सेवा, मौसम की जानकारी और जीपीएस आदि के लिए। हैदराबाद स्थित ध्रुव स्पेस भी पहले व्यावसायिक लीप-01 मिशन को प्रक्षेपित कर रहा है। यह प्रक्षेपण भी फाल्कन-9 रॉकेट से ही किया जाएगा।

1.77 करोड़ की शराब जब्त, दो गिरफ्तार

कोल्हापुर। महाराष्ट्र में राज्य आबकारी विभाग कोल्हापुर संभाग ने मंगलवार तड़के कोल्हापुर-रत्नागिरी राष्ट्रीय राजमार्ग पर पडलवाड़ी में एक ट्रक से 1.77 करोड़ रुपये मूल्य की गोवा निर्मित विदेशी शराब की एक बड़ी खेप जब्त की। एक गुप्त सूचना के आधार पर एसईडी के भरारी दस्ते ने आयशर ट्रक को रोका और जांच करने पर उसमें से गोवा निर्मित शराब की 1,400 पेटियां बरामद कीं। शराब और वाहन को ज़ब्त कर लिया गया है और बरामद माल की कुल कीमत 1,77,84,000 रुपये आंकी गई है। इस मामले में दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया।

माओवादी को बीमार पिता से मिलने को बेल

मुंबई। मुंबई उच्च न्यायालय ने एल्गार परिषद-माओवादी संबंध मामले के आरोपी रमेश गाइचोर को अपने बीमार पिता से मिलने के लिए तीन दिन की अंतरिम जमानत दी है। अदालत ने कहा कि इस मामले में गिरफ्तार होने के बाद वह पिछले पांच वर्षों में अपने बीमार पिता से मिलने नहीं जा सका। न्यायमूर्ति एएस. गडकरी और न्यायमूर्ति राजेश पाटिल की पीठ ने 25,000 रुपये की नकद जमानत राशि जमा कराने के बाद गाइचोर को तीन दिन के लिए जेल से रिहा करने का आदेश दिया है। अभियोजन पक्ष ने दावा किया था कि रमेश गाइचोर प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) समूह का सदस्य था। पुणे में 31 दिसंबर, 2017 को एल्गार परिषद सम्मेलन में भड़काऊ भाषण देने पर गाइचोर और अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

प्रदेश में कार्य करने वाले युवाओं को न्यूनतम वेतन की गारंटी : योगी

मुख्यमंत्री का एलान, नियोक्ता कंपनियों के अतिरिक्त चार्जेज वहन करेगी सरकार

रोजगार महाकुंभ

- नौकरी देने के साथ नई टेक्नोलॉजी की मांग के अनुरूप ट्रेनिंग और कोर्स भी तय होंगे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में कार्य करने वाले प्रत्येक युवा को न्यूनतम वेतन की गारंटी दी जाएगी। कोई भी कंपनी या नियोक्ता कर्मचारी का शोषण नहीं कर पाएगा। नियुक्ति देने वाली कंपनियां अपने कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन सुनिश्चित करेंगी, जबकि इसके अतिरिक्त चार्जेज की जिम्मेदारी सरकार उठाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह व्यवस्था युवाओं को सम्मानजनक रोजगार, नौकरी की सुरक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करेगी।

वे मंगलवार को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित तीन दिवसीय 'रोजगार महाकुंभ 2025' का उद्घाटन करने के बाद भारी संख्या में नौकरी के लिए आए युवाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज यूपी की प्रतिभा की मांग देश-दुनिया में हो रही है, और जो प्रदेश कभी रोजगार के लिए पलायन का दंश झेलता था, आज वही रोजगार उपलब्ध करा रहा है। यह परिवर्तन बीते 8 वर्षों में हुए सुनियोजित प्रयासों का परिणाम है। योगी ने कहा कि हर युवा को उसकी योग्यता के अनुसार काम मिलना जरूरी है। जहां अवसर मिला, वहां इन युवाओं ने अपनी प्रतिभा और सामर्थ्य से लोहा मनवाया है। उन्होंने एक जिला एक उत्पाद योजना की चर्चा करते हुए कहा कि एमएसएमई सेक्टर में 96 लाख इकाईयां 90 प्रतिशत लोगों को रोजगार दे रही हैं। रजिस्ट्रेशन कराते ही उद्यमियों को 5 लाख रुपये का सुरक्षा बीमा कवर मिलता है। प्रत्येक यूनिट 2 से 10 युवाओं को रोजगार दे रही हैं, तो लाखों-करोड़ों लोग काम पा रहे हैं।

लखनऊ में आयोजित रोजगार महाकुंभ में एक युवा को नियुक्ति पत्र देते मुख्यमंत्री योगी।

मुख्यमंत्री ने दिए 15 युवाओं को नियुक्ति पत्र

रोजगार महाकुंभ में मुख्यमंत्री योगी ने 15 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिए। इनका चयन यूएई और अन्य विदेशी कंपनियों ने किया है। श्रम मंत्री अनिल राजभर ने बताया कि कुल 1 लाख से अधिक पंजीकरण, 50 हजार नौकरियों के अवसर और 15 हजार अंतर्राष्ट्रीय रिक्तियों पर चयन होना है। संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, जापान और जर्मनी में भी प्लेसमेंट होंगे। इसी तरह 35 हजार घरेलू अवसर देश की अग्रणी कंपनियों से उपलब्ध कराए जाएंगे। रोजगार महाकुंभ में 100 से अधिक भर्ती साझेदार भाग ले रहे हैं, जिनमें 20 अंतर्राष्ट्रीय भर्तीकर्ता हैं। यहां 10 हजार से अधिक ऑफर लेटर जारी किए जाएंगे, जिनमें से 2 हजार से अधिक विदेशी प्लेसमेंट के लिए होंगे।

नौसेना में शामिल हुए युद्धपोत उदयगिरि और हिमगिरि

विशाखापत्तनम। देश की समुद्री मारक क्षमताओं को बढ़ाते हुए मंगलवार को दो बहुउद्देशीय स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस उदयगिरि और हिमगिरि को नौसेना में शामिल किया गया। ये पोत आठ ब्रह्मोस मिसाइलों से लैस हैं और इन्हें स्वदेशी निर्माताओं द्वारा विकसित उन्नत हथियारों और सेंसरों से सुसज्जित किया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में पूर्वी नौसेना कमान में दो अत्याधुनिक प्रोजेक्ट 17ए के तहत बने स्टील्थ फ्रिगेट्स को शामिल किया गया।

- दोनों ब्रह्मोस मिसाइलों व उन्नत हथियारों से लैस

आईएनएस उदयगिरि : प्रोजेक्ट 17ए के इस दूसरे जहाज का निर्माण मुंबई स्थित मझगांव डाक शिप बिल्डर्स लि. ने किया।

आईएनएस हिमगिरि : गार्डन रिच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स कोलकाता द्वारा निर्मित पी17ए प्रोजेक्ट का यह पहला जहाज है।

शाहरुख, दीपिका के खिलाफ मामला दर्ज

भरतपुर। राजस्थान में भरतपुर के मथुरा गेट थाने में मंगलवार को पुलिस ने अभिनेता शाहरुख खान, अभिनेत्री दीपिका पादुकोण सहित छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया। यह मामला हुंडई कंपनी की एक कार के विज्ञापन में उपभोक्ताओं को कथित तौर पर कार निर्माण के दौरान कमियों के बारे में जानकारी नहीं देने से जुड़ा है। इस संबंध में भरतपुर के कीर्ति सिंह की ओर से यह इस्तगासा दाखिल किया गया था।

- कार के विज्ञापन में गुमराह करने का आरोप

सौरभ भारद्वाज के ठिकानों पर छापा

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को दिल्ली की आम आदमी पार्टी की पिछली सरकार के दौरान स्वास्थ्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में कथित घोटाले से जुड़े धन शोधन जांच के तहत पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज एवं कुछ अन्य निजी कंपनियों के परिसरों में छापेमारी की।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में 13 स्थानों पर छापेमारी की गई। इनमें दक्षिण दिल्ली स्थित भारद्वाज का घर और केजी मार्ग तथा पश्चिम पटेल नगर स्थित कुछ निजी ठेकेदारों और वाणिज्यिक रियल एस्टेट डेवलपर्स के आवास एवं कार्यालय शामिल हैं।

अस्पताल निर्माण घोटाला

- ईडी ने आप नेता के घर सहित 13 अन्य के परिसरों की पड़ताल की

आप की दिल्ली इकाई के प्रमुख और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता भारद्वाज (45) के खिलाफ ईडी की जांच जून में दिल्ली की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) द्वारा दर्ज की गई एक प्राथमिकी से सामने आई है। एसीबी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आप सरकार द्वारा स्वास्थ्य अवसंरचना परियोजनाओं में भ्रष्टाचार के आरोप में भारद्वाज, उनकी पार्टी के सहयोगी और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन, निजी ठेकेदारों और अज्ञात सरकारी अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। एसीबी की शिकायत में परियोजना बजट में हेरफेर, सार्वजनिक धन के दुरुपयोग और निजी ठेकेदारों के साथ मिलीभगत का आरोप लगाया गया है जिसमें कहा गया है कि 2018 से 2019 के दौरान 5,590 करोड़ रुपये की 24 अस्पताल परियोजनाओं को मंजूरी दी गई थी। हालांकि, ये परियोजनाएं काफी हद तक अधूरी रहीं और लागत में भारी एवं बेहिसाब वृद्धि हुई।

10 लाख रिश्वत लेते नारकोटिक्स के दो इंस्पेक्टर गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सीबीआई ने मंगलवार देर शाम महानगर स्थित कार्यालय में छापा मारकर की कार्रवाई

अमृत विचार : केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने सेंट्रल ब्यूरो ऑफ नारकोटिक्स (सीबीएन) के महानगर स्थित कार्यालय पर मंगलवार देर शाम छापा मारा। मौके से नर्सिंग होम संचालक समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इसमें सीबीएन के दो इंस्पेक्टर शामिल है। दोनों नर्सिंग होम संचालक से 10 लाख रुपये रिश्वत लेते समय दबोचे गए। सीबीआई की टीम आरोपियों से पूछताछ कर रही है। वहीं, कार्यालय व आवास पर छापेमारी देर रात तक जारी रही।

सीबीआई के अधिकारी के मुताबिक जानकारी मिली थी कि नर्सिंग होम संचालक से सीबीएन के दो इंस्पेक्टर ने 10 लाख रुपये की रिश्वत मांगी है। नर्सिंग होम संचालक रिश्वत देने मंगलवार शाम रिश्वत की रकम लेकर सीबीएन के महानगर मंदिर मार्ग स्थित कार्यालय जा रहा है। इसके बाद सीबीआई की टीम ने सीबीएन कार्यालय पर छापा मारकर तीनों के पास से दस लाख रुपये की रकम को बरामद कर लिया।

खगोलीय घटना

7 सितंबर को लगने जा रहा पूर्ण चंद्रग्रहण, भारत समेत दुनिया के कई हिस्सो में दिखाई देगा

चंद्रग्रहण इस बार होगा खास, लाल नजर आएगा चांद

संवाददाता, नैनीताल

- 2022 के बाद होगा सबसे लंबी अवधि वाला ग्रहण

अमृत विचार : आगामी 7 सितंबर की रात लगने जा रहा चंद्रग्रहण खास होगा। यह पूर्ण चंद्रग्रहण होगा और ग्रहण के दौरान चन्द्रमा लाल रंग में रंगा नजर आएगा। यह ग्रहण भारत समेत दुनिया के कई हिस्सों में देखा जा सकेगा।

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) नैनीताल के वरिष्ठ खगोल विज्ञानी डॉ. शशिभूषण पांडेय ने बताया कि वर्ष 2022 के बाद का सबसे लंबी अवधि वाला चंद्र ग्रहण होगा। वैज्ञानिकों ने इस ग्रहण को ब्लड मून नाम दिया है। ग्रहण के दौरान चन्द्रमा लाल रंग में नजर आएगा। भारत में ग्रहण 7 सितंबर

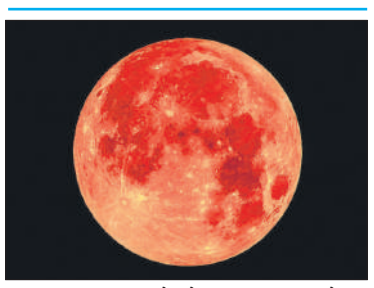

की रात 8:58 बजे से लगना शुरू होगा, जो उपछाया वाला होगा। इस दौरान पृथ्वी की छाया चंद्रमा पर पड़नी शुरू हो जाएगी, लेकिन दिखाई नहीं देगी। इसके ठीक एक घंटे बाद 9:58 बजे छाया वाला ग्रहण दिखना शुरू हो जाएगा, जो रात 1:25 बजे तक ग्रहण की छाया में लिपटा रहेगा। इसके बाद पुनः उपछाया वाला ग्रहण होगा, जो रात 2:25 बजे तक जारी रहेगा। इसके बाद चंद्रमा पृथ्वी की छाया से मुक्त हो जाएगा। पूर्ण चंद्रग्रहण रात 11 बजे नजर आएगा। यह अदभुत खगोलीय घटना होगी।

चंद्रग्रहण के दौरान होता है ब्लड मून

नैनीताल। वैज्ञानिक डॉ. पांडेय के अनुसार ब्लड मून की स्थिति चंद्रग्रहण के दौरान बनती है। इस दौरान सूर्य, पृथ्वी और चन्द्रमा एक सीध में आ जाते हैं और सूर्य की रोशनी पृथ्वी के वायुमंडल से होकर गुजरती है, जो नीली रोशनी को विखंडित कर लाल रंग में तब्दील कर देती है और चन्द्रमा लाल रंग में रंगा नजर आता है। इस तरह की स्थिति पृथ्वी पर सूर्योदय व सूर्यास्त के दौरान नजर आती है।

भारत समेत इन देशों में दिखाई देगा ग्रहण

नैनीताल। यह वर्ष का दूसरा चंद्रग्रहण है, जो भारत, चीन, रूस, अरब देशों के अलावा पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया, पूर्वी अफ्रीका और यूरोप के कई देशों से देखा जा सकेगा। इस ग्रहण को नासा समेत कई स्पेस एजेंसियों के अलावा खगोलीय घटनाओं से जुड़े कुछ निजी संस्थान भी इसे ऑनलाइन दिखाने जा रहे हैं।

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार, 27 अगस्त 2025

न्यूज ब्रीफ

पांच आईपीएस के कार्यक्षेत्र बदले

लखनऊ। प्रदेश में मंगलवार को पांच वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में फेरबदल किया गया है। यूपी पॉवर कारपोरेशन लि. के डीजी एमके बशाल को पुलिस महानिदेशक/महासमादेष्टा होमगार्ड के पद पर तैनात किया गया। वहीं एडीजी जय नारायण सिंह को पॉवर कारपोरेशन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी तैनाती पीटीसी सीतापुर के एडीजी के पद पर थी। इसी तरह एडीजी प्रशांत कुमार को प्रशासन के साथ मुख्यालय की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आईजी पीएसी उपेंद्र कुमार अग्रवाल को अभिसूचना के पद पर तैनाती दी गई। प्रतीक्षारत आईजी सतेंद्र कुमार को पीएसी आगरा अनुभाग की जिम्मेदारी दी गई है।

राजस्व वसूली में कमी पर दो मुख्य अभियंता हटाए

लखनऊ। राजस्व वसूली में काफी पीछे होने व क्षेत्रों में लाइन हानियां बढ़ने पर गाजियाबाद प्रथम व कानपुर-द्वितीय के मुख्य अभियंताओं को उनके पदों से हटा दिया गया। इन अधिकारियों को शक्ति भवन मुख्यालय से सम्बद्ध किया गया है। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष डॉ आशीष कुमार गोयल के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। अध्यक्ष मंगलवार को शक्ति भवन में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। अध्यक्ष ने बिजली आपूर्ति में सुधार के लिए 15 सितंबर से पूरे प्रदेश में अनुरक्षण माह शुरू करने के निर्देश दिये। वीडियो कांफ्रेन्सिग के माध्यम से समीक्षा करते हुए अध्यक्ष ने निर्देश दिया कि 15 सितंबर से 15 अक्टूबर तक पूरे प्रदेश में अनुरक्षण माह मनाया जायेगा।

हिमाचल के राज्यपाल ने किया विस का दौरा

लखनऊ। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा का दौरा किया। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने उनका पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र और स्मृति-चिह्न भेंट कर स्वागत किया। लंबे समय बाद विधानसभा पधारे राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने यहां हुए व्यापक बदलावों और आधुनिकीकरण को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने विधानसभा परिसर, नवनिर्मित सुविधाओं तथा तकनीकी सुधारों का अवलोकन किया। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे के अलावा विधानसभा के प्रमुख सचिव प्रदीप कुमार दुबे व अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे।

चंदन चौकी बनेगी इको टूरिज्म की नई पहचान

लखनऊ। पर्यटकों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए, उप्र. पर्यटन विभाग ने लखीमपुर खीरी के चंदन चौकी को प्रमुख इको-टूरिज्म और वेलनेस डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने की योजना तेज कर दी है। यह परियोजना पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत तैयार की जाएगी। परियोजना में पर्यावरण-हितैषी रहने की सुविधा, वेलनेस सेंटर, एडवेंचर एक्टिविटी, रेस्टोरेंट्स के साथ-साथ स्थानीय लोगों द्वारा संचालित होम-स्टे, स्मृति-चिह्न की दुकानें और वीकेंड हाट शामिल होंगे। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इस परियोजना में विश्व स्तरीय आवासीय सुविधाएं, वेलनेस सेंटर, साहसिक गतिविधियों की सुविधाएं, रेस्तरां और सामुदायिक भागीदारी वाले अनुभव शामिल होंगे। इस परियोजना से स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार और आय के अवसर भी सृजित होंगे।

सूर्य सखियों से गांव-गांव तक पहुंचेगी सौर ऊर्जा की रोशनी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- डिसेंटीलाइज्ड एनर्जी फॉर वोमेंस इकनॉमी इंपॉवरमेंट कार्यक्रम आज

अमृत विचार। योगी सरकार स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की सोलर पैनल, लाइटिंग, ईवी चार्जिंग समेत सोलर आधारित योजनाओं में भागीदारी बढ़ाने के लिए महिला सूर्य सखी से जोड़ने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी के मार्गदर्शन में बुधवार को यूपीएसआरएलएम की ओर से देवी (डिसेंटीलाइज्ड एनर्जी फॉर वोमेंस इकनॉमी इंपॉवरमेंट) कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसका वर्ष 2030 तक 1 लाख महिला नेतृत्व वाले उद्यमों तक डीआरई को पहुंचाना है।

इसके जरिये जहां सोलर एनर्जी के क्षेत्र में तेजी से इजाफा होगा, वहीं दूसरी ओर महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत होंगी। यूपीएसआरएलएम की निदेशक दीपा रंजन ने बताया कि योगी सरकार द्वारा लगातार महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास पर जोर दिया जा रहा है। अगर महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होंगी, तो समाज में समृद्धि का रास्ता खुल सकेगा। डीआरई ऑफ-ग्रिड यानी मिनी ग्रिड ऊर्जा समाधानों से संबंधित है, ग्रामीण और दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है।

आधुनिक शिक्षा के लिए रियल टाइम मॉनिटरिंग संभव : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को रोजगार महाकुंभ के अवसर पर अटल आवासीय विद्यालयों के लिए एकीकृत निगरानी प्रणाली की शुरूआत की। इस पोर्टल के जरिए प्रदेश के 18 अटल आवासीय विद्यालयों की गतिविधियों की रीयल टाइम मॉनिटरिंग की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल श्रमिकों के बच्चों को आधुनिक और अनुशासित शिक्षा दिलाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

अटल कमांड सेंटर आधारित ईआरपी प्रणाली के माध्यम से विद्यालयों के सभी क्रियाकलापों की डिजिटल निगरानी शुरू की गई है। इससे उपस्थिति प्रबंधन, शैक्षणिक निगरानी, स्टाफ प्रोफाइल, वित्तीय प्रबंधन, सीसीटीवी एकीकरण, छात्र प्रोफाइल के जरिए पूरा डॉटा ऑनलाइन रहेगा। सीएम ने कहा कि यह प्रणाली 18 हजार बच्चों को निःशुल्क लॉजिंग, फीडिंग और आधुनिक शिक्षा प्रदान करने वाले अटल आवासीय विद्यालयों में क्रांतिकारी बदलाव लाएगी। योगी ने कहा कि अटल आवासीय विद्यालय बीओसी बोर्ड से जुड़े श्रमिकों के बच्चों के लिए वरदान है। सीएम ने कहा कि अब उसी तर्ज पर हमने बेसिक एजुकेशन में भी इंटीग्रेटेड कैंपस की एक व्यवस्था प्रारंभ की है। पहले चरण में 57 मुख्यमंत्री अभ्युदय और कंपोजिट विद्यालयों की स्थापना का कार्य हमने प्रारंभ कर दिया है। यह डे स्कूल होंगे जहां बच्चों को आधुनिक शिक्षा प्राप्त होगी। इस अवसर पर श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर, राज्य मंत्री मनोहर लाल 'मन्नू', प्रमुख सचिव श्रम एवं सेवायोजन एमकेएस सुंदरम्, निदेशक नेहा प्रकाश, श्रम आयुक्त मार्कंडेय शाही समेत अधिकारी मौजूद रहे।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में श्रम विभाग के श्रम न्याय सेतु पोर्टल, औद्योगिक न्यायाधिकरण की वेबसाइट एवं ई-कोर्ट पोर्टल की लॉन्चिंग के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

श्रमिकों के लिए डिजिटल न्याय सेतु पोर्टल की हुई शुरुआत

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'श्रम न्याय सेतु पोर्टल', औद्योगिक न्यायाधिकरण वेबसाइट और ई-कोर्ट पोर्टल की भी शुरुआत की। योगी ने कहा कि यह श्रमिकों के हित में बड़ी पहल है। इस पोर्टल से श्रमिकों को त्वरित, पारदर्शी और टाइम-बाउंड न्याय मिलेगा। श्रम विवादों का ऑनलाइन समाधान, 24 घंटे सेवाएं और जवाबदेही सुनिश्चित की गई है।

8.5 लाख युवाओं को मिली सरकारी नौकरी : सीएम

सीएम योगी ने कहा कि बीते 8 वर्षों में 8.5 लाख युवाओं को सरकारी नौकरियां दी गई हैं। इसमें पुलिस विभाग, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पीडब्ल्यूडी और विश्वविद्यालयों में भी नियुक्तियां हुई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 8 वर्षों में 33 से अधिक सेक्टोरियल पॉलिसी लागू की गईं। इन्वेस्ट यूपी पोर्टल, निवेश मित्र और सिंगल विंडो प्लेटफॉर्म के जरिए पारदर्शी व्यवस्था बनाई गई।

इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग का ग्लोबल सेंटर बनेगा यूपी : योगी

शीघ्र लागू होगी उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण नीति-2025

नीति का लक्ष्य 50 बिलियन डॉलर उत्पादन व 10 लाख लोगों को रोजगार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रदेश को इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग का ग्लोबल सेंटर बनाने के उद्देश्य से 'उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण नीति-2025' लागू करने को हरी झंडी दे दी। नीति का लक्ष्य 50 बिलियन डॉलर उत्पादन और 10 लाख रोजगार देना है। इससे विदेशी निवेश बढ़ेगा और आयात घटने से आत्मनिर्भर भारत को मजबूती मिलेगी। साथ ही यूपी इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग का ग्लोबल सेंटर बनेगा।

मुख्यमंत्री योगी ने आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग द्वारा तैयार प्रस्तावित नीति पर मंगलवार को महत्वपूर्ण बैठक में प्रस्तुतीकरण देखा और चर्चा के बाद नीति को जल्द लागू करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर भारत की अर्थव्यवस्था का सबसे तेज़ी से उभरता क्षेत्र है। आज भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता है, जिसमें उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी लगभग 60 प्रतिशत है। अपार संभावनाओं वाले इस सेक्टर का लाभ उत्तर प्रदेश को उठाना चाहिए।

योगी ने कहा कि पिछले आठ वर्षों में प्रदेश ने औद्योगिक विकास की दिशा में ऐतिहासिक प्रगति की है। यह नीति प्रधानमंत्री मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' के संकल्प को मज़बूती देने के साथ-साथ राज्य की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। नीति के प्रावधानों पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेशकों को आकर्षित करने के लिए केंद्र सरकार की इलेक्ट्रॉनिक कॉम्पोनेन्ट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम के साथ प्रदेश की ओर से टॉप-अप इंसेंटिव दिया जाना चाहिए। इसी तरह पूंजीगत निवेश पर आकर्षक सब्सिडी, अतिरिक्त लाभ, स्टाम्प शुल्क एवं बिजली शुल्क में छूट, ब्याज अनुदान, लॉजिस्टिक्स और संचालन सहायता जैसे प्रावधान शामिल किये जाएं। मुख्यमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि यदि निवेशक प्रदेश में रोजगार सृजित करता है और प्रदेश के युवाओं को वरीयता देता है तो उसे विशेष प्रोत्साहन दिया जाए। प्रदेश को इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए ठोस कार्ययोजना बनाई जाए। यह नीति न केवल विदेशी निवेश आकर्षित करेगी बल्कि आयात पर निर्भरता घटाकर घरेलू मूल्य संवर्धन और विदेशी मुद्रा की बचत में भी सहायक होगी।

बैठक को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी। अमृत विचार

1 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था के लक्ष्य में बड़ा योगदान

आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रमुख सचिव ने बताया कि प्रस्तावित नीति का लक्ष्य अगले पाँच वर्षों में 50 बिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य का इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन करना और लगभग 10 लाख प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित करना है। इससे राज्य की 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य साधना आसान होगा।

आज 2,425 मुख्य सेविकाओं व 13 फार्मासिस्टों को सीएम देंगे नियुक्ति पत्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को लोकभवन सभागार में बाल विकास एंव पुष्टाहार विभाग में नवचयनित 2,425 मुख्य सेविकाओं और 13 फार्मासिस्टों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। यह आयोजन पिछले दो दशकों में बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग में सबसे बड़ी नियुक्ति है, जो महिलाओं के सशक्तिकरण और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती देने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग की निदेशक सरनीत कौर ब्रोका ने बताया कि उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर महिला कल्याण, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार मंत्री बेबी रानी मौर्य और राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतिभा शुक्ला भी उपस्थित रहेंगी। निदेशक ने बताया कि पिछले आठ वर्षों में जिला कार्यक्रम अधिकारी के 6 पदों और बाल विकास परियोजना अधिकारी के 200 से अधिक पदों पर लोक सेवा आयोग के जरिए पदोन्नति पूरी की गई। 75 जनपदों में 19,424 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की भर्ती हो चुकी है, जबकि 3000 से अधिक सहायिकाओं को कार्यकत्री पद पर प्रमोशन दिया गया।

मोर्थ की 'सड़क सुरक्षा मित्र' पहल को लेकर यूपी सक्रिय

लखनऊ। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (मोर्थ) व युवा कार्य-खेल मंत्रालय के सहयोग से 'सड़क सुरक्षा मित्र कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। युवाओं को सड़क-सुरक्षा हस्तक्षेपों में संगठित रूप से जोड़ना है। इसके लिए अनुमोदित कॉन्सेप्ट नोट, रोडमैप प्रेषित किए गए हैं। प्रथम चरण में देश के 100 चयनित जिलों में 28 यूपी के शामिल हैं। परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने मंगलवार को सभी जिलाधिकारियों को पत्र जारी कर युवाओं के समन्वित जुड़ाव व प्रगति रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है। स्वयं सेवक के रूप में 18-28 वर्ष के उसी जिले के युवा, जिनके विरुद्ध कोई यातायात चालान लंबित न हो, वे चुने जाएंगे। सामान्य स्वयंसेवकों के लिए 1 सप्ताह का प्रशिक्षण और सिविल इंजीनियर स्नातकों के लिए 15 दिन का रोड सेफ़्टी ऑडिट प्रशिक्षण निर्धारित है।

- प्रथम चरण में देश के 100 चयनित जिलों में 28 यूपी के शामिल

जिला सड़क सुरक्षा समिति करेगी कार्यक्रम की देखरेख : प्रत्येक जिले में जिला सड़क सुरक्षा समिति कार्यक्रम की देखरेख करेगी। 28 जिलों में कानपुर नगर, बुलंदशहर, प्रयागराज, आगरा, उन्नाव, हरदोई, मथुरा, अलीगढ़, फतेहपुर, लखनऊ, सीतापुर, बरेली, गोरखपुर, कुशीनगर, बाराबंकी, जौनपुर, गौतमबुद्धनगर, सहारनपुर, आज़मगढ़, मैनपुरी, फ़िरोज़ाबाद, रायबरेली, सोनभद्र, लखीमपुर खीरी, शाहजहांपुर और बस्ती शामिल है।

पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों को दी जाएगी छात्रवृत्ति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप ने दिये दिशा- निर्देश

अमृत विचार। इस बार गांधी जयंती पर पिछड़े वर्ग व दिव्यांगजनों के अभ्यर्थियों को छात्रवृत्ति दी जाएगी। पिछड़ा वर्ग कल्याण व दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप ने अधिकारियों को निर्देश दिये। राज्यमंत्री मंगलवार को विधानभवन में दोनों विभागों की साझा समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि 2 अक्टूबर गांधी जयंती पर पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की योजनाओं से लाभार्थियों को लाभान्वित किया जाएगा। इस अवसर पर पहली बार समय से पूर्व पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति वितरित करने की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि विभागीय योजनाओं पर पूरे वर्ष कार्यक्रम आयोजित किया जाय, जिससे योजनाओं की पहुंच अधिक से अधिक लाभार्थियों तक सुनिश्चित हो सके।

बैठक में पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की योजनाओं की समीक्षा के दौरान मंत्री ने छात्रवृत्ति, शुल्क प्रतिपूर्ति, कंप्यूटर प्रशिक्षण और शादी अनुदान योजनाओं की अद्यतन प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि गांधी जयंती तक अधिक से अधिक पात्र छात्र-छात्राएं छात्रवृत्ति योजना का लाभ प्राप्त कर सकें। इसके लिए जिलों के बेसिक शिक्षा अधिकारियों और जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारियों के बीच समन्वय स्थापित किया जाय और विद्यालय स्तर पर विशेष जनजागरूकता अभियान चलाया जाय।

शादी अनुदान योजना में प्राप्त आवेदनों के शीघ्र निस्तारण और समयबद्ध भुगतान पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना में 'ट्रिपल सी' और 'ओ लेवल' के अतिरिक्त आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षणों को शामिल करने के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए।

विधानभवन में समीक्षा बैठक करते पिछड़ा वर्ग कल्याण व दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप।

दिव्यांगजनों के लिए लगेगा रोजगार मेला

राज्यमंत्री ने कहा कि दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभागीय स्तर पर रोजगार मेलों का आयोजन किया जाय। राज्य सरकार द्वारा 3 दिसम्बर 2025 को आयोजित 'विश्व दिव्यांग दिवस' पर राज्य स्तरीय पुरस्कार दिए जाएंगे। इसके लिए जिलों से प्रस्ताव 30 अगस्त तक आमंत्रित किए जा रहे हैं।

राज्यपाल से मुलाकात

लखनऊ। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने मंगलवार को राजभवन में अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से मुलाकात की।

एमएलसी की 11 सीटों पर आपस में लड़ना इंडी की असलियत : ब्रजेश पाठक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एनडीए गठबंधन के प्रत्याशी सीपी राधाकृष्णन होंगे विजयी

अमृत विचार। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि एमएलसी की 11 सीटों पर दोनों दलों का अलग-अलग चुनाव लड़ना ही इंडी गठबंधन की असलियत को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि यह गठबंधन अवसरवाद और सत्ता की लालसा पर आधारित है, इसमें न कोई वैचारिक प्रतिबद्धता है और न ही जनता के लिए कोई गंभीर सोच।

ब्रजेश पाठक ने मंगलवार को कहा है कि भारतीय जनता पार्टी और एनडीए गठबंधन के प्रत्याशी सीपी राधाकृष्णन प्रचंड मतों से विजयी होंगे। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास भाजपा और एनडीए के साथ है और यही भारतीय लोकतंत्र की सच्ची ताकत है। पाठक ने कहा कि समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव का बयान अंतर्विरोधों से भरा हुआ है। उन्हें कांग्रेस के काले इतिहास का अध्ययन करना चाहिए। यही कांग्रेस है जिसने देश पर आपातकाल थोपकर पूरे भारत को कैदखाने में बदल दिया था। यही नहीं, कांग्रेस ने अलग-अलग समय पर जनता द्वारा चुनी गई 90 राज्य सरकारों को बर्खास्त कर लोकतंत्र का गला घोंटने का काम किया। उन्होंने कहा कि यह भारतीय लोकतंत्र का सबसे काला अध्याय है, जिसे देश कभी भूल नहीं सकता। पाठक ने कहा कि प्रदेश की सत्ता में जब-जब सपा रही, गुंडे और माफिया सत्ता के आशीर्वाद से पनपे। उन्होंने कहा कि उस दौर में पूरा प्रदेश कहता था कि, देख सपाई, बिटिया घबराई। यही नहीं, सपा के लोग नारा देते थे कि समाजवाद का नारा है, खाली प्लॉट हमारा है।

उत्पादन और किसानों की आय में हुई वृद्धि

लखनऊ। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने मंगलवार को कृषि भवन के सभागार में आयोजित एक बैठक के दौरान प्रदेश के कृषि क्षेत्र में हुई बहुआयामी प्रगति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार की किसान-हितैषी नीतियों और अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप पिछले कुछ वर्षों में कृषि विकास दर, उत्पादन और किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। शाही ने बताया कि वर्ष 2016-17 में कृषि क्षेत्र की विकास दर 8.8 प्रतिशत थी, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 15.7 प्रतिशत हो गई है। यह वृद्धि सरकार के सकारात्मक दृष्टिकोण और कृषि के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। शाही ने बताया कि वर्तमान में, गेहूं, चावल, गन्ना, आलू के उत्पादन में राज्य का प्रथम स्थान है। बाजरा, मसूर, राई, सरसों के उत्पादन में दूसरे स्थान पर और दलहन के उत्पादन में तीसरे स्थान पर है।

सपा का समर्थन

उपराष्ट्रपति पद के प्रत्याशी बी. सुदर्शन रेड्डी ने मांगा सभी दलों से समर्थन

सभी दल अंतरात्मा की आवाज पर मतदान करें : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने उप राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी बी सुदर्शन रेड्डी को समर्थन देते हुए कहा कि सभी दल अंतरात्मा की आवाज पर मतदान करें। उन्होंने कहा कि आज जिन राजनीतिक परिस्थितियों में उप राष्ट्रपति पद का चुनाव हो रहा है व लोग जिस न्याय की लड़ाई लड़ रहे हैं, उसके लिए एक न्यायमूर्ति से अच्छा विकल्प कुछ नहीं हो सकता है। सपा प्रमुख सपा कार्यालय में प्रत्याशी रेड्डी की उपस्थिति में दोनों दलों की साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले प्रत्याशी रेड्डी ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में दोनों दलों के नेताओं के साथ बैठक कर समर्थन मांगा।

साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते अखिलेश व साथ में उप राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी बी सुदर्शन रेड्डी।

सपा प्रमुख ने कहा कि हमें उम्मीद है जो न्याय के पक्षधर हैं वे अन्तरात्मा की आवाज पर हमारे प्रत्याशी के पक्ष में वोट डालेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा उप राष्ट्रपति जैसे पद को एक विचारधारा विशेष में बांधना चाहती है। यह देश हित में नहीं है, इसलिए हम लोगों अपने अधिकारों का सदुपयोग करते हुए अपना उम्मीदवार खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि बात हार या जीत की नहीं, सिद्धांत की है। कांफ्रेंस में सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, कांग्रेस विधान मंडल दल की नेता आराधना मिश्रा 'मोना', समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी, समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल मौजूद रहे। इससे पहले सपा कार्यालय में सपा प्रमुख ने रेड्डी का शाल ओढ़ाकर स्वागत किया। कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय में भी पार्टी नेताओं ने उनका स्वागत किया।

उप राष्ट्रपति का कार्यालय राजनीतिक नहीं : रेड्डी

उप राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी रेड्डी ने कहा कि विपक्षी दलों ने उन पर विश्वास रखकर उप राष्ट्रपति पद का प्रत्याशी चुना है। इसके लिए वह आभारी हैं। चुनाव में इंडिया गठबंधन के सभी दलों के साथ जो दल गठबंधन में नहीं हैं वे भी मदद देने के लिए आगे आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह देश को भरोसा दिलाते हैं कि संविधान के साथ उनकी यात्रा जारी रहेगी।

पूर्व मंत्री भगवती सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते अखिलेश।

सादगी से मनाई गई समाजवादी नेता भगवती सिंह की 93वीं जयंती

लखनऊ, अमृत विचार : वरिष्ठ समाजवादी नेता एवं पूर्व मंत्री भगवती सिंह की 93वीं जयंती मंगलवार को सपा मुख्यालय में सादगी से मनाई गई। पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भगवती सिंह के चित्र पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व मंत्री रेवती रमण सिंह ने और संचालन देवी बख्श सिंह एडवोकेट ने की। भगवती सिंह को याद करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि वे अपने पूरे जीवन में समाजवादी विचारधारा के लिए समर्पित रहे। लोकतंत्र के लिए संघर्ष करते रहे। उनमें बराबर राजनीतिक स्पष्टता रही। कहा कि भगवती बाबू ने विकास को प्राथमिकता दी।

बाढ़ की समस्या से निपटने को प्रशासन करे पुख्ता इंतजाम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री के निर्देश पर राहत और बचाव कार्य तेज

अमृत विचार। पहाड़ों और मैदानी इलाकों में मूसलाधार बारिश से मंगलार को प्रदेश के कई जिलों में बाढ़ का पानी बढ़ने लगा है। ऐसे में मुख्यमंत्री योगी ने तत्काल अधिकारियों को राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। शासन का कहना है कि प्रदेश में मंगलवार को बाढ़ से प्रभावित 22 जिलों में न मकान गिरा, न कोई हताहत हुआ है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि किसी व्यक्ति को बाढ़ की समस्या से परेशान न हो, इसका पुख्ता इंतजाम किये जाएं। साथ ही बाढ़ प्रभावित इलाकों के लोगों को सुरक्षित स्थान पर तत्काल शिफ्ट किया जाए। राहत आयुक्त भानु चंद्र गोस्वामी ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश के 22 जिलों की 43 तहसीलें और 768 गांव बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। इन इलाकों में बाढ़ से 2,52,839 लोग प्रभावित हैं, जिन्हें राहत सहायता प्रदान की गयी है। वहीं बाढ़ की वजह से 33,370 मवेशियों को सुरक्षा स्थान पर शिफ्ट किया गया है। प्रदेश में 37,279 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल बाढ़ की चपेट में आया है। एक हजार से अधिक बाढ़ चौकियों से बाढ़ प्रभावित इलाकों की निगरानी हो रही है।

नेशनल ब्रीफ

सैन्य अधिकारी पर पांच साल का उड़ान प्रतिबंध

मुंबई। स्पाइसजेट ने उस वरिष्ठ सैन्य अधिकारी पर पांच साल का उड़ान प्रतिबंध लगा दिया है, जिन्होंने जुलाई में श्रीनगर हवाई अड्डे पर उसके कर्मचारियों के साथ कथित तौर पर मारपीट की थी। सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने 26 जुलाई को श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्पाइसजेट के चार कर्मचारियों पर कथित तौर पर हमला करने और उन्हें घायल करने के आरोप में सैन्य अधिकारी के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इस घटनाक्रम से जुड़े सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि अधिकारी को पांच साल की अवधि के लिए 'नो-फ्लाई' सूची में डाल दिया गया है। उन्होंने बताया कि इस अवधि के दौरान अधिकारी को एयरलाइन द्वारा संचालित किसी भी घरेलू, अंतरराष्ट्रीय या गैर-अनुसूचित उड़ान में सवार होने से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

पेपर लीक मास्टरमाइंड की अचानक हुई मौत

जयपुर। राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) भर्ती परीक्षा-2013 पेपर लीक प्रकरण के कथित मास्टरमाइंड की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि आरोपी अमृत लाल मीणा की वाराणसी से जयपुर लाए जाने के दौरान मौत हो गई। राजस्थान पुलिस ने जुलाई 2014 में अमृत लाल (55) को अन्य आरोपियों के साथ गिरफ्तार किया था। करौली जिले के नादौती थाने के प्रभारी वीर सिंह ने बताया कि मीणा के परिजनों को आरके सिंह नामक व्यक्ति ने सूचना दी थी कि मीणा को वाराणसी के सिगारा के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। परिवार के सदस्य वहां गए और 24 अगस्त को उसे एम्बुलेंस से जयपुर ले जा रहे थे तभी रास्ते में आगरा के पास उसकी मृत्यु हो गई।

चंडीगढ़ में सेना के पूर्व अधिकारी से लूट

चंडीगढ़। केन्द्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में रविवार दोपहर मनीमाजरा की बैंक कॉलोनी में 75 वर्षीय पूर्व सेना अधिकारी धर्मपाल से चाकू की नोक पर 5,000 रुपये की लूट की सनसनीखेज घटना सामने आयी। आरोपी ने धमकी देकर नकदी छीनी और फरार हो गया। धर्मपाल ने हिम्मत दिखाते हुए आरोपी को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह भाग निकला। धर्मपाल के पुत्र तरुण ने बताया कि वे अपने पिता से पार्क के पास मिले थे और उन्हें 5,000 रुपये दिये थे। आरोपी ने यह देखा और पीछा करते हुए लूट को अंजाम दिया। परिजनों ने मनीमाजरा थाने में शिकायत दर्ज की, लेकिन पुलिस ने अब तक प्राथमिकी दर्ज नहीं की।

ईडी का बीपीटीपी के खिलाफ छापा

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने करीब 500 करोड़ रुपये के विदेशी मुद्रा विनिमय उल्लंघन मामले में अपनी जांच के तहत दिल्ली-एनसीआर में रियल एस्टेट कंपनी बीपीटीपी से संबंधित परिसरों पर मंगलवार को छापे मारे। 'बिजनेस पार्क्स टाउन प्लानर्स प्राइवेट लिमिटेड' (बीपीटीपी) के दिल्ली, नोएडा और फरीदाबाद में परिसरों पर फेमा के प्रावधानों के तहत छापे मारे गए।

सुरक्षित रखे गए फैसलों को सुनाने में देरी चौंकाने वाली और आश्चर्यजनक

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसला सुनाने में देरी पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई सख्त नाराजगी

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सभी उच्च न्यायालयों के रजिस्ट्रार जनरल को अपने मुख्य न्यायाधीशों को उन फैसलों के बारे में ब्योरा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है, जिन्हें तीन महीने तक सुरक्षित रखा गया है लेकिन सुनाया नहीं गया है। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा दिसंबर 2021 में एक आपराधिक अपील की सुनवाई पूरी कर लेने के बावजूद उस पर फैसला सुनाने में विफल रहने पर चिंता व्यक्त की।

पीठ ने कहा, यह बेहद चौंकाने वाला और आश्चर्यजनक है कि अपील की सुनवाई की तारीख से लगभग एक साल तक फैसला नहीं सुनाया गया। इस अदालत को बार-बार ऐसे ही मामलों का सामना करना पड़ता है जिनमें उच्च न्यायालय में कार्यवाही तीन महीने से ज्यादा समय तक लंबित रहती है, कुछ मामलों में छह महीने या सालों से भी ज्यादा समय तक जहां मामले की सुनवाई के बाद भी फैसला नहीं सुनाया जाता।

आदेश लिखने वाले न्यायमूर्ति मिश्रा ने कहा कि ज्यादातर उच्च न्यायालयों में ऐसी व्यवस्था का अभाव है, जिससे कोई वादी संबंधित पीठ या मुख्य न्यायाधीश के पास जा सके और देरी के मुद्दे को उनके संज्ञान में ला सके। ऐसी स्थिति में, वादी न्यायिक प्रक्रिया में अपना विश्वास खो देता है और न्याय का उद्देश्य विफल हो जाता है। वर्ष 2001 में अनिल राय बनाम बिहार राज्य मामले में अपने फैसले का हवाला देते हुए पीठ ने कहा कि वह समय पर फैसले सुनाए जा सकें, इसके लिए उस समय जारी किए गए विस्तृत दिशानिर्देशों को दोहरा रही है।

- सभी हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को निर्देश, तीन महीने सुरक्षित फैसलों का ब्योरा मुख्य न्यायाधीश को दें

तीन महीने में न सुनाएं फैसला तो दूसरी पीठ को दें मामला

सुप्रीम कोर्ट ने नए निर्देश जारी करते हुए आदेश दिया कि प्रत्येक हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार ऐसे मामलों की एक मासिक रिपोर्ट तैयार करें जिनमें फैसले सुरक्षित रखे गए हैं, लेकिन सुनाए नहीं गए हैं। यह रिपोर्ट मुख्य न्यायाधीश को प्रस्तुत की जानी चाहिए। यदि तीन महीने के भीतर फैसला नहीं सुनाया जाता है, तो महापंजीयक को मामले को मुख्य न्यायाधीश के समक्ष प्रस्तुत करना होगा, जो दो सप्ताह के भीतर फैसला सुनाने का निर्देश देंगे। यदि कोई पीठ फिर भी फैसला नहीं सुनाती है, तो मामले को किसी अन्य पीठ को सौंप दिया जाना चाहिए।

न्यायमूर्ति पंचोली को पदोन्नत करना न्याय पालिका के लिए नुकसानदेह साबित होगा

नई दिल्ली। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना ने पटना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश विपुल मनुभाई पंचोली को शीर्ष अदालत में पदोन्नत करने संबंधी सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश पर असहमति जताते हुए कहा कि उनकी नियुक्ति न्यायपालिका के लिए नुकसानदेह साबित होगी। सीजेआई बीआर गवई और न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और न्यायमूर्ति नागरत्ना की पांच सदस्यीय कॉलेजियम ने 25 अगस्त को बैठक की थी। न्यायमूर्ति पंचोली शीर्ष अदालत का न्यायाधीश बनने के बाद अक्टूबर 2031 में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की सेवानिवृत्ति के बाद प्रधान न्यायाधीश बनने की कतार में होंगे। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने न्यायमूर्ति पंचोली के नाम की सिफारिश के खिलाफ कई आधार पर असहमति दर्ज कराई। शीर्ष अदालत की एकमात्र महिला न्यायाधीश न्यायमूर्ति नागरत्ना ने रेखांकित किया कि न्यायमूर्ति पंचोली की पदोन्नति, उनकी कम वरिष्ठता और गुजरात हाईकोर्ट से पटना हाईकोर्ट में उनके पूर्व के स्थानांतरण से जुड़ी परिस्थितियों के मद्देनजर न्यायपालिका के लिए नुकसानदेह साबित होगी। सूत्रों ने बताया कि न्यायमूर्ति नागरत्ना ने अपनी असहमति में यहां तक कहा कि न्यायमूर्ति पंचोली की नियुक्ति को आगे बढ़ाने से कॉलेजियम प्रणाली की जो भी विश्वसनीयता बची है, उसका भी क्षरण हो सकता है।

- न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना ने कॉलेजियम की सिफारिश से जताई असहमति

वनतारा ने कोर्ट के आदेश को स्वीकार किया

नई दिल्ली। रिलायंस फाउंडेशन के प्राणी बचाव एवं पुनर्वास केंद्र वनतारा ने कहा है कि वह कानून का पालन नहीं करने और भारत एवं विदेशों से जानवरों के अधिग्रहण के आरोपों की जांच के लिए उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त एसआईटी को पूर्ण सहयोग प्रदान करेगा। न्यायमूर्ति पंकज मिथल और न्यायमूर्ति पीबी वराले की पीठ ने जामनगर स्थित वनतारा के खिलाफ कुछ आरोपों की जांच के लिए उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश जे. चेलमेश्वर की अध्यक्षता में चार सदस्यीय विशेष जांच दल का गठन किया। शीर्ष अदालत दो जनहित याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिनमें मीडिया और सोशल मीडिया में आई खबरों और गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) तथा वन्यजीव संगठनों की विभिन्न शिकायतों के आधार पर वनतारा में अनियमितताओं के आरोप लगाए गए थे।

सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसांख्यिकीय परिवर्तन साजिश के तहत : शाह

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसांख्यिकीय परिवर्तन एक "सोची समझी साजिश" के तहत हो रहा है और वे देश और इसकी सीमाओं की सुरक्षा को सीधे प्रभावित करते हैं।

शाह ने सीमावर्ती जिलों के जिलाधिकारियों से धार्मिक अतिक्रमण पर उचित कार्रवाई का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सीमाओं से 30 किमी के दायरे में सभी अतिक्रमण हटाने चाहिए। उन्होंने समुद्री और स्थलीय सीमाओं पर कई अतिक्रमण को हटाने में सराहनीय कार्य करने के लिए गुजरात सरकार की प्रशंसा की। यहां दो दिवसीय 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' कार्यशाला में गृह मंत्री ने कहा कि वीवीपी तीन प्रमुख बिंदुओं पर आधारित है, सीमावर्ती गांवों से पलायन को रोकना, यह सुनिश्चित करना कि सीमावर्ती गांवों के प्रत्येक नागरिक को केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का 100 प्रतिशत लाभ मिले और वीवीपी के तहत गांवों को सीमा और राष्ट्रीय सुरक्षा को पुख्ता करने के लिए मजबूत उपकरण के रूप में विकसित करना। शाह ने जिलाधिकारियों से सुनिश्चित करने को कहा कि चुनौतीपूर्ण भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद नागरिक अपने गांवों को न छोड़ें, पलायन को रोका जाए और गांव की आबादी भी बढ़े।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से कहा था कि जनसांख्यिकीय परिवर्तन चिंता का विषय है। मंत्री ने कहा कि वीवीपी में शामिल कलेक्टरों को इस पर बारीकी से ध्यान देकर समाधान करने की जरूरत है। सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसांख्यिकीय परिवर्तन देश और उसकी सीमाओं की सुरक्षा को सीधे प्रभावित करते हैं। यह नहीं माना जाना चाहिए कि ऐसा भौगोलिक परिस्थितियों के कारण हो रहा है, बल्कि, यह एक सोची समझी साजिश के तहत हो रहा है। उन्होंने राज्यों के मुख्य सचिवों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) से भी इस मुद्दे पर ध्यान देने को कहा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वीवीपी शुरू करने का एक मकसद यह भी था कि सीएपीएफ और सेना को होने वाली आपूर्ति का स्रोत स्थानीय स्तर पर हो।

- गृहमंत्री ने सीमावर्ती जिलों के डीएम से धार्मिक अतिक्रमण हटाने के लिए कहा

सीमांत गांव के हर नागरिक का जीवन बेहतर बनाएंगी सरकार

गृह मंत्री ने वीवीपी 'लोगो' का अनावरण करते हुए कहा कि अरुणाचल में इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन के बाद कई सीमावर्ती गांवों की जनसंख्या बढ़ी है। यह सीमावर्ती गांवों के लिए संदेश है कि इन गांवों में लौटने की प्रवृत्ति सही दिशा में बढ़ रही है। शाह ने कहा कि जब प्रधानमंत्री मोदी ने वीवीपी की अवधारणा प्रस्तुत की तो यह निर्णय लिया गया कि इसे चरणबद्ध तरीके से क्रियान्वित किया जाएगा। न केवल हर सीमांत गांव को सभी सुविधाओं से युक्त किया जाए, बल्कि सीमांत गांवों में रहने वाले हर नागरिक को भारत सरकार और राज्य सरकार की सभी योजनाओं से लैस करके उनके व्यक्तिगत जीवन को बेहतर बनाया जाए।

एक तिहाई स्कूली बच्चे लेते हैं निजी कोचिंग, शहरों में ये प्रवृत्ति अधिक

नई दिल्ली, एजेंसी

- शिक्षा पर कराए गए व्यापक वार्षिक मॉड्यूलर सर्वेक्षण में हुआ खुलासा
- कुल छात्रों में 55.9 प्रतिशत हिस्सेदारी सरकारी विद्यालयों की

देश के एक तिहाई स्कूली छात्र निजी कोचिंग का सहारा लेते हैं और यह प्रवृत्ति शहरों में आम है। केंद्र सरकार द्वारा शिक्षा पर कराए व्यापक वार्षिक मॉड्यूलर सर्वेक्षण में यह खुलासा हुआ है। सर्वेक्षण के मुताबिक सरकारी स्कूल पूरे भारत में शिक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण अहम भूमिका निभाते हैं और अब भी विद्यालयों में नामांकित कुल छात्रों में 55.9 प्रतिशत हिस्सेदारी सरकारी विद्यालयों की है।

सर्वेक्षण अनसार, गांवों में यह दर अधिक है, जहां दो-तिहाई (66 %) छात्र सरकारी विद्यालयों में नामांकित हैं, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह दर 30.1% है। निजी गैर-सहायता प्राप्त (मान्यता प्राप्त) विद्यालयों में देशभर में 31.9% छात्र नामांकित हैं। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (एनएसएस) के 80वें दौर का हिस्सा, सीएमएस शिक्षा सर्वेक्षण, विशेष रूप से स्कूली शिक्षा में वर्तमान में नामांकित छात्रों के घरेलू खर्च पर केंद्रित था। सर्वेक्षण के दौरान कंप्यूटर-सहायता प्राप्त व्यक्तिगत साक्षात्कार (सीएपीआई) का उपयोग करके पूरे भारत में 52,085 परिवारों और 57,742 छात्रों से आंकड़े एकत्रित किए गए। करीब एक तिहाई छात्र (27%) चालू शैक्षणिक वर्ष के दौरान निजी कोचिंग ले रहे थे या ले चुके थे। यह प्रवृत्ति गांवों (25.5%) की तुलना में शहरों (30.7 %) में अधिक आम थी।

पीएम ने दूसरों पर भैंस चुराने का आरोप लगाया, खुद वोट चुरा लिए: प्रियंका

सुपौल/मधुबनी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा मंगलवार को राहुल गांधी के साथ 'वोटर अधिकार यात्रा' में शामिल हुईं और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा चुनाव में मुख्य विपक्षी दल पर 'भैंस चुराने' का आरोप लगाया था, लेकिन अब उन्होंने तो वोट ही चुरा लिए। उन्होंने यह दावा भी किया कि जनता का विश्वास खो चुकी भाजपा देश भर में 'वोट चोरी' की साजिशें रच रही है। कांग्रेस महासचिव ने यह भी कहा कि गरीब जनता का एक भी वोट चोरी नहीं होने दिया जाएगा। प्रियंका सुपौल से यात्रा में शामिल हुईं।

धर्म कोई भी हो, सभी भारतीयों का 40,000 वर्षों से एक डीएनए

विदेशी राजनयिकों और नामी हस्तियों की मौजूदगी में संघ प्रमुख बोले

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में एकजुटता का संदेश देते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने एकता के लिए एकरूपता की जरूरत को नकारते हुए मंगलवार को कहा, विविधता में भी एकता है और अलग विचारधारा रखना कोई अपराध नहीं है। नामी हस्तियों, विदेशी राजनयिकों और अन्य के समक्ष दिए गए एक महत्वपूर्ण संबोधन में भागवत ने कहा कि भारतीय, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो, अपने पूर्वजों की सामान्य परंपराओं से बंधे हैं और अखंड भारत में 40,000 से अधिक वर्षों से उनका डीएनए एक ही है।

उन्होंने कहा कि आरएसएस एकता के लिए एकरूपता को जरूरी नहीं मानता। उन्होंने आरएसएस के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन के अवसर पर अपने संबोधन में कहा, सद्भावना से रहना हमारी संस्कृति है। ऐसा नहीं है कि एकता एकरूपता से आती है। विविधता में भी एकता है। विविधता, एकता का ही परिणाम है। भागवत अगले महीने 75 वर्ष के हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि आरएसएस उन सभी को हिंदू मानता है जो भूगोल और समान परंपराओं से एक साथ बंधे हैं, और राष्ट्र या भारत माता के प्रति निष्ठा रखते हैं।

उन्होंने हिंदुओं को भूगोल और परंपराओं की व्यापक रूपरेखा में परिभाषित किया और कहा कि कुछ लोग जानते हैं, लेकिन खुद को हिंदू नहीं मानते, जबकि कुछ अन्य इसे नहीं जानते। उन्होंने कहा, "हमारा डीएनए भी एक है...सद्भावना से रहना हमारी संस्कृति है।" आरएसएस के हिंदू राष्ट्र के विचार को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि इसका किसी सत्ता से कोई संबंध नहीं है और यह आस्था या संप्रदाय के आधार पर भेदभाव नहीं करता। उन्होंने कहा, न्याय सबके लिए समान है। हिंदू राष्ट्र का मतलब किसी को बाहर करना या किसी का विरोध करना नहीं है। विज्ञान भवन में उपस्थित श्रोताओं में अमेरिका, यूरोपीय और एशियाई देशों सहित 25 देशों के राजदूत शामिल थे, जिनमें से कुछ लंबे समय से संघ के बारे में संदेह रखते रहे हैं।

संबद्ध संगठनों पर संघ का नियंत्रण नहीं

राजनीतिक संदेश से सराबोर एक सूक्ष्म संदेश में भागवत ने कहा कि आरएसएस अपने से संबद्ध किसी भी संगठन को परोक्ष या अपरोक्ष से नियंत्रित नहीं करता है। उन पर हमारा अनुसरण करने का कोई दबाव नहीं है। उनकी यह टिप्पणी आरएसएस और भाजपा के बीच कुछ मुद्दों पर कथित मतभेदों के बीच आई है। भागवत ने कहा कि संघ पूरे समाज को एकजुट करने में विश्वास रखता है।

न्यूज ब्रीफ

राजधानी में बादशाह का जादू 29 से

अमृत विचार, लखनऊ : कैसरबाग स्थित गांधी भवन में विश्व-प्रसिद्ध जादूगर बादशाह का शो 29 अगस्त से शुरू होंगें। टीम का कहना है कि यह शो विश्व स्तरीय होगा, जिसकी तुलना अब तक हुए किसी भी जादू कार्यक्रम से नहीं की जा सकती। जादू समीक्षकों का मानना है कि इस प्रस्तुति से दर्शकों को अद्वितीय अनुभव प्राप्त होगा और मनोरंजन का ऐसा संगम देखने को मिलेगा जिसे लंबे समय तक भुलाया नहीं जा सकेगा। शो प्रतिदिन तीन बार आयोजित किया जाएगा। दोपहर 1 बजे, शाम 4 बजे और रात 7 बजे। दर्शक सीधे काउंटर से टिकट प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही https://www.badashamagicworld.com भी उपलब्ध है।

ईपीएफ की धनराशि जमा न होने पर जताया आक्रोश

अमृत विचार, सरोजनीनगर : सरोजनीनगर विकासखंड की विभिन्न ग्राम पंचायतों में कार्यरत रोज़गार सेवकों ने अपने मानदेय से कटे ईपीएफ की धनराशि जमा न होने पर आक्रोश जताया है। सेवकों का कहना है कि उनके मानदेय से हर माह ईपीएफ की कटौती की जाती है, लेकिन अब तक वह राशि उनके यूएएन नंबरों में जमा नहीं की गई। इसके चलते उन्हें मानव संसाधन नीति के अंतर्गत मिलने वाले किसी भी लाभ का फायदा नहीं मिल पा रहा है। प्रीति पाल, सुनीता, पुनीत सिंह, गोमती प्रसाद और राजेंद्र कुमार सहित 21 रोज़गार सेवकों के हस्ताक्षर युक्त पत्र लेकर मंगलवार को रोजगार सेवक सरोजनी नगर ब्लॉक कार्यालय पहुंचे और बीडीओ रीता सिंह को पत्र दिया। खंड विकास अधिकारी को पत्र देकर उन्होंने मांग की है कि उनकी कटौती की गई धनराशि तत्काल उनके यूएएन नंबर में जमा कराई जाए।

कोलकाता से दिल्ली उड़ान लखनऊ डायवर्ट

अमृत विचार, सरोजनीनगर : दिल्ली का मौसम खराब होने के कारण मंगलवार को कोलकाता से दिल्ली पहुँची एयर इंडिया की उड़ान दिल्ली एयरपोर्ट पर नहीं उतर सकी। उसे लखनऊ एयरपोर्ट डायवर्ट कर दिया गया। लखनऊ एयरपोर्ट पर दोपहर बाद पहुंची यह उड़ान यहां से करीब 40 मिनट बाद दिल्ली के लिए रवाना कर दी गई। इस दौरान विमान में सवार सभी यात्री उसी में बैठे रहे। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक मंगलवार दोपहर बाद दिल्ली का मौसम अचानक बिगड़ गया। मौसम अधिक खराब होने के कारण कोलकाता से दिल्ली पहुंची एयर इंडिया की उड़ान (एआई 2770) एयरपोर्ट के ऊपर चक्कर लगाने बाद भी वहाँ लैंडिंग नहीं कर सकी। बाद में उसे लखनऊ एयरपोर्ट के लिए डायवर्ट कर दिया गया। इस विमान में 145 यात्री सवार थे। यह उड़ान लखनऊ एयरपोर्ट पर दोपहर बाद 3:40 बजे पहुंची और करीब 40 मिनट यहीं खड़ी रही।

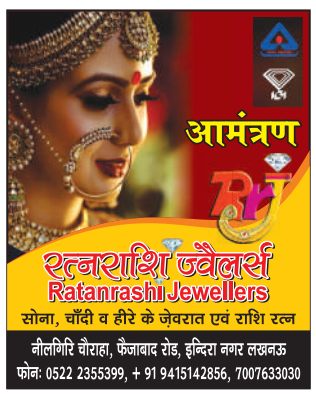

प्रदेश में बारिश से थमे मनरेगा के काम, गिरा ग्राफ

पिछले वर्ष की अपेक्षा जुलाई में 8 फीसदी की गिरावट

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- बकाया भुगतान को लेकर भी श्रमिकों ने नहीं की मांग

अमृत विचार : प्रदेश में इस बार हुई अधिक बारिश का प्रभाव मनरेगा पर पड़ा है। जुलाई में पिछले वर्ष की अपेक्षा मानव दिवस में 8 फीसद की गिरावट आई है। बारिश की वजह से ग्रामीण इलाकों में कच्चे-पक्के रुके हैं। वहीं, दो माह से बकाया मजदूरी न मिलने के कारण ज्यादातर श्रमिकों ने काम नहीं मांगा है।

प्रदेश के आंकड़ों पर नजर डालें तो मनरेगा में जुलाई 2024 में बारिश के दौरान 14.97 करोड़ मानव दिवस सृजित हुए थे। इस एक माह में 22,20,921 श्रमिक परिवारों ने काम किया था। जबकि जुलाई 2025 में 13.80 करोड़ मानव दिवस सृजित हुए हैं। कुल 18,24,858 श्रमिक परिवारों ने काम किया है। पिछले वर्ष की अपेक्षा इस बार जुलाई में 8 फीसद प्रगति कम रही है। यही स्थिति अगस्त में बनी हुई है। दो माह से मजदूरी भी फंसी है। इस वजह से काम की मांग कम होने से मस्टर रोल नहीं बने हैं। लखनऊ की बात करें तो अन्य जिलों की अपेक्षा मनरेगा का सीमित दायरा है। यहां इस वर्ष जुलाई में 8,666 श्रमिक परिवारों ने काम किया है, जबकि पिछले वर्ष 11,436 श्रमिक परिवारों ने काम किया था।

> इस बार अधिक बारिश से कार्यों पर असर पड़ा है। इसके अलावा हाजिरी में पारदर्शिता लाने के लिए एनएमएमएस एप अपडेट किया गया है। इससे हाजिरी में कमी आई है।
>
> **-विजय चौधरी,** उपायुक्त (रोजगार श्रम) मुख्यालय, लखनऊ

हाजिरी में पारदर्शिता की वजह से भी घटे श्रमिक

- ग्राम रोजगार सेवक अपने मोबाइल पर नेशनल मोबाइल मॉनीटरिंग सिस्टम एप पर श्रमिकों की फोटो खींचकर हाजिरी लगाते हैं। सरकार ने एप को अपडेट किया है। इससे मस्टर रोल में दर्शाये गए जितने श्रमिक स्थल पर होंगे तो ही हाजिरी लगेगी। यदि मस्टर रोल के हिसाब से एक भी कम हुआ तो हाजिरी नहीं लगेगी। इस व्यवस्था से हाजिरी में फर्जीवाड़ा एक तरह से बंद हो गया है और श्रमिक कम हुए हैं।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में रोजगार महाकुंभ 2025 में उमड़ी बेरोजगारों की भीड़। अमृत विचार

पड़ोसियों ने सैन्यकर्मी पर रॉड से वारकर सिर फोड़ा

अमृत विचार, पीजीआई : थाना क्षेत्र में मकान का निर्माण करा रहे सैन्यकर्मी पर पड़ोसियों ने रॉड से हमला कर दिया। हमले में वह बुरी तरह लहूलुहान हो गया। घायल हालत में वह किसी तरह भागकर थाने पहुंचा। पीजीआई पुलिस ने उपचार करवाने के बाद तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर धीरेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपियों की तलाश की जा रही है।

मूल रूप से बक्सर बिहार निवासी सैन्यकर्मी अजय यादव लौंगाखेड़ा तेलीबाग में रहकर अपने प्लॉट का निर्माण करवा रहे हैं। आरोप है कि पिछले कई महीनों से पड़ोसी दीपक शर्मा, वीरेन्द्र शर्मा, उषा देवी और दीपक की पत्नी द्वारा निर्माण कार्य में बाधा डाली जा रही थी। सोमवार को पड़ोसियों के बाधा उत्पन्न करने पर जब उन्होंने विरोध किया तो विपक्षियों ने गाली गलौज शुरू कर दी। इसी बीच दीपक शर्मा ने रॉड से उनके सिर पर वार कर दिया जिससे वह लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़े। आसपास के लोगों ने उन्हें बचाया।

हज सब्सिडी बहाल करने का प्रस्ताव पारित

राज्य हज समिति की बैठक में हज यात्रियों की सुविधाओं पर चर्चा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति के सदस्यों की एक बैठक राज्य मंत्री अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज तथा राज्य हज समिति के अध्यक्ष दानिश आज़ाद अंसारी की अध्यक्षता में अल्पसंख्यक कल्याण निदेशालय के सभागार में मंगलवार को हुई।

बैठक में अध्यक्ष के अलावा समिति के सदस्य मोहम्मद इफ्तेखार हुसैन, वली मोहम्मद, नदीमुल हसन, कमरुद्दीन (जुगनू), जुनेद अहमद अंसारी, हाफिज एजाज़ अहमद (शाहीन अंसारी), जावेद कमर खान, कामरान खान, सैयद अली वारसी के साथ ही समिति के सचिव / कार्यपालक अधिकारी, वित्त एवं लेखाधिकारी शामिल हुए।

बैठक में हज-2026 में अब तक किये गये कार्य की समीक्षा की गई। आगे हज यात्रियों को क्या बेहतर सुविधाएं दी जा सकती हैं इस पर भी विचार विमर्श हुआ। हज कमेटी के बजट को बढ़वाने के लिए सरकार से अनुरोध किये जाने का प्रस्ताव दिये जाने पर सभी सदस्यों ने सहमति दी।

हज यात्रियों को अग्रिम धनराशि जमा करने की तिथि बढ़ाये जाने के लिए हज कमेटी आफ इंडिया से अनुरोध किये जाने पर सभी सदस्यों की सहमति बनी। स्टेट हज इंस्पेक्टर की आयु सीमा बढ़ाए जाने का प्रस्ताव, हज सब्सिडी बहाल करने पर हज कमेटी आफ इंडिया और भारत सरकार से अनुरोध किये जाने पर सभी सदस्यों की आम सहमति बनी।

उत्तर प्रदेश राज्य हज सेवा नियमावली-2025 को सरकार से मंजूरी के प्रस्ताव पर विचार विमर्श हुआ तथा यात्री निवास (मुसाफिरखाना), चारबाग लखनऊ पर सोलर पैनल लगवाये जाने का प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित किया गया।

बैठक में मौजूद पदाधिकारी। अमृत विचार

स्कूटी सवार इंजीनियर को कुचलने का किया प्रयास

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- स्कूटी बीच में आने से बची जान टूटी कोहनी की हड्डी
- इंदिरानगर के तकरोही की घटना सीसी कैमरे में कैद हुई कार

अमृत विचार: इंदिरानगर स्थित तकरोही मोड़ पर देर रात मोड़ने को लेकर कार व स्कूटी सवार में विवाद हो गया। तैश में चालक कार को मोड़कर लाया। फिर फर्राटा भरते हुए इंजीनियर पर चढ़ाने का प्रयास किया। स्कूटी बीच में आने से पीड़ित इंजीनियर की जान बच गयी, लेकिन कोहनी की हड्डी टूट गयी। स्थानीय लोगों ने पकड़ने का प्रयास किया। यह देख कार सवार फरार हो गया। इंस्पेक्टर इंदिरानगर सुनील कुमार तिवारी ने बताया कि सीसी कैमरे में कार कैद हुई है। नंबर स्पष्ट न होने पर रूट के अन्य कैमरों को खंगाला जा रहा है।

तकरोही स्थित नारायण नगर कॉलोनी निवासी इंजीनियर कुंवर संदीप सिंह विज्ञापन का व्यापार भी करते हैं। उन्होंने बताया कि 23 अगस्त की रात 10:30 बजे वे स्कूटी लेकर घर के पास कुछ काम से गए थे। लौटते समय वे कॉलोनी की तरफ स्कूटी मोड़ रहा था। एक कार को आता देख उन्होंने स्कूटी रोक ली। इसके बाद भी कार सवार ने शीशा नीचे कर गाली-गलौज की। पीड़ित के विरोध करने पर कार सवार धमकाने लगा। इसके बाद स्कूटी में टक्कर मारते हुए आगे बढ़ा। फिर कार को मोड़ कर लाया और स्कूटी सवार इंजीनियर को कुचलने का प्रयास किया। टक्कर से वह स्कूटी के साथ हाथ के बल गिरे तो गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना देख आसपास के लोग दौड़े तो आरोपी धमकाते हुए कार लेकर फरार हो गया। घायल को लोहिया अस्पताल पहुंचाया गया। वहां पता चला कि कोहनी टूट गयी है। पीड़ित ने सोमवार को इंदिरानगर थाने में तहरीर दी है। इंस्पेक्टर इंदिरानगर सुनील कुमार तिवारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

इंजीनियर संदीप सिंह।

रिटायर्ड अधिकारी की कार में मारी टक्कर

- **अमृत विचार, आशियाना :** थाना क्षेत्र के शहीद पथ पर बेकाबू टैक्सी कार ने रिटायर्ड सहायक आबकारी आयुक्त की कार में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उनकी कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसा इतना भीषण था कि टक्कर मारने वाली टैक्सी पलट गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। कानपुर स्थित साकेत नगर निवासी सुनील कुमार सोनकर सहायक आबकारी आयुक्त के पद से रिटायर्ड हैं। वह कार से पत्नी और बेटी के साथ सोमवार को लखनऊ के मैक्स हॉस्पिटल गोमतीनगर जा रहे थे। दोपहर करीब 1 बजे जैसे ही वे रमाबाई अंबेडकर मैदान से करीब आधा किलोमीटर पहले शहीद पथ पर पहुंचे, तभी बेकाबू टैक्सी ने उनकी कार में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि वैगन आर मुख्य सड़क के दूसरी ओर जाकर पलट गई और उनका परिवार बाल बाल बच गया। घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ जुट गई और लोगों ने किसी तरह वैगन आर चालक को बाहर निकाला। हादसे की सूचना पर पहुंची आशियाना पुलिस ने गाड़ियां सड़क से हटवाईं। पुलिस ने वैगन आर चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

निषाद पार्टी को कुछ नेता कर रहे हैं बदनाम : संजय कुमार निषाद

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- कहा, यूपी की जीत केवल भाजपा की नहीं, सभी सहयोगी दलों का भी योगदान

अमृत विचार : कैबिनेट मंत्री व निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. संजय कुमार निषाद ने मंगलवार को गोरखपुर दौरे के दौरान एनेक्सी भवन सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि निषाद पार्टी की नींव गोरखपुर से रखी गई है। लेकिन अफसोस की बात है कि गोरखपुर और प्रदेश के कुछ नेता लगातार पार्टी और मेरी छवि को धूमिल करने का प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि आरक्षण का निर्णय भारतीय जनता पार्टी को लेना है। क्योंकि केंद्र और राज्य दोनों जगह उनकी ही सरकार है और निषाद पार्टी भाजपा की सहयोगी है। मगर कुछ तथाकथित निषाद नेता समाज और पार्टी को गुमराह कर केवल कड़वाहट फैलाने का काम कर रहे हैं। सहयोगी दलों के सम्मान को लेकर पूछे गए सवाल पर निषाद ने कहा कि हम भाजपा के सहयोगी दल हैं। सुभासपा, अपना दल, निषाद पार्टी और रालोद। अगर भाजपा को हम पर भरोसा है कि हम अपने समाज को सही दिशा में ले जा रहे हैं और इसका राजनीतिक लाभ भी भाजपा को मिल रहा है, तो यह रिश्ता आगे बढ़ना चाहिए। लेकिन यदि भरोसा नहीं है तो साफ कह दें और गठबंधन खत्म कर दें। डा. संजय ने कहा कि किसी को इस बात का घमंड नहीं होना चाहिए कि उत्तर प्रदेश की जीत केवल भाजपा की थी। यह जीत सभी सहयोगी दलों के योगदान से मिली है।

मारपीट मामले में पांच आरोपी गिरफ्तार, भेजा जेल

अमृत विचार: नगराम थाना क्षेत्र के करोरा गांव में रंजिश में एक परिवार के आधा दर्जन लोगो की पिटाई करने के मामले में पुलिस ने मगंलवार को पांच आरोपियो को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया। पुलिस फरार अन्य आरोपियो की सरगर्मी से तलाश में जुट गयी है।थाना प्रभारी विवेक कुमार चौधरी ने बताया बीते रविवार को क्षेत्र के करोरा गांव में मारपीट मामले में पीड़ित धीरज कुमार की तहरीर पर एक दर्जन नामजद समेत तीन अज्ञात के विरूद्व मुकदमा दर्ज कर मारपीट करने के आरोपी नेवल किशोर, धीरेन्द्र कुमार पाल, शुभम पाल, होरीलाल, आदित्य कुमार उर्फ मोलहे निवासीगण करोरा थाना नगराम को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उक्त सभी को जेल भेज दिया गया।

सिटी डायरी

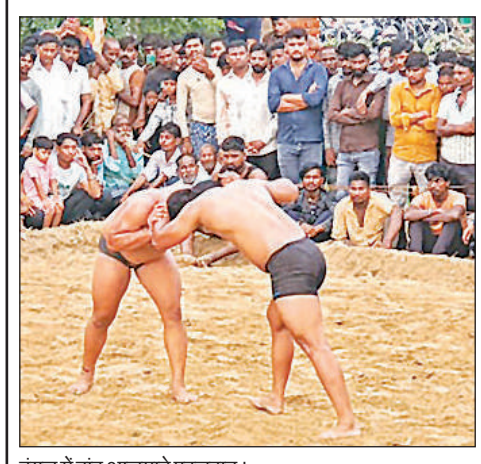

दंगल में दांव आजमाते पहलवान।

दंगल में प्रदेश के दो दर्जन से अधिक जिलों के पहलवानों ने लिया हिस्सा

अमृत विचार, सरोजनीनगर : कजरी तीज के मौके पर सरोजनी नगर के बनी गाँव में लगने वाला प्राचीन दंगल मंगलवार को बड़े हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हो गया। श्री रेतेश्वर धाम हटिया मेला के अध्यक्ष पूर्व प्रधान राकेश सिंह द्वारा आयोजित इस दंगल का उद्घाटन समाज सेवी शिव शंकर सिंह चौहान ने शुरुआती कुश्ती के दो पहलवानों का आपस में हाथ मिला कर किया। दंगल में प्रदेश के दो दर्जन से अधिक जिलों के पहलवानों ने हिस्सा लिया। अमरूदही बाग के पहलवान व इंटरनेशनल चैम्पियन विकास ने अंतिम कुश्ती में लखनऊ के विपुल नंदनी को चारों खाने चित कर दंगल केसरी का खिताब अपने नाम कर लिया। इसके अलावा 5000 रुपये से लेकर 21000 रुपये के ईनाम वाली कुश्तियों में विकास अमरूदही बाग व नितिन दिल्ली का मुकाबला बाराबरी पर छूटा। सांई सेंटर के कुलदीप ने पंकज माती को हराया।

कार्यक्रम की जानकारी देते आयोजक।

आरईवी एक्सपो 29 से होगा शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : इवेंटेज ट्रेड फेयर एंड इवेंट्स प्रा. लि. की ओर से आयोजित आरईवी एक्सपो 2025 का दूसरा संस्करण 29 से 31 अगस्त तक डिफेंस एक्सपो ग्राउंड सेक्टर-18, वृन्दावन कॉलोनी में आयोजित किया जाएगा। इस बार 200 से अधिक प्रमुख ब्रांड अपने नवाचारों का प्रदर्शन करेंगे। एक्सपो में सौर ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण, इलेक्ट्रिक वाहन, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन जैसी प्रमुख तकनीकों को एक ही मंच पर प्रस्तुत किया जाएगा। भारत सरकार के नेट जीरो 2050 लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए यह एक्सपो सतत विकास और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। आयोजकों के अनुसार तीन दिवसीय इस मेले में 20,000 से अधिक उद्योग पेशेवरों, ईपीसी कॉन्ट्रैक्टर्स, अंतिम उपयोगकर्ताओं और निवेशकों के शामिल होने की उम्मीद है।

सत्संग में मौजूद लोग।

सत्संग सुधा माला का हुआ आयोजन

अमृत विचार, काकोरी : ऐतिहासिक नगरी काकोरी के शीतला माता मंदिर परिसर में हिंदू जन सेवा समिति द्वारा सत्संग सुधा माला (भक्तमाल कथा) तीन दिवसीय आयोजन हुआ 12वीं कथा मासिककथा तीन दिवस के रूप में परिवर्तित हो चुकी है कथा व्यास श्री करुण कृष्ण दास भक्तमाल ग्रंथ वी नाभादास जी के जीवन चरित्र को बहुत ही सुंदरता से लोगों को श्रवण कराते हैं की कैसे भक्ति भगवान का जो प्रेम है वह व्यक्ति अपने निज जीवन में अपना सकता। समिति गत 90 सप्ताह से साप्ताहिक हरिनाम संकीर्तन करती हैं जो हर रविवार को प्रात: बेला में होता है यह साप्ताहिक संकीर्तन प्रत्येक सप्ताह अलग-अलग स्थान पर आयोजित किया जाता है।

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत करते मुख्य अतिथि।

मेगा डिस्ट्रीब्यूटर मीट 2025 का हुआ आयोजन

अमृत विचार, लखनऊ : 2025 निलॉन्स एंटरप्राइजेज द्वार मेगा डिस्ट्रीब्यूटर मीट 2025 का आयोजन मंगलवार को गोमतीनगर स्थित एक निजी होटल में किया गया। इस आयोजन में उत्तर प्रदेश के केंद्रीय क्षेत्र से आए 150 से अधिक डिस्ट्रीब्यूटर्स और सुपर स्टॉकिस्ट्स ने भाग लिया। इस अवसर पर निलॉन्स के चेयरमैन दीपक सांगवी, चीफ रेवेन्यू ऑफिसर सुनीत झा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

दुनिया में मशहूर है लखनऊ की फल पट्टी

अमृत विचार, काकोरी: उत्तर प्रदेश में फल पट्टी क्षेत्र की पहचान यहां के आमों की वजह से है। यहां का दशहरी, चौसा, आम्रपाली, सफेदा, लंगडा, हुशन्नेहरा, मल्लिका सहित आदि आम देश और विदेश के कोने-कोने में जाता है।यहां आम, अमरूद, आंवला, नीबू, अनार, नाशपाती सहित फूल सहित कई किस्मों के फलदार और फूल वाले पौधे तैयार किए जाते हैं।जिनमें आम की दर्जनों किस्में शामिल हैं।

राष्ट्रीय मार्ग हरदोई रोड के किनारे मुजासा के पास करीब एक किलोमीटर से अधिक की दूरी में लगने वाली पौधों की मंडी से फलदार, फूलदार, शोभाकारी, इमारती एवं छायादार पौधे करोड़ों की संख्या में देश के कोने-कोने में जाते हैं।यहां से पौधे ले जाकर दूसरे प्रदेशों एवं जिलों के अनेकों लोग अपना व्यवसाय करते हैं।यही नहीं यहां से दूसरे प्रदेशों के बड़े-बड़े किसान आम और अमरूद की अनेकों किस्में लेकर जाते हैं और वहां पौधे लगाने के बाद कैसे देखभाल करनी है।

धमकी देकर छात्रा को बुलाया होटल, किया दुष्कर्म

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- वीडियो बनाकर किया ब्लैकमेल मारपीट कर करायी उठक-बैठक
- पारा थाने में रिपोर्ट दर्ज, आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचार: पारा में कॉलेज आते-जाते रेहान बीएससी छात्रा को परेशान करता था। विरोध पर आरोपी ने पिता और भाई को जान से मारने की धमकी देकर छात्रा को होटल में बुलाकर कई बार दुष्कर्म किया। छह दिन पहले पीड़िता ने होटल आने से मना किया तो वीडियो वायरल करने की धमकी दी। दबाव बनाकर होटल बुलाकर उसे पीटा और फिर कान पकड़कर उठक-बैठक कराई। पीड़िता ने आपबीती रिश्तेदार को बतायी। जिसके बाद मामले की जानकारी परिजन को हुई। परिजन की शिकायत पर पारा पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पारा निवासी पीड़िता एक कॉलेज से बीएससी की पढ़ाई कर रही है। पीड़िता ने बताया कि पारा निवासी आरोपी रेहान कई महीने से उसे कालेज आते जाते समय परेशान करता है। होटल में मिलने का दबाव बनाता है। आरोप है कि कुछ दिन पूर्व उसने पिता और भाई को जान से मारने की धमकी देकर पीड़िता को होटल बुलाया और वहां दुष्कर्म किया। विरोध पर बुरी तरह पीटा और वीडियो बना लिया। आरोप है कि आरोपी ने ब्लैकमेल कर कई बार होटल में बुलाकर यौन शोषण किया। शिकायत पर अंजाम भुगतने की धमकी दी। 21 अगस्त को फोन कर होटल में बुलाया। मना करने पर वीडियो वायरल करने की धमकी दी। पीड़िता पहुंची तो आरोपी ने पिटाई कर कपड़े उतरवाकर उठक-बैठक कमरे में कराई। उसके बाद गंदा काम कर धमकी देकर भगा दिया। रोते हुए पीड़िता रिश्तेदार के घर पहुंची और आपबीती बतायी। इंस्पेक्टर सुरेश कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी रेहान के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

अमृत विचार

अवध बाज़ार

GSTIN:09CUOPT8181M1ZE
THE SOLAR POWER
We Deals: Residential & Commercial Solar System
On-Grid & Off Grid Consultation, Installation
SS-2 SEC D1 1679 B LDA OPP
LAW COLLEGE ROAD ASHIYANA LUCKNOW 226012
Loan available at just 7% interest
Ankur tiwari
CONTACT : +917705009011
PM MUFT BIJLI YOJNA

Hotel EKAS
Wedding | Engagement | Anniversary
Rooms | Conference | Restaurant | Kitty Party
|Birthday Party Rooftop Opening Soon
Capacity of Banquet starting form 50 to 800 Pax
279/48, Behind Charbagh Bus Station
Mawaiya Scheme 81, Kanpur Road,
Pan Dariba Lucknow - 226005
0522-4115460, +91-9936024555,

GSTIN:09CFBPB7686B1ZJ
Dot Energy Enterprises
We Deals: Residential & Commercial Solar System
On-Grid & Off Grid Consultation, Installation
Add : 367/21, Fatuhabad, Sahadatganj,
Near Samrahi chowki Lucknow, Uttar Pradesh
Mob: 8948021107
PM MUFT BIJLI YOJNA

शराब की लत से परेशान है?
स्मैक, गाँजा, चरस, DRUGS
वाईटनर, कैप्सूल, भांग, सिगरेट,
गुटखा, तम्बाकू से, नशे के
उपचार के लिए मिलें।
दुबले-पतले
लड़के/ लड़कियाँ/ बच्चे
जो मोटे नहीं होते ज्यादा खाये
आयुर्वेदिक औषधि द्वारा खाया
पिया पचा कर 15 दिनों में फर्क
महसूस करें। सेहत व वजन बढायें।
विबग्योर क्लीनिक
लेखराज मार्केट-1, इन्दिरा नगर,
लखनऊ- 9935056088
9415011172

सुविचार

हमारा सफर कितना ही भयानक, कष्टदायी और बदतर हो, लेकिन हमें आगे बढ़ते रहना ही है। सफलता का दिन दूर हो सकता हैं, लेकिन उसका आना अनिवार्य ही है। - नेता जी सुभाष चंद्र बोस

अमृत विचार

लखनऊ महानगर

www.amritvichar.com

लखनऊ के प्रमुख समाचार

- नायब तहसीलदार के खिलाफ किसानों में आक्रोश II
- खाद की किल्लत को लेकर सपा ने किया प्रदर्शन III
- लखनऊ फॉल्कंस की दमदार वापसी VI

लखनऊ, बुधवार, 27 अगस्त 2025

शहर में आज

- अलीगंज का राजा गणेशोत्सव में मूर्ति स्थापना गुलाब वाटिका अपार्टमेंट नेहरू बाल वाटिका पार्क के पास, अलीगंज में प्रातः 9:00 बजे।
- गणेश जी की स्थापना दुर्गेश्वर महादेव मन्दिर, लकड़ी मंडी, ऐशबाग में पूर्वाह्न 11:00 बजे।
- ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में डॉ. भीमराव अंबेडकर मूट कोट का उदघाटन 11:00 बजे।
- राज्य संग्रहालय के सभागार के जीर्णोद्धार के बाद उसका लोकार्पण समारोह संग्रहालय में दोपहर 12:00 बजे।
- आईआईएम में नवप्रवेशी छात्रों के बीच वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन 1:00 बजे।

पंडालों और घरों में आज बिराजेंगे गणपति

गणेश चतुर्थी आज : शहर के पंडालों तक 'गणपति बप्पा मोरया' की गूंज सुनाई देने लगी है

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : बुधवार से गणेश चतुर्थी का पर्व शुरू हो रहा है। भक्तों में खासा उत्साह देखा जा रहा है और बप्पा के स्वागत की तैयारियां जोरों पर हैं। घरों से लेकर शहर भर के भव्य पंडालों तक 'गणपति बप्पा मोरया' की गूंज सुनाई देने लगी है।

यह दस दिवसीय पर्व गणपति की भक्ति, पूजा-अर्चना और सांस्कृतिक आयोजनों से सराबोर रहेगा। शहर में कई भव्य पंडालों की स्थापना की गई है, जो आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। झूलेलाल वाटिका में बना दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर की प्रतिकृति वाला 15,000 वर्ग फुट का वातानुकूलित और वाटरप्रूफ पंडाल खास आकर्षण है। यहां ब्रह्मोस मिसाइल की प्रतिकृति भी दर्शकों के लिए लगाई गई है। निशातगंज में 51 फीट ऊंचे शिवलिंग पंडाल की स्थापना की गई है, जिसे लखनऊ के इतिहास में एक भव्य आयोजन के रूप में देखा जा रहा है। चौक का 'लखनऊ के राजा' पंडाल, जो अब राम मनोहर लोहिया लॉन में स्थानांतरित कर दिया गया है, गणपति की चांदी के मुकुट और मखाने की मालाओं से सजी प्रतिमा के लिए प्रसिद्ध है।

गूंजेगा 'गणपति बप्पा मोरया'

अमीनाबाद का पंडाल इस वर्ष ऑफलाइन खरीदारी को बढ़ावा देने की थीम पर आधारित है। पेपर मिल कॉलोनी महानगर में भातखंडे संस्कृति विवि के कलाकार पारंपरिक संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे। लाटूश रोड पर महाराष्ट्रीयन समाज द्वारा मराठी व्यंजनों के स्टॉल लगाए गए हैं, वहीं पत्रकारपुरम में भी एक भव्य गणेश पंडाल स्थापित किया गया है। भक्तगण बप्पा की पूजा कर मोदक का भोग अर्पित करेंगे।

गणपति पूजन के लिए घर ले जाने के लिए मोल भाव करती भक्त।

झूलेलाल वाटिका मैं गणेश चतुर्थी में अक्षरधाम मंदिर के रूप में सजा पंडाल।

अक्षरधाम व ब्रम्होस मिसाइल बनी आकर्षण का केन्द्र

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- गणपति महोत्सव की तैयारी चालू आज से कर सकते हैं दर्शन

अमृत विचार: बुधवार से गणपति बप्पा मोरया के जयकारों से चारों दिशाएं गूंज उठेंगी। बप्पा के आने से भक्त बहुत उत्साहित हैं। गणेश चतुर्थी के पर्व ने भक्तों के उत्साह को बढ़ा दिया है। बप्पा के आने की तैयारियां राजधानी में पिछले डेढ़ महीने से चल रही थीं। जगह-जगह खूबसूरत पंडाल बनाने के लिए कोलकाता से विशेषज्ञ कारीगर लखनऊ पहुंच गये थे। सबसे बड़ा पंडाल गोमती तट स्थित झूलेलाल वाटिका में बनाया गया है। गणेश प्राकट्योत्सव समिति ने अपना यह पंडाल अक्षरधाम मन्दिर की प्रतिकृति के रूप में तैयार कराया है। यहां आने वाले भक्त एक तरफ अक्षरधाम मन्दिर के दर्शन करेंगे तो दूसरी तरफ अक्षरधाम के द्वार पर तैनात की गई ब्रह्मोस मिसाइल इस आकर्षण को और भी बढ़ा देगी।

दस दिवसीय यह महापर्व गणपति की भक्ति, पूजा-अर्चना और सांस्कृतिक आयोजनों से सराबोर रहेगा। शहर में कई भव्य पंडालों की स्थापना की गई है, जो आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। निशातगंज में 51 फीट ऊंचे शिवलिंग पंडाल की स्थापना की गई है, जिसे लखनऊ के इतिहास में एक भव्य आयोजन के रूप में देखा जा रहा है। चौक का लखनऊ के राजा पंडाल राम मनोहर लोहिया लॉन में तैयार किया गया है, गणपति की चांदी के मुकुट और मखाने की मालाओं से सजी प्रतिमा के लिए प्रसिद्ध है।

श्री गणेश महोत्सव मे तैनात ब्रह्मोस मिसाइल। अमृत विचार

स्वदेशी अपनाने का संदेश देंगे विघ्न विनाशक

- **अमृत विचार, लखनऊ :** शुभ संस्कार समिति की ओर से आयोजित 26वें गणेश जन्मोत्सव समारोह 27 से 31 अगस्त तक धूमधाम से मनाया जाएगा। समिति के अध्यक्ष लक्ष्मीकांत पांडे ने बताया कि 27 अगस्त को दोपहर में गणेश जी की मेटल वाली मूर्ति की स्थापना होगी। शाम को रोजाना 7 से 10 बजे तक वैदिक ब्राह्मण आचार्य गिरजा शंकर दीक्षित के सानिध्य में विधि विधान से छोटी मिट्टी की मूर्तियों का पूजन सम्पन्न होगा। समिति के महामंत्री रिद्धि किशोर गौड़ ने बताया कि इस बार गणेश जी स्वदेशी अपनाने का संदेश देंगे। उपाध्यक्ष आशीष अग्रवाल ने बताया कि पहली सितम्बर को गणपति नगर भ्रमण को निकलेंगे। हम लोग 3 वर्षों से प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्तियों का उपयोग नहीं कर रहे हैं।

गणेशोत्सव आज, बदली रहेगी यातायात व्यवस्था

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- इमरजेंसी कंट्रोल रूम में कर सकते हैं फोन

अमृत विचार: गणेश चतुर्थी (गणेशोत्सव) बुधवार से शुरू हो रहा है। दस दिन तक चलने वाले कार्यक्रम को देखते हुए यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है।

डीसीपी यातायात कमलेश दीक्षित ने मंगलवार देर शाम को डायवर्जन के संबंध में जानकारी दी। यह व्यवस्था बुधवार सुबह 10 बजे से लागू हो जाएगी। इस दौरान इमरजेंसी में यातायात कंट्रोल रूम के नंबर 9454405155 पर संपर्क कर सकते हैं।

यहां रहेगी रोक

- चौक/डालीगंज पुल की ओर से आने वाले वाहन क्लार्क अवध तिराहा से सीधे सुभाष चौराहा की तरफ रोक रहेगी।
- डालीगंज पुल इक्का तांगा स्टैंड चौराहा से गोमती नदी बंधा (झूलेलाल पार्क) होकर नदवा कालेज की तरफ रोक रहेगी।
- टेलीफोन एक्सचेंज चौराहा से मकबरा रोड की तरफ से परिवर्तन चौक की तरफ रोक रहेगी।
- निरालानगर से आईटी चौराहा से लखनऊ विश्वविद्यालय मार्ग होकर सुभाष चौराहा की तरफ रोक रहेगी।
- कैसरबाग/सीडीआरआई, क्लार्क अवध तिराहा की तरफ से सुभाष चौराहा की तरफ रोक रहेगी।
- हजरतगंज चौराहा व परिवर्तन चौक की तरफ से सुभाष चौराहा से हनुमान सेतु होकर आईटी चौराहा की तरफ रोक रहेगी।
- हनुमान सेतु/नदवा बंधा तिराहा से नदवा बंधा रोड झूलेलाल पार्क की तरफ रोक रहेगी।

यहां से जाएं

- ये वाहन क्लार्क अवध तिराहा से चिरैयाझील तिराहा होकर जा सकेंगे।
- ये वाहन गोमती नदी पुल पारकर या सीधे उमराव सिंह धर्मशाला होकर, आईटी चौराहा की तरफ से जा सकेंगे।
- ये वाहन कैसरबाग बस अड्डा या सीडीआरआइ तिराहा, क्लार्क अवध तिराहा होकर जा सकेंगे।
- ये वाहन आईटी चौराहा से बांये/दाहिने मुड़कर समथर पेट्रोल पम्प होते हुए निशातगंज/डालीगंज पुल से जा सकेंगे।
- ये वाहन क्लार्क अवध तिराहा से सीधे कृष्णा मेडिकल सेंटर होते हुए चिरैयाझील तिराहा की तरफ से जा सकेंगे।
- ये वाहन मकबरा रोड, टेलीफोन एक्सचेन्ज, सीडीआरआई तिराहा या चिरैयाझील तिराहा होकर जा सकेंगे।
- ये वाहन वाहन यातायात आईटी चौराहा होकर जा सकेंगे।

रोडवेज व सिटी बसों के लिए विशेष इंतजाम

- अयोध्या मार्ग व गोमतीनगर की तरफ से कैसरबाग आने वाली रोडवेज/सिटी बसों को कमता तिराहा से विजयीपुर अंडरपास चौराहा, इंदिरागांधी प्रतिष्ठान, डिगडिगा (लोहिया) चौराहा, समतामूलक चौराहा, गांधी सेतु (1090) चौराहा, पीएनटी बालू अड्डा, संकल्प वाटिका तिराहा, चिरैयाझील तिराहा, क्लार्क अवध तिराहा, सीडीआरआइ तिराहा होते हुये कैसरबाग बस अड्डा आ-जा सकेंगी।
- सीतापुर रोड से कैसरबाग आने वाली रोडवेज/सिटी बसों को मड़ियांव, पुरनिया/डालीगंज रेलवे क्रासिंग, पक्का पुल चौराहा, शाहमीना तिराहा, डालीगंज पुल चौराहा, सीडीआरआई तिराहा होते हुए कैसरबाग को जा सकेगी व वापसी में बलरामपुर ढाल, शहीद स्मारक होकर जा सकेंगी।

सिटी ब्रीफ

20 मिनट तक लिफ्ट में फंसे रहे तीन लोग

अमृत विचार, लखनऊ : वृंदावन योजना के एल्डिको सौभाग्यम अपार्टमेंट की लिफ्ट खराब होने से बुजुर्ग समेत तीन लोग फंस गए। कड़ी मशक्कत करके 20 मिनट बाद सभी को बाहर निकाला गया। सोमवार देर शाम अपार्टमेंट की लिफ्ट खराब होने से एक बुजुर्ग, महिला व बच्चा फंस गया। अंदर फंसे तीनों लोग घबरा गए। तुरंत अपार्टमेंट के लोगों को फोन करके जानकारी दी और एसओएस अलार्म बजाया। इस बीच सुरक्षाकर्मी और आसपास फ्लैट के लोग पहुंचे और 20 मिनट बाद लिफ्ट का दरवाजा खोलकर तीनों को सुरक्षित बाहर निकाला। लोगों ने बताया कि आयेदिन लिफ्ट खराब होती है। सम्बंधित कंपनी द्वारा मरम्मत व रखरखाव में लापरवाही बरतने से यह समस्या बनी हुई है।

रेरा ने एजेंटों को प्रशिक्षित कर बांटे प्रमाणपत्र

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) ने मंगलवार को मुख्यालय स्थित ऑडिटोरियम में एक समारोह आयोजित किया। इस अवसर पर सर्टिफिकेशन ऑफ एजेंट्स ट्रेनिंग प्रोग्राम के 14वें व 15वें बैच के सफल अभ्यर्थियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए। चेयरमैन संजय भूषण रेड्डी ने स्वयं 100 प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र सौंपे। सचिव महेन्द्र वर्मा सहित प्राधिकरण के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। अभ्यर्थियों ने कहा कि प्रशिक्षण से उन्हें अधिक पेशेवर ढंग से काम करने का अनुभव प्राप्त हुआ है। अब वे संपत्ति खरीदारों व विक्रेताओं को बेहतर मार्गदर्शन देने में सक्षम होंगे।

अगले दो दिन यलो अलर्ट

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ के कई इलाकों में सुबह-सुबह जोरदार बारिश शुरू हो गई है। जानकीपुरम, गोमतीनगर, चिनहट, विभूति खंड में सहित एक घंटे हुई तेज बारिश से सड़के पानी से भरी गईं। काले बादल छाने से दिन में अंधेरे जैसी स्थिति है। सुबह से मौसम ठंडा बना हुआ था। मौसम विभाग ने अनुसार ज दिन भर बादल छाए रहने के साथ धूप-छांव की स्थिति बनी रहेगी। हल्की से मध्यम बारिश भी होगी। अगले दो दिन शहर में बारिश का येलो अलर्ट है। दिन का अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री रहने की संभावना है।मौसम वैज्ञानिक मोहम्मद दानिश का कहना है कि लखनऊ में सामान्य से अधिक बरसात आने वाले 29 अगस्त तक दर्ज की जाएगी।

सीएमएस में मौजूद अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला। अमृत विचार

विद्यालय वापस आकर मैं अत्यंत प्रसन्न हूं: शुभांशु

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- सीएमएस अलीगंज में शुक्स कोर्टयार्ड का किया लोकार्पण

अमृत विचार : अपने विद्यालय वापस आकर मैं अत्यंत प्रसन्न हूं, यही वे कक्षाएं हैं, जहां मैंने अध्ययन किया। यह बात मंगलवार अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने सीएमएस अलीगंज परिसर में कही।

उन्होंने कहा कि सीएमएस ने मुझमें अनुशासन और संकल्प के साथ लक्ष्य प्राप्त करने का आत्मविश्वास जगाया और यही वे गुण हैं जिन्होंने मुझे हर चुनौती में मार्गदर्शन दिया, चाहे वह लड़ाकू विमान उड़ाना हो या अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए मिशन का संचालन करना। इस अवसर पर शुभांशु ने सीएमएस छात्रों के बनाये स्वनिर्मित समाजोपयोगी माडलों का भी अवलोकन किया। साथ ही शुक्स कोर्टयार्ड' का किया लोकार्पण भी किया।

सीएमएस संस्थापिका-निदेशिका डा. भारती गांधी ने इस अवसर पर कहा कि शुभांशु जैसे छात्रों पर हमें गर्व है, जो शिक्षा के माध्यम से न सिर्फ अपने सपनों को साकार किया अपितु देश का नाम भी रोशन किया।

एनओसी का नहीं रहेगा झंझट, पास होंगे नक्शे

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विकास प्राधिकरण ने भवन निर्माण के लिए शमन/मानचित्र स्वीकृत कराना आसान कर दिया है। आवेदन करने पर एनओसी के लिए विभागों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे, बल्कि प्राधिकरण स्वयं भूमि की स्थिति जानकर मानचित्र स्वीकृति करेगा। उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने समीक्षा की तो संज्ञान में आया कि मानचित्र स्वीकृति तथा शमन मानचित्र स्वीकृति के आवेदन एनओसी न मिलने के कारण लंबित रहते हैं। भवन स्वामियों के लिए राजस्व, नजूल, अर्जन, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट आदि की एनओसी लेने में परेशानी होती है। इससे मानचित्र जल्द स्वीकृत नहीं हो पाते हैं। इस समस्या का समाधान करने के लिए उपाध्यक्ष ने सभी राजस्व ग्रामों की मार्किंग कराकर सूची तैयार कराई है। इससे आवेदन करने पर इन विभागों की एनओसी नहीं ली जाएगी, बल्कि मानचित्र सेल सूची से जमीन की स्थिति देखकर रिपोर्ट लगाएगा।

हरतालिका तीज पर महिलाओं ने रखा निर्जला व्रत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

हरतालिका तीज पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने वाली महिलाएं। अमृत विचार

- महिलाओं ने पारंपरिक परिधान में की शिव-पार्वती की पूजा, मांगा अखंड सौभाग्य का वरदान

अमृत विचार: हरतालिका तीज का पर्व मंगलवार को पूरे श्रद्धा भाव और धूमधाम से मनाया गया। राजाबाजार स्थित शिव मंदिर को फूलों और फलों से सजाया गया, जहां बड़ी संख्या में सुहागिनों और युवतियों ने पारंपरिक हरे परिधान पहनकर व्रत रखा। सुबह से ही महिलाएं निर्जल उपवास में रहीं और शाम को प्रदोष काल में विधिवत शिव-पार्वती की पूजा की।

महंत देव्यागिरी ने कहा कि यह व्रत सुहागिन महिलाओं के लिए विशेष महत्व रखता है। इस दिन मां पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए अन्न-जल त्यागकर कठिन तप किया था। उनके तप से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया। तभी से यह परंपरा चली आ रही है। उन्होंने बताया कि यह व्रत जीवन की कठिनाइयों और आपदाओं से रक्षा करता है। उन्होंने कहा कि सभी महिलाएं यह व्रत रख सकती हैं, जिससे उन्हें मनोवांछित फल की प्राप्ति होगी। व्रत की शुरुआत एक दिन पहले आधी रात से होती है और अगले दिन सूर्योदय के बाद व्रत खोला जाता है। इस दिन गणेश पूजन के बाद शिव और पार्वती की पूजा की जाती है। माता पार्वती को सुहाग का जोड़ा और श्रृंगार की वस्तुएं अर्पित की जाती हैं तथा व्रत कथा का श्रवण किया जाता है। यह व्रत शुभ संकेत देता है कि आने वाला वर्ष सुख, समृद्धि और स्वास्थ्य से भरपूर होगा।

पूजा अग्रवाल को मिला तीज क्वीन का खिताब

- सृजन झंकार अकादमी की निदेशक रोमा श्रीवास्तव और डॉ. अर्चना सक्सेना ने जानकीपुरम विस्तार स्थित एक रेस्टोरेंट में द्वितीय तीज क्वीन कॉन्टेस्ट का आयोजन किया। इस अनोखे तीज कार्यक्रम में 21 वर्ष से लेकर 75 वर्ष तक की महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में निर्णायक की भूमिका में सुरभि सिंह, मानसी गोयल एवं अंकिता सिंघल मौजूद रहीं। विभिन्न प्रतियोगिताओं के आधार पर पूजा अग्रवाल को तीज क्वीन के खिताब से नवाजा गया। फर्स्ट रनर अप आरुषि सक्सेना एवं सेकंड रनर अप अंजू यादव रहीं। कार्यक्रम में मीना श्रीवास्तव, रूपा श्रीवास्तव, अंजलि श्रीवास्तव, अंजू पांडेय, मधु अग्रवाल, रेखा अग्रवाल, कुमकुम मिश्रा, दिव्या सिंह, अनुपमा श्रीवास्तव, दिव्या शुक्ला, सुमन यादव, आयुषी श्रीवास्तव, ममता शुक्ला, अनीता वर्मा, अर्चना चौहान, किरण शर्मा, सुधा पांडे, पूनम वार्ष्णेय, नीता मिश्रा, लक्ष्मी हजेला, स्वाति सक्सेना, मंजू रवि और अपूर्वा कटियार आदि ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में इशिका, अद्रिजा, समीर श्रीवास्तव, अनूप सक्सेना, इशांक श्रीवास्तव व डॉ. अमित सक्सेना आदि मौजूद रहे।

चौक चौराहे पर अवैध दुकानों को हटाते नगर निगम व पुलिस कर्मी।

अतिक्रमण से मुक्त कराया चौक बाजार

- **अमृत विचार, लखनऊ :** नगर निगम की टीम ने मंगलवार को चौक बाजार क्षेत्र में बढ़ते अतिक्रमण और जाम के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। विशेष अभियान में सड़क व फुटपाथ से सामान जब्त करके अतिक्रमण मुक्त कराया। जोनल अधिकारी मनोज यादव के नेतृत्व में प्रवर्तन टीम ने जोन-6 अंतर्गत वार्ड चौक बाजार काली जी क्षेत्र में चरक चौराहे से कोनेश्वर चौराहे तक विशेष अभियान चलाया। इस दौरान करीब 40 ठेले, 30 अस्थायी दुकानें हटाई गईं। साथ ही टेंट वाली मेज, स्टूल, प्लास्टिक कैरेट, तराजू, इलेक्ट्रॉनिक कांटा, फ्लेक्स बोर्ड और छाते जब्त किए। अतिक्रमणकारियों को दोबारा से अतिक्रमण करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी। साथ ही क्षेत्रीय थानाध्यक्ष को भी निगरानी के लिए पत्र लिखा गया।

अभियान एलडीए ने चलाया बुलडोजर, मकान व दुकान गिरते देख रोईं महिलाएं व बच्चे, अवैध अध्यासियों को आवास बसंतकुंज योजना में किया शिफ्ट

भारी विरोध के बीच कब्जामुक्त कराया रिफा-ए-आम क्लब

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विकास प्राधिकरण ने मंगलवार को दल-बल के साथ वजीरगंज स्थित रिफा-ए-क्लब की जमीन पर बुलडोजर चलाकर कब्जामुक्त कराया। सड़क किनारे झुग्गी व टीन शेड डालकर बने मकान और दुकानें ध्वस्त की। मकान टूटते देख महिलाएं व बच्चे रोते रहे। एकजुट होकर विरोध किया और अफसरों से नोकझोंक हुई। बुलडोजर रोकने की कोशिश की लेकिन, टीम ने सख्ती बरतते हुए परिसर खाली करा दिया।

2.18 लाख वर्गफिट क्षेत्रफल में निर्मित रिफा-ए-आम क्लब नजूल की सम्पत्ति है। वर्ष 1886 में क्लब 99 साल की लीज पर आवंटित किया गया था। वर्ष 1985 में लीज अवधि समाप्त होने पर यह संपत्ति सरकार ने प्राधिकरण को हैंडओवर कर दी। वर्तमान में क्लब काफी पुराना जर्जर हो चुका है। जमीन पर लोगों ने कब्जा करके अस्ठाई मकान व दुकानें बना ली थीं। इन परिवारों व दुकानदारों को 25 अगस्त तक जगह खाली करने का मौक दिया था, लेकिन स्वयं से जगह न खाली करने पर मंगलवार को अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा के नेतृत्व में नजूल, अर्जन व अभियंत्रण अनुभाग की संयुक्त टीम ने कब्जे ध्वस्त कर दिए। इस बीच कुछ परिवारों व दुकानदारों ने कार्रवाई का विरोध करते हुए टीम को रोकने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस बल के सहयोग से कार्रवाई की गई। स्कूल से लौटकर आए बच्चे मकान टूटता देख रोते रहे। मौके पर नजूल अधिकारी प्रभाकर सिंह, उप सचिव माधवेश कुमार, जोनल अधिकारी देवांश त्रिवेदी, अधिशासी अभियंता मनोज सागर, तहसीलदार-अर्जन हेमचन्द्र तिवारी समेत अन्य अधिकारी व अभियंता उपस्थित रहे।

सिटी स्टेशन स्थित ऐतिहासिक इमारत रिफा-ए-आम क्लब में एलडीए अवैध कब्जा हटाते हुए।

परिवार पीएम आवास में शिफ्ट, बाउंड्रीवॉल निर्माण शुरू

- मौके पर 22 दुकानें कब्जा मुक्त कराई गईं। इसके अलावा झुग्गी, टीनशेड डालकर संचालित किये जा रहे वर्कशॉप, फर्नीचर व कबाड़ आदि दुकानें ध्वस्त कर दी। लगभग 10 लोग क्लब में अवैध रूप से टेंट लगाकर निवास कर रहे थे, जिसे तोड़कर परिवारों को विस्थापन नीति के तहत बसंतकुंज योजना में प्रधानमंत्री आवास आवंटित करते हुए शिफ्ट कराया है। 18 दुकानदार के पास कोर्ट का स्टे होने पर कार्रवाई नहीं की गई। वहीं उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि रिफा-ए-आम क्लब के चारों ओर बाउन्ड्रीवॉल का निर्माण शुरू कर दिया है। परिसर में पाथ-वे निर्माण, सिविल कार्य, हॉर्टीकल्चर व लाइटिंग आदि विभिन्न कार्य कराएंगे। इसके तैयार होने पर शहरवासियों को मैरिज लॉन, कैफेटेरिया व स्पोर्ट्स आदि की बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

सैरपुर में दो अवैध प्लाटिंग ध्वस्त

- **अमृत विचार, लखनऊ :** लखनऊ विकास प्राधिकरण की टीम ने मंगलवार को प्रवर्तन जोन-4 अंतर्गत सैरपुर में दो अवैध प्लाटिंग बुलडोजर चलाकर ध्वस्त की। जोनल अधिकारी संगीता राघव ने बताया कि सैरपुर थानाक्षेत्र के ग्राम पलहरी में अवध राम व अन्य द्वारा एक जगह पर पांच बीघा व दूसरी जगह पर दो बीघा में प्लाटिंग करके अवैध कालोनी विकसित की जा रही थी। प्राधिकरण से ले-आउट स्वीकृत न कराने पर निर्माण ध्वस्त कर दिया।

सिटी ब्रीफ

मेट्रो स्टेशन पर कारतूस के साथ एक गिरफ्तार

अमृत विचार, आलमबाग : इंस्पेक्टर आलमबाग सुभाष चंद्र सरोज के मुताबिक सोमवार शाम सात बजे स्टेशन पर तैनात सुरक्षा कर्मियों को स्कैनिंग के दौरान मुसैफी के बैग में एक कारतूस जैसी चीज दिखी। जब बैग खोलकर देखा गया तो उसमें कारतूस मिला। मामले की जानकारी वहीं तैनात सिपाही अभिषेक को दी गई। इंस्पेक्टर के मुताबिक पूछताछ में मुफैसी ने बताया कि वह लखनऊ घूमने आया था। इस बीच किसी ने उसके बैग में कारतूस डाल दिया। इसकी उसे जानकारी नहीं हो सकी।

जेलकर्मी समेत दो के घरों से लाखों की चोरी

अमृत विचार, लखनऊ : कुशीनगर के तमकुहीराज स्थित लक्ष्मीपुर बाबू निवासी हेमंत परिवार के साथ गोमतीनगर विस्तार के छोटा भरवारा में रहते हैं। हेमंत के मुताबिक उनकी पत्नी कारागार मुख्यालय में तैनात है। 23 अगस्त की सुबह 10 बजे दोनों घर पर ताला बंद कर ड्यूटी पर गये थे। देर रात वापस आने पर गेट का ताला टूटा मिला। चोरों ने आलमारी के लॉकर में रखे हीरे व सोने के जेवर व 63 हजार रुपये नकदी साफ कर दी। इंस्पेक्टर गोमतीनगर विस्तार सुधीर अवस्थी के मुताबिक एफआईआर दर्ज कर ली गई है। वहीं, सआदतगंज के ब्राह्मण टोला निवासी विभा वर्मा के मुताबिक 24 की रात एक बजे वह परिवार संग भूतल पर सो रही थीं। अगले दिन सुबह 8 बजे आंख खुलने पर जब वह मकान के दूसरे तल पर पहुंचीं तो होश उड़ गए। अलमारी के लॉकर टूटे हुए थे। उसमें रखे आभूषण और 70 हजार रुपये गायब थे। इंस्पेक्टर सआदतगंज संतोष आर्य के मुताबिक एफआईआर दर्जकर जांच की जा रही है।

चोरों ने उड़ाई शराब की बोतलें

अमृत विचार, लखनऊ : सैरपुर के छठामील स्थित शराब की दुकान के सेल्समैन ने 15 शराब की बोतलें चोरी होने की एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक मामले की जांच की जा रही है। मल्हपुर निवासी आशीष कुमार के मुताबिक छठा मील स्थित शराब की दुकान में वह सेल्समैन हैं। रविवार को वह दुकान बंद करके घर चले गए थे। अगले दिन सुबह दस बजे जब उन्होंने शटर खोला तो दंग रह गए। दुकान की पिछली दीवार टूटी हुई थी। चोर ने गल्ले से 15 हजार रुपये और शराब चुरा लीं। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। एसओ मनोज कुमार कोरी के मुताबिक जांच की जा रही है।

डंपर की टक्कर से शिक्षिका घायल

अमृत विचार, सरोजनीनगर : बंथरा के नीवां गांव निवासी राजेश मिश्रा की बेटी दिव्या मिश्रा (22) सरोजनीनगर में गौरी-बिजनौर रोड स्थित स्काई पब्लिक स्कूल में अध्यापिका है। दिव्या मंगलवार सुबह घर से निकलकर स्कूटी से स्कूल जा रही थी। बंथरा में डंपर ने स्कूटी में टक्कर मार दी। जिससे स्कूटी डंपर में फंस गई और काफी दूर तक घिसटती चली गई। हादसे में दिव्या चोटिल हो गई।

प्लॉट के नाम पर ठगे 23 लाख

अमृत विचार, लखनऊ : रियल एस्टेट फर्म फ्यूचर इंफ्रा सॉल्यूशन व मेरा आशियाना के निदेशकों पर प्लॉट के नाम पर करीब 23 लाख रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगा है। कारोबारी अभय कुमार सिंह व दो अन्य पीड़ितों ने धोखाधड़ी की जानकारी होने पर रुपये वापस मांगे तो धमकाया गया। डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल के निर्देश पर कृष्णानगर पुलिस ने दो अलग-अलग रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

वीजा के नाम पर एजेंट ने की 80 हजार धोखाधड़ी

अमृत विचार, लखनऊ : लालबाग स्थित ट्रेवेल एराउंड द वर्ल्ड के एजेंट ने उमरा का वीजा दिलाने का झांसा देकर अधिवक्ता इमरान उल अजीज से 80 हजार रुपये ऐंठ लिए। पीड़ित ने हजरतगंज कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज करायी है। इंस्पेक्टर विक्रम सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

डकैती में शामिल एक और बदमाश गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : पशुपालन विभाग के डायरेक्टर प्रसिद्ध नारायण सिंह को घर में बंधक बनाकर डकैती के एक और आरोपी को हसनगंज पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया है। हसनगंज पुलिस इस मामले में सात आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। वहीं, दो आरोपी कोर्ट में समर्पण कर चुके हैं। इंस्पेक्टर हसनगंज अमर सिंह ने बताया कि 14 दिसंबर को पशुपालन विभाग के निदेशक प्रसिद्ध नारायण सिंह ने रिपोर्ट दर्ज करायी थी। बताया था कि हसनगंज स्थित घर में आधा दर्जन से अधिक लोगों ने उन्हें बंधक बनाकर दो लाख रुपये, जेवर और दो मोबाइल फोन लूट लिया था। सोमवार को पुलिस ने मूल रूप से बहराइच निवासी मारुफ को गिरफ्तार कर लिया।

नायब तहसीलदार के खिलाफ किसानों में आक्रोश, थाना घेरा

एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तार करने की मांग, डीसीपी ने दिया कार्रवाई का आश्वासन, सुशांत गोल्फ सिटी थाने के बाहर तीन घंटे चला प्रदर्शन

संवाददाता, गोसाईंगंज

अमृत विचार: सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाते समय नायब तहसीलदार रत्नेश कुमार ने किसान राम मिलन को थप्पड़ मारने के मामले तूल पकड़ लिया। मंगलवार को नायब तहसीलदार और पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज करने और गिरफ्तार करने को लेकर किसानों व कई संगठनों ने सुशांत गोल्फ सिटी थाने का घेराव किया। तीन घंटे तक प्रदर्शन जारी रहा। डीसीपी दक्षिणी निपुण अग्रवाल को तहरीर दी गई। उन्होंने एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया। इसके बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ। इस दौरान जमकर नारेबाजी होती रही।

मिर्जापुर गांव की रहने वाली माया देवी पत्नी राम मिलन ने तहरीर में आरोप लगाया है कि सोमवार दोपहर करीब ढाई बजे वह और उनके बीमार पति अपने पैतृक हाते पर जानवरों की देखरेख कर रहे थे। इसी दौरान नगर निगम के नायब तहसीलदार रत्नेश श्रीवास्तव, लेखपाल सुभाष कौशल, एचसीएल चौकी प्रभारी हिमांशु तिवारी व सिपाही आनंद यादव मौके पर पहुंचे। उन्होंने कब्जा हटाने की बात कहते हुए परिवार को तत्काल हट जाने का आदेश दिया। पीड़िता ने अपने बीमार पति की हालत का हवाला देकर कुछ समय मांगा तो नायब तहसीलदार आगबबूला हो गए और जातिसूचक गालियां देने लगे। विरोध करने पर तहसीलदार ने राम मिलन को थप्पड़ मार दिया, जिससे वह जमीन पर गिरकर बेहोश हो गए और उनके कान से खून बहने लगा। आरोप है कि इसके बाद चौकी प्रभारी और सिपाही ने भी मारपीट करते हुए उन्हें उठाकर पटक दिया, जिससे उनकी हालत और गंभीर हो गई।

इस मामले में मंगलवार को किसान राम मिलन परिजनों के साथ आरोपी अफसर व पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई के लिए शिकायती पत्र दिया। इंस्पेक्ट उपेंद्र सिंह ने जांच के बाद कार्रवाई की बात कही तो मामला बिगड़ गया। जानकारी होने पर राष्ट्रीय कल्याण मंच के अध्यक्ष अनोद कुमार रावत की अगुवाई में बड़ी संख्या में किसान और ग्रामीण थाने पर पहुंचकर प्रदर्शन करने लगे। माया देवी का कहना कि आरोपी नायब तहसीलदार रत्नेश कुमार व बदसलूकी करने के आरोपी पुलिस कर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। उनको तत्काल निलंबित कर गिरफ्तार किया जाए। साथ ही घायल किसान को उचित इलाज और मुआवज़ा दिया जाए। राष्ट्रीय कल्याण मंच के अध्यक्ष अनोद कुमार रावत ने बताया आरोपी अफ़सर व पुलिस कर्मियों पर केस दर्ज कर गिरफ्तारी नही हुई तो बड़ा आंदोलन होगा। इस मामले में डीसीपी दक्षिणी निपुण अग्रवाल ने बताया कि किसान को थप्पड़ मारने से नाराज किसान नगर निगम के नायब तहसीलदार रत्नेश कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने थाने पहुंचे थे। पीड़ित ने तहरीर दी है। एफआईआर दर्ज कराई जा रही है।

सुशांत गोल्फ सिटी थाने के बाहर प्रदर्शन करते किसान यूनियन के कार्यकर्ता। अमृत विचार

थप्पड़ मामले में नायब तहसीलदार को नोटिस

- **अमृत विचार, लखनऊ :** किसान को थप्पड़ मारने के मामले में नायब तहसीलदार रत्नेश कुमार को नगर आयुक्त गौरव कुमार ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। कमेटी बनाकर मामले की विभागीय जांच कराई जाएगी।सोमवार को मोहनलालगंज के ग्राम मस्तेमऊ में नायब तहसीलदार रत्नेश कुमार टीम के साथ सरकारी जमीन कब्जामुक्त कराने गए थे। इस दौरान किसान राम मिलन से जमीन को लेकर कहासुनी हुई थी। आरोप है कि नायब तहसीलदार ने किसान को थप्पड़ मार दिया था और कान से खून निकल आया था। परिजन घायल किसान को गोसाईगंज सीएचसी ले गए थे और वहां से सिविल अस्पताल रेफर कर दिया था। इस घटना का लोगों ने विरोध किया और वीडियो वायरल होने पर मामला सामने आया। नगर आयुक्त ने मामले को गंभीरता से लेकर मंगलवार को नायब तहसीलदार को कारण बताओ नोटिस जारी किया। साथ ही कमेटी बनाकर जांच कराई जाएगी।

ट्रेन के आगे लगाई युवती ने छलांग, घायल हालत में भर्ती

अमृत विचार, आलमबाग: कृष्णानगर स्थित कनौसी रेलवे फाटक के पास मंगलवार को एक युवती ने ट्रेन के आगे छलांग लगा दी। ट्रेन से टकराने में वह गंभीर रूप से घायल हो गई। गंभीर हालत में पुलिस ने उसे लोकबंधु अस्पताल में भर्ती कराया है। भोलाखेड़ा चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक बादल सिंह ने दोपहर करीब 1:30 बजे कनौसी रेलवे फाटक के पास एक युवती ट्रेन के आगे कूद गई। टक्कर से उसका एक पैर टूट गया। सिर व शरीर के अन्य हिस्से में भी चोट आई है। युवती के जेब से मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान मूल रूप उन्नाव निवासी सृष्टि शर्मा (25) के रूप में हुई। सृष्टि वर्तमान में कनौसी में किराए पर रहती है।

जानकारी मिलते ही कृष्णानगर पुलिस व जीआरपी मौके पर पहुंची। घायल को इलाज के लिए लोकबंधु अस्पताल में भर्ती कराया गया। सृष्टि की जेब मिली पर्ची पर लिखा था कि सॉरी मम्मी आप जैसा चाहती थी मैं वैसा नहीं बन पाई।

झूठी खबरें चलाकर बलरामपुर अस्पताल के कर्मियों से मांगी रंगदारी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- **वजीरगंज कोतवाली में कथित पत्रकार, गुर्गे व दो अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज**

अमृत विचार: बलरामपुर अस्पताल के सफाई कर्मचारियों को ब्लैकमेल कर एक लाख रुपये की रंगदारी मांगी गयी। आरोप है कि कथित पत्रकार और उसके गुर्गे झूठी और आधारहीन खबरें सोशल मीडिया पर चलाकर वसूली मांग रहे हैं। रुपये न देने पर फ्लैट पर बुलाकर आरोपियों ने धमकाया। वजीरगंज पुलिस ने कथित पत्रकार इमरान मिर्जा, उसके गुर्गे गोगी और दो अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

इंस्पेक्टर वजीरगंज राजेश त्रिपाठी ने बताया कि बलरामपुर कैंपस निवासी सफाईकर्मी धर्मेंद्र भारती ने 7 अगस्त पुलिस महानिदेशक को प्रार्थनापत्र दिया था। शिकायत में पीड़ित ने बताया था कि गोलागंज स्थित गोल्डन अपार्टमेंट के फ्लैट में रहने वाला इमरान मिर्जा आए दिन झूठी खबरें अपने एक्स हैंडल और यूट्यूब, व्हाट्सएप पर चलाकर धमकी देता है। गलत खबरें चलाकर वह ब्लैकमेल कर प्रति माह 10 हजार रुपये की मांग करता है। विरोध पर धमकी देता है। ब्लैकमेलिंग के रुपयों के लिए वह अपने गुर्गे गोगी व दो अन्य को भेजता है। 2 जून को आरोपी ने एक्स अकाउंट पर निराधार खबर चलाई कि बलरामपुर में मोटा पैसा देने पर इंटर्नशिप स्वीकृत की जाती है। इसका सिंडिकेट में रवि बाबू, धर्मेंद्र भारती और दिलीप शामिल हैं। यह आधारहीन सूचना वायरल कर इमरान ने 3 जून को अपने फ्लैट पर बुलाकर एक लाख रुपये की मांग की। रुपयों की मांग पूरी न होने पर उसने और उसके साथियों ने झूठी खबरें प्रसारित करने की धमकी दी।

विरोध करने पर इमरान, गोगी व दो अन्य ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देते हुए भगा दिया। इंस्पेक्टर ने बताया कि उच्चाधिकारियों के आदेश पर कथित पत्रकार इमरान, उसके साथी गोगे और दो अज्ञात के खिलाफ ब्लैकमेलिंग, एससीएसटी एक्ट, धमकी समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है।

ढलान पर अनियंत्रित ठेलिया रेलिंग से टकरायी, युवक की मौत

अमृत विचार, मलिहाबाद: इंस्पेक्टर रहीमाबाद आनंद कुमार द्विवेदी ने बताया कि मूल रूप से हरदोई के बावन चुंगी निवासी इतवारी ठाकुरगंज स्थित बरौरा में रहकर कबाड़ बेचने का काम करते हैं। पत्नी प्रीति ने बताया कि इतवारी सोमवार दोपहर ठेलिया लेकर रहीमाबाद इलाके में कबाड़ खरीदने के लिए अपने एक साथी के साथ निकले थे। चश्मदीदों ने बताया कि बाइक सवार रस्सी के सहारे ठेलिया पीछे से खींच कर ले जा रहे थे। भतोइया गांव के पास फ्लाईओवर उतरने के दौरान ठेलिया की रफ्तार बढ़ गई । ठेलिया बाइक से आगे निकलकर फ्लाईओवर की रेलिंग से टकरा गई। जिसमें इतवारी गंभीर रूप से घायल हो गए। जबकि मौके से इतवारी की ठेलिया खींच कर ले जा रहे बाइक सवार फरार हो गया। आनन-फानन में पुलिस ने घायल को सीएचसी मलिहाबाद पहुंचाया। वहां से डॉक्टरों ने उसे ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान इतवारी की मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि परिवार में पत्नी प्रीति व एक बेटा है।

महिला महंत पर हमलों के बावजूद पुलिस खामोश

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : राणा प्रताप मार्ग स्थित ओमकारेश्वर मन्दिर की महंत कुसुम गिरि पर लगातार हो रहे प्राणघातक हमलों के बारे में जानकारी देने के लिए मनकामेश्वर मंदिर में मंगलवार को प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेसवार्ता में महंत देव्यागिरि, बंदी माता मंदिर से महंत पूजा पुरी, महंत कुसुमगिरि, प्रेमलता गिरि, मुन्ना गिरि, बाबा शिवमंगल दास, कमलेश गिरि, नागा बाबा रजनीश पुरी, महंत भाई उमादास, मुकेशानंद, राघवेंद्र नाथ मिश्रा, संदीप पांडेय, लोक कवि कृष्णानंद राय, किसान मंच उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष राकेश पहलवान और राजा भाई मौजूद रहे।

प्रेसवार्ता में बताया गया कि महंत कुसुम गिरि पर लगातार हो रहे प्राणघातक हमलों के बारे में पुलिस शिकायत के बावजूद पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही है। किसी भी महिला के साथ अभद्रता, अराजकता संगीन अपराध है। पुलिस प्रशासन को तत्काल इस मामले में दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। साधू-संतों ने इस मामले में फैसला लिया है कि अगर कोई कार्रवाई नहीं होती है। तो दो-चार रोज के भीतर हम सभी महिला-पुरुष साधु-संत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाक़ात कर उनसे शिकायत करेंगे।

कुसुम गिरि ने बताया कि मंदिर परिसर में घुसकर लगातार अराजक तत्व मंदिर के निकट निवासी हरीराम सहित अन्य लोग लगातार हमला करते हैं। उनकी नीयत मंदिर परिसर से मुझे भगाने, मंदिर पर कब्जा कर और अपने अवैध काम करने की रहती है। इसके लिए लगातार यह लोग पिछले दो दशक से हमला कर रहे हैं।

ज्ञापन दिखाती महंत दिव्यागिरि व अन्य। अमृत विचार

- **महंत का आरोप मन्दिर पर कब्जे के लिए हो रही जान लेने की कोशिश**

लगातार हरीराम व अज्ञात लगभग 20-25 सहयोगियों के साथ किए गए प्राणघातक हमले की मैंने 16 जनवरी 2022 को वजीरगंज थाने में लिखित शिकायत की थी, लेकिन सुनवाई न होने पर 15 मार्च को फिर शिकायत की। इसके बाद पहली फरवरी 2025 को जिलाधिकारी से लिखित शिकायत की। फिर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे पहले अराजक हरीराम और उनके साथियों की 31 जनवरी को वजीरगंज थाने में लिखित शिकायत की थी।

उन्होंने बताया कि इसी 16 अगस्त को हरीराम ने लगभग 20 लोगों के साथ मुझ पर रात में प्राणघातक हमला किया। किसी तरह मैं जान बचाकर अपने मंदिर ओमकारेश्वर परिसर की ओर भागी तो मंदिर के बाहर इन लोगों ने बुरी तरह मुझे मारा और अधमरा करके छोड़कर भाग गए। कोई सुनवाई न होने पर हताश होकर मंदिर परिसर से बाहर निकलना छोड़ दिया।

इस घटना की शिकायत मैंने स्पीड पोस्ट के जरिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, पुलिस आयुक्त, गृह सचिव, अध्यक्ष महिला आयोग, अनुसूचित जनजाति आयोग, और वजीरगंज थाना में 22 अगस्त को शिकायत की। लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

शिकायत के बाद 23 अगस्त को मंदिर परिसर में गाली-गलौच करते हुए लोग घुस आए और मुझे मारा पीटा, जान से मारने की धमकी दी। उन्होंने मुझे मंदिर परिसर छोड़कर भाग जाने को कहा। इस मामले की शिकायत मैंने महिला हेल्प लाइन नंबर 1090 पर की। लेकिन हेल्प लाइन से आए पुलिसकर्मियों ने वजीरगंज थाने जाकर शिकायत करने को कहा और चले गए।

रेलवे स्टेशन से 21 लाख की कीमत की डेढ़ किलो अफीम बरामद

अमृत विचार, लखनऊ: चारबाग रेलवे स्टेशन पर रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स (आरपीएफ) और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने डेढ़ किलो अफीम बरामद की है। इसकी बाजार कीमत करीब 21 लाख रुपए है।संयुक्त टीम ने 'ऑपरेशन नार्कोस' के तहत एक अफीम तस्कर को गिरफ्तार किया है। मुखबिर की सूचना पर टीम ने ट्रेन नंबर 14673 शहीद एक्सप्रेस में रात करीब 12:44 बजे ट्रेन के चारबाग पहुंचने पर कोच एस-4 की सीट नंबर 58 पर बैठे संदिग्ध की जांच की। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम बलीराम यादव (उम्र 25 वर्ष), पुत्र वकील राय, निवासी ग्राम मधुबनी, थाना संग्रामपुर, जिला पूर्वी चंपारण, बिहार बताया। उसके पिठू बैग में दो प्लास्टिक पाउच में गहरा भूरा चिपचिपा पदार्थ मिला, जो अफीम निकला।

कमरे में मिला पूर्व विधायक के इंजीनियर भांजे का शव

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: प्रतापगढ़ रानीगंज के पूर्व विधायक के इंजीनियर भांजे का शव गोमतीनगर स्थित घर की पहली मंजिल पर संदिग्ध हालत में पड़ा मिला। दुर्गंध आने पर मां कमरे में पहुंची तो बेटे का शव मिला। सूचना पर गोमतीनगर पुलिस मौके पर पहुंची। छानबीन के दौरान कलाई पर कई कट के घाव मिले। आशंका जताई जा रही है कि शव तीन से चार दिन पुराना है। शव में कीड़े पड़ गए थे। इंस्पेक्टर गोमतीनगर बृजेश चंद्र तिवारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह स्पष्ट होगी।

विराम खंड-5 निवासी इंजीनियर अतुल कुमार तिवारी (42) मां सुधा के साथ घर में रहते थे। पिता सुरेश की मौत हो चुकी है। बहन गीतिका दिल्ली में रहती है। सुधा ग्राउंड फ्लोर पर रहती है, जबकि अतुल पहली मंजिल पर रहते थे। मंगलवार को उनके कमरे से तेज दुर्गंध आ रही थी। मां ने बेटी गीतिका और डॉयल-112 पर सूचना दी। कुछ ही देर में पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस दरवाजा खोलकर कमरे में दाखिल हुई तो अतुल का शव मिला। उसपर कीड़े पड़ चुके थे। एसीपी गोमती नगर बृज नारायण सिंह ने बताया कि अतुल की कलाइयों में कट के घाव मौजूद थे। प्रतापगढ़ के रानीगंज से भाजपा के पूर्व विधायक अभय कुमार उर्फ धीरज भी सूचना मिलने पर कुछ देर बाद मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि फिलहाल घर में उनकी बहन सुधा और अतुल ही रह रहे थे। पॉवर ग्रिड कॉरपोरेशन में कार्यरत मैनेजर पिता की मौत के पास से अतुल काफी परेशान रहता था।

जमानत के लिए रेप पीड़िता से की शादी, फिर दहेज के लिए किया प्रताड़ित

अमृत विचार, मलिहाबाद: जेल से जमानत पाने के लिए आरोपी ने दुष्कर्म पीड़िता से शादी कर ली। शादी के बाद वह उसपर दहेज में 10 लाख रुपये लाने का दबाव बनाने लगा। मांग पूरी न होने पर आरोपी ने दूसरे के साथ संबंध बनाने का दबाव बनाया। पीड़िता की तहरीर पर रहीमाबाद पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर रहीमाबाद आनंद कुमार द्विवेदी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

थाना क्षेत्र में रहने वाली पीड़िता ने बताया कि रहीमाबाद निवासी युवक ने वर्ष 2021 में शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया था। बाद में आरोपी शादी से मुकर गया। इसपर पीड़िता ने उसके खिलाफ दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज करायी थी। जेल जाने के बाद आरोपी को वर्ष 2022 में कोर्ट से इस शर्त पर जमानत मिली थी कि वह पीड़िता से शादी करेगा।

सर्राफ का 311 ग्राम सोना लेकर फरार हुआ कारीगर, कैमरे में कैद

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: चौक के काली बाड़ी बाजार स्थित सराफ के कारखाने से कारीगर करीब 311 ग्राम सोने के जेवर लेकर मामा संग फरार हो गया। सोने की कीमत करीब 28 लाख रुपये बतायी जा रही है। आरोपी की करतूत सीसी कैमरे में कैद हो गयी। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर सीसी फुटेज व सर्विलांस की मदद से आरोपियों की तलाश तलाश कर रही है।

सोंधीटोला चौक निवासी सराफ प्रसनजीत मंडल का काली बाजार में सर्वश्री मंडल जॉब वर्क नाम से आभूषण बनाने का कारखाना है। उन्होंने बताया कि कारखाने में पश्चिम बंगाल मेदिनीपुर के घांटाल स्थित सुल्तानपुर ग्राम निवासी संजय खान 21 जून से आभूषण बनाने का काम कर रहा था। संजय को नौकरी पर उसके मामा मोहनलाल सांतरा निवासी मेदिनीपुर पश्चिम बंगाल ने अपनी गारंटी पर काम पर रखवाया था।

पीड़ित सराफ ने बताया कि 28 जुलाई को उन्होंने संजय को 580.25 ग्राम सोना जेवर बनाने के लिए दिया था। 7 अगस्त को कारीगर संजय ने 311.84 ग्राम सोने के आभूषण बनाकर दिए थे। शेष 311 ग्राम सोने के जेवर बनाने की बात कही थी। 8 अगस्त की शाम 6:39 बजे संजय सोना लेकर फरार हो गया। सोने की कीमत करीब 28 लाख रुपये है। पीड़ित ने आरोपी का नंबर बंद देख मामा को कॉल की तो उन्होंने बात करने से मना कर दिया।

उसके बाद मामा मोहनलाल का भी मोबाइल बंद हो गया। पीड़ित ने सीसी कैमरे की फुटेज खंगाली तो आरोपी सोना लेकर जाते हुए कैद हुआ है। पीड़ित सराफ ने बताया कि मोहनलाल ने साजिश के तहत भांजे को काम पर रखवाया था। पुलिस ने सराफ प्रसनजीत मंडल की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

लापता बुजुर्ग किसान का शव नदी में मिला हत्या का आरोप

अमृत विचार, काकोरी: थाना क्षेत्र के टिकैटगंज स्थित बेहता नदी में मंगलवार को किसान परमेश्वर रावत (61) का शव उतराता मिला। उनके मुंह और सिर से खून निकल रहा था। पत्नी ने जमीनी रंजिश में हत्या कर शव नदी में फेंकने का आरोप लगा जांच की मांग की है। इंस्पेक्टर काकोरी सतीश चंद्र राठौर ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह साफ हो सकेगी। टिकैतगंज निवासी रूपरानी ने बताया कि पति किसान परमेश्वर रावत सोमवार सुबह भतीजे मोनू के साथ दवा लेने ठाकुरगंज गए थे। शाम को परमेश्वर रावत घर से बिना बताए कहीं चले गए। देर रात तक वापस न लौटने पर परिजन ने खोजबीन की लेकिन उनका कुछ पता नहीं चला।

यूपीपीसीएल के लेखाकार पर भ्रष्टाचार की रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: यूपीपीसीएल के महानगर मुख्य अभियंता कार्यालय में तैनात लेखाकार दिलीप कुमार अग्रवाल के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति की रिपोर्ट महानगर कोतवाली में दर्ज की गयी है। जांच के दौरान विजिलेंस को 14 साल की आय-व्यय में करीब 51 लाख रुपये का खर्च अधिक मिले। पूछताछ में आरोपी कोई ब्योरा नहीं दे सके। जिसके बाद विजिलेंस निरीक्षक ने रिपोर्ट दर्ज करायी है। इंस्पेक्टर महानगर अखिलेश कुमार मिश्र ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

इंस्पेक्टर अखिलेश कुमार मिश्रा ने बताया कि उत्तर प्रदेश पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड मुख्यालय शक्ति भवन द्वारा 7 अप्रैल 2022 को लेखाकार दिलीप कुमार अग्रवाल के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले खुली जांच के लिए पत्र जारी किया गया था। सतर्कता मुख्यालय ने जांच के लिए टीम गठित की गई थी। लेखाकार दिलीप कुमार महानगर स्थित मुख्य अभियंता कार्यालय में तैनात थे। दिलीप कुमार की संपत्ति की जांच 13 मार्च 2008 से 31 मार्च 2022 तक की गई। जांच में पता चला कि दिलीप कुमार की कुल आय 1,89,29,062 रुपये थी। इसके सापेक्ष उन्होंने 2,40,32,620 रुपये खर्च किए गए। जांच के दौरान इस अवधि में 51,03,558 रुपये (26.96 प्रतिशत) अधिक व्यय किया।

केंद्रीय सचिवालय का सचिव बन कर ठगी करने वाले दो गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: केंद्रीय सचिवालय का सचिव बनकर ठगी करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को एसटीएफ ने सोमवार देर रात शहीद पथ के पास से दबोच लिया। आरोपियों ने सचिव बनकर फर्जी दस्तावेज तैयार कर एलडीए और आवास विकास परिषद की खाली पड़ी करोड़ों की जमीनों को बेच दिया। आरोपियों के पास से इनोवा बरामद हुई है। जिसमें हूटर लगा था और वॉकी-टॉकी के सामान मिले। वॉकी-टॉकी का प्रयोग कर आरोपी जमीन के ग्राहकों को अपने अर्दब में ले लेते थे। गिरोह के अन्य

सदस्यों की तलाश की जा रही है।

एसटीएफ के डिप्टी एसपी प्रमेश कुमार शुक्ला के मुताबिक पकड़े गये आरोपियों में कौशाम्बी के कुमिहांवा निखोदा मजरा कोरीपुर का अमित कुमार और जानकीपुरम सेक्टर-सी का मुबीन अहमद शामिल है। आरोपियों के पास से दो आधार कार्ड, एक फर्जी आधार कार्ड, डीएल, पैन कार्ड, एग्रीमेंट, रजिस्ट्री पेपर की कॉपी, 2 मोबाइल, एक वॉकी-टॉकी सेट बरामद किया गया है। आरोपी केंद्रीय सचिवाल में सचिव बताकर लोगों को झांसे में लेता था। इसके बाद दूसरे की जमीन को फर्जी तरीके से बेचने का काम करते थे। इस गिरोह के बारे में काफी दिनों से सूचना मिली थी। एसटीएफ की टीम आरोपियों की तलाश शुरू की। जानकारी मिली की फर्जीवाड़ा करने के बाद आरोपी फरार हो जाता था। फिर कुछ दिन बाद दूसरे थानाक्षेत्र में सक्रिय होता था। टीम ने सोमवार देर रात को शहीद पथ पर बने एक्सीडेंटल व्हीकल पार्किंग एरिया में खड़ी इनोवा में बैठे दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत, दहेज हत्या का आरोप

अमृत विचार, लखनऊ: जानकीपुरम सेक्टर-3 में मंगलवार को विवाहिता मानसी मिश्रा (25) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी। मायकेवालों ने दहेज हत्या का आरोप लगाया है। वहीं, ससुरालवालों ने फंदा लगाकर खुदकुशी की बात कही है। मायकेवालों की तहरीर के आधार पर पुलसि ने मामले की जांच शुरु कर दी है।

जानकीपुरम के मिर्जापुर निवासी शिव बालक ने बताया कि बेटी मानसी मिश्रा की शादी पांच वर्ष पहले ई-रिक्शा चालक सूरज कुमार मिश्रा के साथ की थी। मानसी अपने परिवार संग मकान की तीसरी मंजिल पर रहती थी। आरोप है कि दहेज के लिए मानसी को आए दिन पति सूरज, ससुर दरबारी लाल, सास ज्ञानी देवी, देवर मनीष और सतीश प्रताड़ित करते थे। विरोध करने पर उसे धमकाते व पीटते थे।

मंगलवार सुबह 11 बजे मानसी अपने दो साल के बेटे कुणाल को सास को देकर कमरे में चली आई। काफी देर बाद कमरे से न निकलने देवर मनीष आवाज देते हुए भाभी को देखने कमरे में गया तो पैरों तले जमीन खिसक गयी। अंदर भाभी मानसी पंखे से फंदे के सहारे लटकी रही थी। ससुराल वाले उसे फंदे से उतारकर ट्रामा सेंटर ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सिटी ब्रीफ

डॉ. अजय को मिली चेस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया की फेलोशिप

अमृत विचार, लखनऊ : डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में श्वसन चिकित्सा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. अजय कुमार वर्मा को चेस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया (एफसीसीआई) की प्रतिष्ठित फेलोशिप से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें कोलकाता में आयोजित चेस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया के वार्षिक सम्मेलन में प्रदान किया गया। यह उनके श्वसन चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान की सराहना है। संस्थान के निदेशक प्रो. सीएम सिंह ने डॉ. अजय को बधाई दी है।

मारपीट मामले में पांच आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचार, नगराम : थाना क्षेत्र के करोरा गांव में रंजिश में एक परिवार की पिटाई करने के मामले में पुलिस ने मंगलवार को पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से सभी को जेल भेज दिया गया। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। एसओ विवेक कुमार चौधरी ने बताया कि रविवार को क्षेत्र के करोरा गांव में मारपीट मामले में पीड़ित धीरज कुमार की तहरीर पर एक दर्जन नामजद समेत तीन अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गयी थी। मामले में पुलिस ने आरोपी नेवल किशोर, धीरेन्द्र कुमार पाल, शुभम पाल, होरीलाल व आदित्य कुमार उर्फ मोलहे को गिरफ्तार कर लिया।

केबिल चोरी में दो धरे गए

अमृत विचार, गोसाईंगंज : सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने केबिल चोरी के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त एक बाइक भी बरामद की है। इंस्पेक्टर उपेंद्र सिंह ने बताया कि तेलीबाग के वृंदावन निवासी पीएमसी प्रबंधक प्रशासन राकेश कुमार सिंह अपने सहयोगी शुभजीत साहू के साथ मंगलवार सुबह रूटीन दौरे पर थे। तभी दो लोग स्ट्रीट लाइट का केबिल काट रहे थे। उन लोगों ने घेरकर चिनहट के देवरिया कला लौलाई निवासी ओम प्रकाश उर्फ ओमकार व विशाल कुमार को पकड़ लिया।

खाद की किल्लत को लेकर सपा ने किया प्रदर्शन

कार्यकर्ताओं ने विधान भवन घेरने की कोशिश की, पुलिस से हुई धक्का-मुक्की

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

यूरिया की कमी पर प्रकाश डालते हुए सहकारिता भवन चौराहे पर विरोध प्रदर्शन करते समाजवादी छात्र सभा के कार्यकर्ता।

अमृत विचारः प्रदेश में खाद की भारी किल्लत और कालाबाजारी को लेकर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को जोरदार प्रदर्शन किया। हल लेकर सड़क पर उतरे कार्यकर्ताओं ने विधान भवन का घेराव करने का प्रयास किया, जिसे पुलिस ने रोक दिया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच जमकर धक्का-मुक्की हुई।

पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए कार्यकर्ताओं को जबरन बसों में भरकर इको गार्डन भेज दिया। सपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि सरकार किसानों की अनदेखी कर रही है और खाद को लेकर पूरे प्रदेश में हाहाकार मचा है। समाजवादी छात्र सभा के कार्यकर्ता नवनीत ने कहा कि अन्नदाता किसानों को खाद के लिए दिन-रात लंबी लाइनों में लगना पड़ रहा है।

महिलाएं घर-परिवार छोड़कर खाद केंद्रों की लाइनों में खड़ी हैं। कई किसान लाइन में बेहोश हो रहे हैं, यहां तक कि मौतें भी हो रही हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि खाद वितरण में गड़बड़ी और कालाबाजारी के लिए सरकार जिम्मेदार है। समय पर खाद न मिलने से किसानों की फसलें बर्बाद हो रही हैं। भाजपा सरकार किसानों पर अत्याचार कर रही है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के शासन में किसानों को समय से खाद, बीज और फसल का उचित दाम मिलता था। वर्तमान सरकार में किसानों को केवल धोखा मिल रहा है। सरकार को इस पर तुरंत जवाब देना चाहिए।

सचिव ने 14 रुपये अधिक पर बेची यूरिया, नोटिस

- महिगवां साधन सहकारी समिति में ओवररेटिंग, वापस कराए रुपये
- जिला कृषि अधिकारी ने गड़बड़ी पर कई की बिक्री रोकी

अमृत विचार, लखनऊ : जिले में खाद की किल्लत पर कृषि अफसरों की छापेमारी में महिगवां साधन सहकारी समिति के सचिव अधिक दाम पर यूरिया बेचते मिले। किसानों के बयान के आधार पर सचिव को नोटिस जारी करके रुपये वापस कराए गए। वहीं, चंद्रा कोडर साधन सहकारी समिति पर बिना खतौनी के खाद बेचने पर सचिव से स्पष्टीकरण मांगा गया। गड़बड़ी पर कृषक सेवा केंद्र समेत कई विक्रेताओं की बिक्री रोक दी गई। मंगलवार को जिला कृषि अधिकारी तेग बहादुर सिंह ने अपर जिला कृषि अधिकारी हर्षित त्रिपाठी के साथ काकोरी में कृषक सेवा केंद्र (पीसीएफ) में छापेमारी की। मौके पर खाद का स्टॉक खत्म मिला। विक्रेता ने जांच के लिए बिक्री रजिस्टर नहीं दिए। नोटिस जारी करते हुए बिक्री रोक दी। बीकेटी में एसके इंटर प्राइजेज द्वारा किसानों को कम यूरिया देकर उनके नाम से अधिक बेचने की पुष्टि हुई। स्टॉक में गड़बड़ी मिलने पर बिक्री रोकते हुए लाइसेंस निरस्तीकरण के लिए नोटिस जारी किया गया। इसके बाद अधिकारी बीकेटी अंतर्गत चंद्रा कोडर साधन सहकारी समिति पहुंचे। मौके पर किसानों को बिना खतौनी व अन्य दस्तावेज के खाद बेची जा रही थी।

आयुर्वेद में पाइल्स का इलाज कारगर

अमृत विचार, लखनऊ : अनियमित जीवनशैली से लोगों में गुदा द्वार की बीमारियां तेजी से बढ़ रही है। इसमें फिशर, पाइल्स, फिस्टुला, भगंदर आदि शामिल हैं। इन बीमारियों में आयुर्वेद की क्षार कर्म, क्षार सूत्र से इलाज कारगर है। यह जानकारी बंगलुरू के आयुर्वेद शल्य चिकित्सक डॉ. पी रमेश भट्ट ने दी। वह मंगलवार को टूड़ियागंज स्थित राजकीय आयुर्वेद कॉलेज में शल्य चिकित्सा विभाग की तरफ से आयोजित व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। डॉ. पी रमेश भट्ट ने बताया कि विदेशों से भी बहुत से मरीज भारत में आकर क्षारसूत्र से इलाज करा रहे हैं। उन्हें इजराइल और अमेरिका सरकार द्वारा शल्य चिकित्सा हेतु सम्मानित किया जा चुका है। डॉ. ज्ञानचंद ने बताया कि लगभग 9 प्रतिशत मधुमेह रोगियों में पैर में घाव बनता है। जल्दी ठीक नहीं होता है। उसमें आंवला, हल्दी आदि से बनी पट्टी से घाव जल्दी भरता है।

पानी पीने से बीमार नहीं हुए थे जानकीपुरम के मरीज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पानी के नमूने जांच में हुए पास, बीमारी का रहस्य गहराया

अमृत विचार : जानकीपुरम के सेक्टर- 7 में करीब दस दिनों से फैले संक्रामक रोग का रहस्य बना हुआ है। स्वास्थ्य विभाग इसकी वजह तलाशने में नाकाम साबित हो रहा है। इलाके से लिए गए पीने के पानी के नमूनों की जांच रिपोर्ट भी आ गई है। राज्य स्वास्थ्य संस्थान को पानी के नमूने जांच में ठीक मिले हैं। अब सवाल यह उठता है कि इलाके में संक्रामक रोग कैसे फैला? अफसर अब दूषित खाना खाने की आशंका जता रहे हैं।

जानकीपुरम सेक्टर-7 में अब तक 150 से ज्यादा लोग संक्रामक रोग की चपेट में आ चुके हैं। दो मरीजों की सांसें थम चुकी है। स्वास्थ्य विभाग ने दूषित पानी पीने से बीमार होने की आशंका जताई थी। इसके लिए क्षेत्र में टैंकर लगाए गए हैं। वहीं, 21 अगस्त को संक्रामक रोग प्रभावित क्षेत्र से पानी के चार नमूने एकत्र किए गए थे। सोमवार देर शाम को जांच रिपोर्ट आई।

सभी नमूने जांच में ठीक (उत्तम) पाए गए। अलीगंज स्थित राज्य स्वास्थ्य संस्थान के अपर निदेशक ने जल कल विभाग, सीएमओ और नगर स्वास्थ्य अधिकारी को पानी के नमूनों की जांच रिपोर्ट भेजी है। जिसमें नमूने उत्तम पाए गए। इससे स्वास्थ्य विभाग ने राहत की सांस ली है। लेकिन बीमारी के वजह तलाश पाने में नाकाम स्वास्थ्य विभाग के अफसरों की हीलाहवाली का खामियाजा स्थानीय लोगों को भुगतना पड़ रहा है। लोग लगातार बीमारी की चपेट में आ रहे हैं। इसके बावजूद स्वास्थ्य विभाग हाथ पर हाथ धरे बैठा है। ऐसा तब है कि स्वास्थ्य विभाग के पास एपिडेमियोलॉजिस्ट से लेकर अन्य विशेषज्ञ हैं। इसके बावजूद जानकीपुरम में हालात काबू में नहीं आ रहे हैं।

जानकीपुरम में डायरिया के दो नए मरीज भर्ती

- जानकीपुरम इलाके के अलग-अलग सेक्टर के दो मरीज अस्पताल में भर्ती हुए हैं। इसमें एक की हालत गंभीर होने पर उसे बलरामपुर अस्पताल रेफर किया गया है। वहीं, स्वास्थ्य विभाग ने सेक्टर-7 में कोई नया मरीज न मिलने का दावा किया है। जानकीपुरम सेक्टर 7 में डायरिया से एक मरीज की जान जा चुकी है। जबकि 150 से अधिक लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं। सेक्टर-7 में लगे शिविर में मंगलवार को नौ मरीज इलाज के लिए आए। इसमें डायरिया का कोई नया मरीज नहीं मिला। वहीं जानकीपुरम सेक्टर 6 की रहने वाली सीमा (48) को जानकीपुरम ट्रॉमा सेंटर में परिजनों ने भर्ती कराया था। हालत नाजुक होने पर डॉक्टरों ने महिला को बलरामपुर अस्पताल रेफर किया है। वही सेक्टर- 3 का रहने वाला आदिल (20) जानकीपुरम ट्रॉमा सेंटर में भर्ती हैं। टीम ने 74 घरों का सर्वे किया गया। जहां कोई भी नया रोगी नहीं मिला है। सीएमओ डॉ. एनबी सिंह का कहना है सेक्टर 7 में हालात पूरी तरह से काबू में हैं।

फैजुल्लागंज में बुखार के तीन मरीज मिले

- फैजुल्लागंज क्षेत्र के मामा कॉलोनी और शिव शक्तिनगर में स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने 176 घरों का सर्वे करते हुए 72 मरीजों को देखा। जिसमें सामान्य बुखार के तीन मरीज मिले। उन्हें दवा वितरित की गई। दावा है कि क्षेत्र में डायरिया का कोई रोगी नही पाया गया। क्षेत्र में 11 रोगियों की आरडीटी किट के माध्यम से डेंगू एवं मलेरिया की जांच की गयी। जिसमें कोई भी धनात्मक नही पाया गया। क्षेत्र में एमएमयू के माध्यम से मरीजों को उपचार प्रदान किया गया। जिला मलेरिया अधिकारी की टीम द्वारा क्षेत्र में एण्टी लार्वा रसायन का छिडकाव भी किया गया।

बंद घरों में चोरी करने वाले गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : गोमतीनगर विस्तार पुलिस ने बंद घरों में चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा किया। इस गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से हीरे व सोने के जेवर के अलावा स्कूटी, बाइक व मोबाइल समेत कई कीमती सामान बरामद किया है। अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है। इंस्पेक्टर गोमतीनगर विस्तार सुधीर कुमार अवस्थी के मुताबिक पुलिस टीम सोमवार देर रात को चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान खरगापुर अंडर पास हिमालयन तिराहे के करीब दो संदिग्ध युवक दिखे। टीम ने पकड़ लिया। पकड़े गये आरोपियों में बाराबंकी के आनंद मौर्या व तकरोही का बबलू कुमार शामिल है। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि खरगापुर में उन लोगों ने चोरी की वारदात की थी। इसके अलावा गोमतीनगर विवेकखंड में भी चोरी की थी। गिरोह के सदस्य रेकी करने के बाद वारदात को अंजाम देते थे।

सिटी डायरी

पेड़-पौधे स्वस्थ जीवन का आधार

पौधरोपण करते वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना।

अमृत विचार, लखनऊ : पेड़-पौधे न केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सहायक होते हैं बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए स्वस्थ जीवन का आधार भी हैं। यह बात मंगलवार को वृंदावन योजना के सेक्टर-8 स्थित राधा निकुंज पार्क में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कही। नगर निगम द्वारा आयोजित ''एक पेड़ मां के नाम'' व्यापक पौधरोपण कार्यक्रम में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। उन्होंने पार्क में लाल चंदन का पौधा रोपित किया और लोगों को प्रेरित किया। कहा, नगर निगम का यह अभियान समाज को हरियाली संरक्षण की दिशा में एक सार्थक संदेश दे रहा है। महापौर सुषमा खर्कवाल ने फाइकस बेंजामिना का पौधा लगाया। अपील की कि हर नागरिक वर्ष में कम से कम एक पौधा जरूर लगाए और उसकी देखभाल करे। नगर आयुक्त गौरव कुमार और अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविंद कुमार राव ने फाइकस बेंजामिना का पौधा लगाया। इस विशेष अभियान में 400 पौधे लगाए गए।

शुरू हुई समूह कला प्रदर्शनी द रूरल रिदम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

प्रदर्शनी में शामिल लोग। अमृत विचार

अमृत विचार : सिनैप्स इंटरनेशनल आर्ट गैलरी ने द सेंट्रम होटल के सहयोग से चिन्मयी बहेरा (दिल्ली), गौरव मौर्य (भोपाल), जीवन बिस्वास (पश्चिम बंगाल), महेश पाडिया (वडोदरा), मोनोज मंडल (कोलकाता), नवीन तुंगाना (आंध्र प्रदेश) और रामाशीष चौहान (लखनऊ) की समूह चित्रकला प्रदर्शनी मंगलवार को शुरू हुई। इस प्रदर्शनी का संयोजन गैलरी के संस्थापक निदेशक राकेश कुमार मौर्य ने किया। प्रदर्शनी का उद्घासटन दीप प्रज्ज्वलन और कैटलॉग के अनावरण के साथ हुआ।

फिल्म निर्माता सर्वेश गोयल मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथि के तौर पर आईआईटी रुड़की के अशोक कुमारकी मौजूदगी रही। इस मौके पर फिल्म अभिनेता और रंगकर्मी डॉ. अनिल रस्तोगी, आर्ट्स कालेज के पूर्व प्राचार्य जय कृष्ण अग्रवाल, स्तंभकार ज्योत्स्ना अरुण और रेडियो होस्ट नमित अग्रवाल भी मौजूद रहे। यह प्रदर्शनी 27 अगस्त से 9 सितम्बर तक पूर्वाह्न 11 बजे से शाम 7 बजे तक दर्शकों के लिए खुली रहेगी।

राकेश कुमार मौर्य ने द रूरल रिदम शीर्षक वाली इस प्रदर्शनी के बारे में बताया कि इसमें भारतीय गांवों और कस्बों के हृदय में एक जीवंत यात्रा देखने को मिलेगी। प्रत्येक कलाकार की अनूठी नज़र से बुने गए ग्रामीण जीवन के समृद्ध ताने-बाने का अनुभव महसूस होगा।

चिन्मयी की पेंटिंग में प्रकृति और हमारी संस्कृति का सौंदर्य प्रकट होता है। यह समय की सच्चाई और प्रगति के साथ-साथ मानव स्वभाव, प्रकृति, संस्कृति और भौगोलिक व जलवायु परिवर्तनों का भी वर्णन करती है। गौरव मौर्य एक ग्रामीण क्षेत्र में पले-बढ़े।

इमाम हुसैन के दामन से जो जुड़ा वो बेमिसाल हो गया : यासूब अब्बास

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : हसनपुरिया स्थित इमामबाड़ा अबुतालिब में चल रही अंजुमन गुंचा-ए-मजलूमिया की शब्बेदारी की मजलिस को मौलाना यासूब अब्बास ने खिताब किया। मौलाना ने कहा कि हजरत इमाम हुसैन के दामन से जो जुड़ गया वह बेमिसाल हो गया।

उन्होंने कहा कि कर्बला की हर कुर्बानी अहम है। हर शहादत दर्दनाक है। शब्बेदारी में अंजुमन मेराजुल इस्लाम, गुंचा-ए-मेहदिया, नासिरुल अजा, शहीद-ए-फुरात, गुलामाने हुसैन, शहीदाने कर्बला और मासूमिया हुसैनिया ने अंजुमन गुंचा-ए-मजलूमिया के शायर एजाज जैदी द्वारा दी गयी तरहा शब्बीर का गम सबके मुकद्दर में नहीं है पर अपने सलाम पेश किये। जिसे लोगों ने खूब पसंद किया।

छोटा इमामबाड़ा हुसैनाबाद में क्फ्हल रहे खम्से की दूसरी मजलिस को मौलाना फैज अब्बास मशहदी ने खिताब किया।

अंजुमन तस्वीररुल अजा की शब्बेदारी आज

- खैरातखाना टूरियागंज स्थित इरशाद नवाब के अजाखाने में 27 अगस्त को अंजुमन तस्वीरुल अजा की शब्बेदारी होगी। इसकी मजलिस को मौलाना हसन जहीर खिताब करेंगे। मजलिस बाद अंजुमनें नौहाख्वानी व सीनाजनी करेंगी। इमामबाड़ा मकसदे हुसैनी में मजलिस को मौलाना गुलरेज नकी खिताब करेंगे।

परिवहन मंत्री से मिलते ई-रिक्शा ऑटो एसोसिएशन के प्रतिनिधि।

ई-रिक्शा ऑटो एसोसिएशन ने परिवहन मंत्री को सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार, लखनऊ : ई-रिक्शा ऑटो एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह से भेंट कर इलेक्ट्रिक वाहनों पर रोड टैक्स माफी को लेकर ज्ञापन सौंपा। संगठन के महामंत्री मयंक श्रीवास्तव ने बताया कि वर्ष 2023 से इलेक्ट्रिक वाहनों पर सरकार ने टैक्स में पूरी तरह छूट दी है, लेकिन इसका लाभ जमीनी स्तर पर आम लोगों को नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि विभागीय स्तर पर अनावश्यक परेशानियां खड़ी की जा रही हैं, जिससे ई-वाहन चालकों को राहत नहीं मिल रही। इस पर परिवहन मंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि जल्द ही समस्या का समाधान किया जाएगा।

कैबिनेट सचिव से भेंट करते हुए प्रतिनिधि।

इप्सेफ के प्रतिनिधिमंडल ने की कैबिनेट सचिव से मुलाकात

अमृत विचार, लखनऊ : इप्सेफ का सात सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल भारत सरकार के कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथम से मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की। इप्सेफ की मांग पर चर्चा करते हुए कैबिनेट सचिव ने बताया कि भारत सरकार का इप्सेफ की मांगों पर सकारात्मक दृष्टिकोण है। कुछ महत्वपूर्ण मांगों पर बहुत जल्द ही सकारात्मक निर्णय कर दिया जाएगा। जिसमें आठवीं वेतन आयोग की संस्तुतियां 1 जनवरी 2026 से लागू कर दी जाएगी। आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्तियां जल्द ही हो जाएगी। सभी कर्मचारियों को ओपीएस पेंशन की सभी सुविधाएं प्रदान कर दी जाएगी।

स्ट्रेचर सौंपते हुए उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद व अन्य।

ट्रॉमा सेंटर को दान में मिले 30 स्ट्रेचर

अमृत विचार, लखनऊ : केजीएमयू के ट्रॉमा सेंटर में मरीजों की सुविधा के लिए मंगलवार को 30 स्ट्रेचर दान में मिले हैं। यह स्ट्रेचर चंदा रानी चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से दिए गए हैं। इस मौके पर मौजूद उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा डॉक्टर मरीजों से बरताव ठीक रखें। ईमानदारी से ड्यूटी करें। मरीजों को बेहतर इलाज मुहैया कराएं। मरीजों के इलाज में किसी भी तरह की कोताही नहीं बरतें।

खुलेगा पिटारा और विकास के लिए बाहर आएगी सांसद निधि

प्रशांत सक्सेना, लखनऊ

- ढाई साल से डंप सांसद निधि से होगा क्षेत्र का विकास
- 30 सितंबर तक भौतिक खाते बंद करके 'भारत कोष' में जमा होगी धनराशि
- 23 अप्रैल 2023 को ई-साक्षी पोर्टल लागू होने पर खातों में रह गई थी निधि

अमृत विचार : ई-साक्षी पोर्टल लागू होने के बाद करीब ढाई साल से संसद सदस्य क्षेत्र विकास निधि के भौतिक खातों में डंप पड़ी धनराशि से संसदीय क्षेत्र का विकास कराया जाएगा। केंद्र ने 30 सितंबर तक लोकसभा व राज्यसभा के पूर्व सांसदों के भौतिक खाते बंद कर शेष धनराशि ''भारत कोष'' में जमा करने के निर्देश दिए हैं।

दरअसल, केंद्र ने 23 अप्रैल 2023 को संसद सदस्य क्षेत्र विकास निधि के कार्यों की स्वीकृति और भुगतान के लिए ई-साक्षी पोर्टल लागू किया था। इससे सांसद निधि से कराये जाने वाले कार्य और भुगतान करना आसान हो गया। पारदर्शिता आने के साथ कागजी प्रक्रिया खत्म हो गई और समय की बचत होने लगी। जबकि इससे पहले विकास कार्यों की स्वीकृति के लिए पत्राचार होता था। केंद्र द्वारा कार्यों के लिए धनराशि भौतिक खातों में भेजी जाती थी, जिसका चेक से कार्यदायी संस्था को भुगतान करते थे। यह प्रक्रिया ई-साक्षी लागू होने पर बंद हो गई। इस वजह से भौतिक खातों में धनराशि पड़ी रह गई। अब विभाग यह खाते बंद करके अवशेष धनराशि भारत कोष में जमा करेगा और विकास कार्य होने पर ई-साक्षी पोर्टल से सीधे वेंडर के खातों में भेजी जाएगी। योजना मानीटरिंग प्रभाग, नियोजन विभाग (योजना भवन) ने सभी जिलाधिकारी को केंद्र के निर्देशों का पालन करने के लिए पत्र भेजा है।

संसद सदस्य क्षेत्र विकास निधि से होने वाले कार्य

- सार्वजनिक व सामुदायिक भवन निर्माण, सार्वजनिक सुविधाएं सुगम व संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सिंचाई, पशुपालन, कृषि, ऊर्जा, रेलवे, सड़क, पर्यावरण व खेलकूद।

अस्पताल के संचालन पर लगाई गई रोक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : माल रोड स्थित इटौंजा हॉस्पिटल एवं जच्चा-बच्चा केंद्र के संचालन पर रोक लगा दी गई है। स्वास्थ्य विभाग ने यह कार्रवाई अस्पताल के डॉक्टरों पर प्रसूता के ऑपरेशन में लापरवाही के लगे आरोप पर की है। अस्पताल संचालक को नोटिस देकर जवाब तलब किया गया है। जांच चलने तक अस्पताल का संचालन नहीं हो सकेगा।

बीकेटी के नरोसा के नोहरी पुरवा निवासी रिंकू के मुताबिक पत्नी को प्रसव पीड़ा होने पर वह आशा के कहने पर माल रोड स्थित इटौंजा हॉस्पिटल एवं जच्चा-बच्चा केंद्र लेकर पहुंचे। यहां ऑपरेशन से प्रसव कराया गया। जहां बच्चा स्वस्थ रहा, लेकिन पत्नी की हालत बिगड़ने लगी। पति रिंकू का आरोप है कि बिना उसकी जानकारी के अस्पताल प्रबंधन ने पत्नी को दूसरे निजी अस्पताल पहुंचा दिया।

विरोध | **कपड़ा पर हो पांच फीसद जीएसटी**

वित्त मंत्री से मिले कपड़ा कारोबारी, सौंपा मांगपत्र

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना से मिलकर ज्ञापन देते व्यापारी।

अमृत विचार: जीएसटी की व्यवस्था लागू होने से पहले कपड़ों पर टैक्स नहीं था। इससे घर-घर कपड़ों की पहुंच और कारोबार आसान हो रहा था। व्यापारियों का कहना है कि बढ़ी टैक्स की दरों को अब नियंत्रित करने का वक्त आ गया है। इसे लेकर मंगलवार को कपड़ा व्यापार संगठन प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना से मिला और अपनी मांगे रखीं जिससे इस बार कपड़ा उद्योग को जीएसटी काउंसिल से बड़ी राहत मिल सके। व्यापारियों की मांग है कि सभी प्रकार के कपड़ों पर जीएसटी की दरें पांच फीसद ही रखी जाएं।

कपड़ा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष अशोक मोतियानी, महामंत्री अनिल बजाज, प्रभु जालान के नेतृत्व में सुरेश छाबलानी, श्याम कृष्नानी, पुनीत लालचंदानी ने वित्त मंत्री को मांगपत्र सौंपा।

मांगपत्र में बताया गया है कि पॉलिस्टर धागे (यार्न) पर 12 फीसद जीएसटी लागू है जबकि कॉटन धागे यार्न पर 5 प्रतिशत जीएसटी है। इसी तरह रेडीमेड कपड़ों पर 12 प्रतिशत कपड़े पर 5 फीसद व्यवस्था दी गई है। व्यापारियों ने बताया कि छोटे व्यापारियों को भी जीएसटी में सुविधा मिलनी चाहिए। उनका दायरा 40 लाख से बढ़ाकर 60 लाख किया जाना चाहिए जिससे छोटे व्यापारियों को फायदा मिलेगा और जीएसटी में रजिस्ट्रेशन की संख्या बढ़ेगी। प्रभु जालान ने कहा कि ऑनलाइन ने कपड़े के कारोबार को बहुत ज्यादा नुकसान पहुंचाया है जिससे पिछले दो तीन सालों से कारोबार बैठ गया है। जीएसटी की दरें अलग-अलग होने से व्यापार प्रभावित हुआ है। यही नहीं बाजारों में सर्वे छापों पर रोक लगाई जानी चाहिए।

बाजारों में घूमकर व्यापारियों को डराना बंद करें जीएसटी अफसर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लखनऊ व्यापार मंडल ने दी चेतावनी, कहा मनमानी न करें जीएसटी अधिकारी

अमृत विचार: लखनऊ व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने कहा कि जीएसटी के अफसर बाजारों में घूम-घूमकर दुकानों का निरीक्षण कर उन्हें डराना बंद करें। अधिकारियों को दुकानों में प्रवेश कर जीएसटीएन नम्बर चेक करने का अधिकार जीएसटी अफसरों को नहीं है। अगर कोई सूचना है तो उन्हें पहले दुकान पर जाकर वारंट दिखाना होता है। फिर जांच की जाती है।

संगठन प्रमुख अमरनाथ मिश्र ने कहा कि व्यापार मंडल इस तरह की कार्यशैली की मुखालफत का निर्णय लिया है। किसी भी प्रदेश में ऐसी व्यवस्था नहीं है। आठ लाख व्यापारी तो वैट से जीएसटी में आया था उसका भौतिक सत्यापन होने के पश्चात ही पंजीकरण हुआ था। जीएसटी में भी सभी का भौतिक सत्यापन हुआ है फिर ये लाल फीता शाही का और तुगलकी फरमान क्यों? अमेरिका और चीन के समान का बहिष्कार करने वाले व्यापारी के साथ यूपी जीएसटी अधिकारियों का मनमानी कार्रवाई क्यों? ऑनलाइन कारोबार पर विभाग कोई कार्यवाही नहीं कर रहा है लेकिन व्यापारी पर बेवजह की सख्ती जारी है।

सिटी ब्रीफ

विज्ञान में रुचि बढ़ाने को होगी प्रतियोगिता

अमृत विचार, लखनऊ : कक्षा 6 से 11 तक के विद्यार्थियों में विज्ञान में रुचि और ज्ञान बढ़ाने के लिए अखिल भारतीय प्रतियोगिता का आयोजन होगा। इस संबंध में माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेन्द्र देव ने प्रदेश के सभी जिलों के जिला विद्यालय निरीक्षकों (डीआईओएस) को निर्देश दे दिए है। निदेशक ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए विद्यार्थियों को स्कूलों में विशेष तैयारी कराई जाएगी। साथ ही एक्स्ट्रा क्लासेस भी लगाई जाएंगी। विद्यार्थी विज्ञान मंथन नामक इस प्रतियोगिता के लिए विद्यार्थियों का 30 सितंबर तक रजिस्ट्रेशन कराया जाएगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के निर्देश पर राज्य सरकार ने अधिक से अधिक विद्यार्थियों के प्रतिभाग के लिए कवायद शुरू की है।

परास्नातक प्रवेश दूसरी लिस्ट आज

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने परास्नातक सत्र 2025-26 के अंतर्गत संचालित पाठ्यक्रम एलएलएम की ऑनलाइन काउंसलिंग के तहत द्वितीय आवंटन का परिणाम जारी करने की घोषणा की है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार अभ्यर्थियों के मेरिट के आधार पर सीटों का आवंटन किया जा चुका है। यह परिणाम 27 अगस्त को दोपहर 12 बजे के बाद से अभ्यर्थियों के लॉगिन पोर्टल पर उपलब्ध रहेगा। आवंटन देखने के लिए अभ्यर्थी को अपने अप्लीकेशन फार्म नंबर का उपयोग करना होगा।

पीएचडी कोर्स वर्क का परिणाम घोषित

अमृत विचार, लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2024–25 के लिए पीएचडी कोर्स वर्क परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए हैं। उप परीक्षा नियंत्रक डॉ. अताउर रहमान ने बताया कि उर्दू, अरबी, गृह विज्ञान, पत्रकारिता एवं जनसंचार, बी.टेक कम्प्यूटर साइंस पाठ्यक्रमों के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए हैं। छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय के पोर्टल पर अपने लॉगिन आईडी के माध्यम से परीक्षा परिणाम देख सकते हैं। यदि किसी भी प्रकार की त्रुटि या समस्या पाई जाती है, तो संबंधित विद्यार्थी परीक्षा नियंत्रक कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नामांकन में लखनऊ मंडल आगे

अमृत विचार, लखनऊ : इंस्पायर अवार्ड मॉनक योजना में गुणवत्तापरक नामांकन को लेकर महानिदेशक स्कूल शिक्षा ने मंगलवार को ऑनलाइन समीक्षा बैठक की। यह जानकारी देते हुए विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि नामांकन की दृष्टि से लखनऊ मण्डल इस समय प्रदेश के अग्रणी मण्डलों में स्थान बनाये हुए हैं और मण्डल स्तर पर गत वर्षों की भांति लखनऊ मण्डल से सर्वाधिक नामांकन करने के लिए प्रयास जारी हैं, नामांकन की अन्तिम तिथि अभी 15 सितम्बर 2025 निश्चित की गई है।

खेल दिवस पर होगी हॉकी प्रतियोगिता

अमृत विचार, लखनऊ : राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में 28 और 29 को अंडर-14 बालक हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। यह प्रतियोगिता गोमती नगर स्थित पद्मश्री मोहम्मद शाहिद हॉकी स्टेडियम में खेली जाएगी। इस प्रतियोगिता का आयोजन हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को समर्पित करते हुए किया जा रहा है। क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी अतुल सिन्हा ने मंगलवार को बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने की इच्छुक टीमें 27 अगस्त की शाम तक अपनी प्रविष्टि भेज सकती हैं। प्रतियोगिता के अंत में विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

आईआरसीटीसी की एंबुलेंस सेवा शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : ईआरसीटीसी ने सोशल कारपोरेट रेस्पॉसिबिलिटी के तहत हेल्प यू एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट की नई एंबुलेंस सेवा का लोकार्पण सोमवार को किया। मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक अजीत कुमार सिन्हा ने बताया कि समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्ग को सुलभ, सस्ती और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए आईआरसीटीसी ने वित्तीय सहयोग देकर एंबुलेंस सेवा उपलब्ध कराई। जिसका शुभारंभ वित्तमंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने किया। स अवसर पर हेल्प यू ट्रस्ट के डॉ हर्षवर्धन अग्रवाल मौजदू रहे।

मेट्रो ने उबर के साथ किया एमओयू

अमृत विचार, लखनऊ : यूपी मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने उबर के साथ हजरतगंज मेट्रो स्टेशन पर मंगलवार को एमओयू किया। इसके तहत मेट्रो के 21 स्टेशनों पर उबर बुक करने पर 50% तक की छूट दी जाएगी, जोकि अधिकतम बीस रुपये तक होगी। एमओयू के मौके पर प्रबंध निदेशक सुशील कुमार व उबर की ऑपरेशंस मैनेजर मधुलिका सिंह गौर मौजूद रहीं। उन्होंने चार्जिंग सॉकेट के कियोस्क का भी उद्घाटन किया। उबर इन स्टेशनों पर मोबाइल चार्जिंग सॉकेट भी लगाएगा।

लखनऊ फॉल्कंस की दमदार वापसी नोएडा किंग्स को 7 विकेट से हराया

समर्थ सिंह की कप्तानी पारी और सिबली की घातक गेंदबाजी ने दिलाई जीत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: यूपी टी-20 लीग में लगातार दो हार झेल चुकी लखनऊ फॉल्कंस ने मंगलवार को अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में शानदार वापसी करते हुए नोएडा किंग्स को सात विकेट से हराया। इस जीत के हीरो रहे कप्तान समर्थ सिंह, जिन्होंने 55 रनों की तूफानी पारी खेली, और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिबली, जिन्होंने तीन विकेट झटके।

नोएडा की लड़खड़ाती शुरुआत, प्रशांत-कर्ण की साझेदारी ने संभाला

टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लखनऊ के कप्तान ने सही साबित किया। मोहम्मद सिबली और अभिनंदन सिंह की धारदार गेंदबाजी के आगे नोएडा का टॉप ऑर्डर ताश के पत्तों की तरह बिखर गया, और टीम ने 50 रन तक ही अपने छह विकेट गंवा दिए। हालांकि, कप्तान प्रशांत वीर (37 रन) और कर्ण शर्मा (43 रन) ने पारी को संभालते हुए 44 गेंदों में 84 रनों की साझेदारी कर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। निर्धारित 20 ओवर में नोएडा किंग्स की टीम 9 विकेट पर 139 रन ही बना सकी। लखनऊ के लिए सिबली ने 3 और अभिनंदन ने 2 विकेट चटकाए।

समर्थ का कप्तानी शो, समीर-सैफ ने पूरा किया काम : 140 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ फॉल्कंस की शुरुआत भी खराब रही, जब ओपनर आराध्य यादव सिर्फ 19 के स्कोर पर आउट हो गए। इसके बाद कप्तान समर्थ सिंह ने मोर्चा संभाला। उन्होंने 31 गेंदों में अर्धशतक जमाते हुए 55 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें 6 चौके और 2 छक्के शामिल थे। समर्थ ने प्रियम गर्ग (29 रन) के साथ मिलकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। जीत की औपचारिकता समीर चौधरी (26 नाबाद) और मोहम्मद सैफ (21 नाबाद) ने पूरी की। लखनऊ फॉल्कंस ने लक्ष्य को 18वें ओवर में ही हासिल कर लिया।

आत्मविश्वास से भरी जीत : यह जीत लखनऊ फॉल्कंस के लिए न सिर्फ अंक तालिका में सुधार लाने वाली रही, बल्कि टीम के मनोबल को भी बढ़ाने वाली है। कप्तान समर्थ सिंह को उनकी जबरदस्त बल्लेबाजी के लिए ''प्लेयर ऑफ द मैच'' चुना गया। अब फॉल्कंस की नजरें आगामी मैचों में जीत की लय को बरकरार रखने पर होंगी।

गेंदबाजी करते भुवनेश्वर कुमार। अमृत विचार

कैच लेते लखनऊ फॉल्कंस के खिलाड़ी।

कानपुर ने काशी को रौंदा, मिली 128 रन की महाजीत

जीत की खुशी मनाते विजेता टीमे के खिलाड़ी। अमृत विचार

■ **अमृत विचार, लखनऊ :** लखनऊ के इकाना स्टेडियम में, कानपुर सुपर स्टार्स ने काशी रुद्रास के विजयी रथ को रोकते हुए शानदार जीत दर्ज की। आदर्श सिंह के धमाकेदार शतक और शुभम मिश्रा की घातक गेंदबाजी ने टीम को 128 रनों के बड़े अंतर से जीत दिलाई, जिससे यूपी टी-20 लीग में उनकी दूसरी जीत पक्की हो गई। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी कानपुर की टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही, लेकिन आदर्श सिंह ने मैदान पर उतरते ही मोर्चा संभाल लिया। उन्होंने काशी के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की और 54 गेंदों पर 5 चौके और 12 छक्कों की मदद से नाबाद 113 रन बनाए। उनकी इस अविश्वसनीय पारी की बदौलत कानपुर सुपर स्टार्स ने 3 विकेट खोकर 198 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। 199 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी काशी रुद्रास की टीम शुरुआत से ही लड़खड़ा गई। कानपुर के गेंदबाजों ने उन पर कहर बरपाया, जिसमें शुभम मिश्रा का प्रदर्शन सबसे शानदार रहा। उन्होंने सिर्फ 3 ओवर में 6 रन देकर 5 अहम विकेट लिए, जिससे काशी की टीम 15 ओवर में 70 रनों पर ही सिमट गई। शुभम के अलावा अंकुर शर्मा ने भी 2 विकेट चटकाए, जबकि विनीत, आकिब खान और दमन दीप सिंह को भी एक-एक विकेट मिला। काशी का कोई भी बल्लेबाज टिक नहीं पाया और टीम के चार बल्लेबाज तो दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाए।

मूट कोर्ट से विधि छात्र समझेंगे कानूनी पेंचीदगी

अमृत विचार, लखनऊ : ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर मेमोरियल मूट कोर्ट का उद्घाटन आज हिमाचल के राज्यपाल शिवप्रताप शुक्ल करेंगे। मूट कोर्ट के माध्यम से छात्र कानूनी मामलों पर प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। जिसमें लेखन, अनुसंधान और तथ्यों को समझने का प्रायोगिक अनुभव होगा। यह आयोजन विश्वविद्यालय के विधि संकाय द्वारा किया जा रहा है, जो विद्यार्थियों के व्यावहारिक कानूनी प्रशिक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अमर पाल सिंह और डॉ. उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता अमरेन्द्र नाथ त्रिपाठी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की रूपरेखा प्रो. मसूद आलम, अधिष्ठाता, एवं डॉ. पीयूष कुमार त्रिवेदी, विभागाध्यक्ष, विधि संकाय द्वारा तैयार की गई है।

500 साल तक नष्ट नहीं होती प्लास्टिक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

● नेशनल पीजी कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में बोले वैज्ञानिक

अमृत विचार: एनबीआरआई सीएसआईआर ने नेशनल पीजी कॉलेज में प्लास्टिक प्रदूषण पर छात्रों को जागरूक करते हुए इसका उपयोग कम करने का आग्रह किया। वैज्ञानिकों ने बताया कि प्लास्टिक करीब 500 वर्षों तक नष्ट नहीं होता है और पर्यावरण के लिए खतरा बना रहता है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. देवेंद्र कुमार सिंह व जंतु विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. ज्ञानेंद्र कुमार के मार्गदर्शन में जंतु विज्ञान विभाग तथा एनबीआरआई सीएसआईआर के संयुक्त तत्वाधान में प्लास्टिक प्रदूषण का पौधों और जानवरों पर प्रभाव विषयक एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

प्राचार्य प्रो. देवेंद्र कुमार सिंह ने कहा की प्लास्टिक प्रदूषण मानव स्वास्थ्य, वन्यजीवों और पारिस्थितिक तंत्र के लिए एक गंभीर खतरा है। प्लास्टिक प्रदूषण के गंभीर प्रभावों के बारे में अपने परिवार और दोस्तों को शिक्षित करें। मुख्य वक्ता डॉ. अंजू पटेल सीनियर साइंटिस्ट एनवायरमेंटल टेक्नोलॉजी डिविजन ने अपने वक्तव्य में मिशन लाइफ थीम्स को उजागर करते हुए प्लास्टिक प्रदूषण के दुष्परिणाम तथा रोकथाम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। डॉ. संध्या मिश्रा प्रोग्राम ऑफिसर ने परिचय देते हुए बताया कि मिनिस्ट्री ऑफ एनवायरमेंट, फॉरेस्ट एंड क्लाइमेट चेंज, गवर्नमेंट आफ इंडिया किस तरह से मिशन लाइफ जागरूकता कार्यक्रम छात्रों के बीच में कर रही है। डॉ. अर्चना सिंह ने मिशन लाइफ शपथ दिलाई तथा मनीष चौधरी ने समस्त छात्र-छात्राओं को न्यूज लेटर, ब्रोशर इत्यादि वितरित किए।

भारतीय प्रागैतिहासिक संस्कृति में दिखती है मानव जीवन की यात्रा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : छतर मंजिल स्थित पुरातत्व निदेशालय में चल रहे पुरातत्व अभिरुचि पाठ्यक्रम के 7वें दिन दो सत्रों में व्याख्यान आयोजित किए गए।

इस अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार ने भारतीय प्रागैतिहासिक संस्कृति एवं भारतीय आद्यैतिहासिक संस्कृतियां विषयों पर पीपीटी के माध्यम से व्याख्यान प्रस्तुत किए।

प्रथम सत्र में उन्होंने बताया कि भारतीय प्रागैतिहासिक संस्कृतियां मानव जीवन की प्रारम्भिक अवस्थाओं का प्रतिबिंब हैं। इस काल में पुरापाषाण, मध्यपाषाण एवं नवपाषाण संस्कृतियों का विकास हुआ, जिनमें शिकार-संग्रह से कृषि एवं पशुपालन तक की यात्रा, गुफा-निवास, सूक्ष्म उपकरणों का निर्माण, मिट्टी के बर्तन तथा मेगालिथिक स्मारकों का प्रचलन विशेष उल्लेखनीय है।

व्याख्यान देते वक्ता।

द्वितीय सत्र में उन्होंने आद्यैतिहासिक काल पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस काल में ताम्रपाषाण संस्कृतियों का उदय हुआ। जिनमें मालवा, जोर्वे एवं आहड़ संस्कृति प्रमुख हैं। इस युग की विशेषताएं ताम्र व पत्थर दोनों का प्रयोग, ग्राम-आधारित जीवन, धातु-उपयोग तथा कुम्हारी कला का विकास रहीं।

डॉ. कुमार ने बताया कि भारतीय प्रागैतिहासिक एवं आद्यैतिहासिक संस्कृतियां मानव जीवन की यात्रा, शिकार-संग्रह से लेकर कृषि, पशुपालन एवं ग्राम-आधारित समाज तक को दर्शाती हैं। इन संस्कृतियों की तकनीकी व सांस्कृतिक प्रगति ने आगे चलकर हड़प्पा जैसी उन्नत नगरीय सभ्यता का मार्ग प्रशस्त किया।

इस अवसर पर सहायक पुरातत्व अधिकारी डॉ. मनोज यादव ने अतिथि वक्ता को पौधा एवं स्मृति-चिन्ह प्रदान कर स्वागत एवं सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन प्रकाशन सहायक बलिहारी सेठ ने किया।

खेल दिवस : भाषा विवि में रही खेलों की धूम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस पर खेलकूद की धूम रही। विश्वविद्यालय में विविध खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। महिला वर्ग में बैडमिंटन, पुरुष वर्ग में कैरम और पुरुष एवं महिला दोनों वर्गों में शॉट पुट प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रतियोगिताओं में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अनुशासन व खेल भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

कैरम प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खेल कौशल का परिचय दिया। जिशान खान और मोहम्मद याहिया खान ने फाइनल मुकाबले में स्थान सुनिश्चित किया है। कैरम का फाइनल मुकाबला 29 अगस्त को आयोजित किया जाएगा। आयोजन

भाषा विश्वविद्यालय में गोला फेंक प्रतियोगिता में हिस्सा लेते छात्र। अमृत विचार

● कैरम का फाइनल मुकाबला 29 अगस्त को होगा

का सफल संचालन विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा किया गया, जिसमें विभागाध्यक्ष डॉ. मोहम्मद शारिक एवं हसन मेहंदी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। एनएसएस समन्वयक डॉ. नलिनी मिश्रा ने प्रतियोगियों को प्रेरित करते हुए उनके प्रयासों की सराहना की।

परास्नातक प्रवेश के लिए तीसरे आवंटन का परिणाम आज

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने परास्नातक सत्र 2025-26 के अंतर्गत संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों की ऑनलाइन काउंसलिंग के तहत तृतीय आवंटन, अपग्रेडेशन का परिणाम जारी करने की घोषणा की है। विश्वविद्यालय के अनुसार मेरिट के आधार पर सीट आवंटन किया गया है। जिसमें मास्टर आफ सोशल वर्क, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, एमएससी बायोकेमेस्ट्री, एमकॉम अप्लाइड इकोनोमिक्स, एमए समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, भूगोल पाठयक्रमों का सीट आवंटन किया गया है। यह परिणाम आज दोपहर 12 बजे के बाद से अभ्यर्थियों के लॉगिन पोर्टल पर उपलब्ध रहेगा। अभ्यर्थियों को निर्देशित किया गया है कि वे 29 तक अपनी सीट की पुष्टि हेतु ऑनलाइन शुल्क अवश्य जमा कर दें।

रसोई घरों को अत्याधुनिक बनाने का खाका तैयार

अमृत विचार, लखनऊ: परिषदीय विद्यालयों के रसोई घरों को अत्याधुनिक बनाने का खाका तैयार किया है। मध्याह्न भोजन प्राधिकरण की आंतरिक जांच में पाया गया कि विद्यालयों के परंपरागत किचन शेड काफी जर्जर हो चुके हैं। इसके अलावा रसोईघरों की हालत भी कुछ खास ठीक नहीं है। शासन की मंशा बच्चों को पोषक तत्वों से भरपूर भोज्य पदार्थ उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनके भोजन करने के स्थलों को भी सुनियोजित करना है। इस संबंध में जिला समन्वयकों द्वारा प्रोजेक्ट कायाकल्प के तहत विद्यालयों का सर्वे कराया गया है। जिसमें प्रदेश के सैकड़ों विद्यालयों के रसोई घर जर्जर पाए गए। अब इन्हें अत्याधुनिक रूप से बनाया जाएगा। पाक कला प्रतियोगिता भोजन की गुणवत्ता बढ़ाने व रसोइयों में प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा करने के लिए पिछले दिनों पाक कला प्रतियोगिता आयोजित कराई गई थी। रसोई घरों को साफ-सुथरा रखने, भोजन बनाने व बच्चों को खाना परोसने आदि को लेकर बरती जाने वाली सावधानियों के संबंध में रसोइयों को प्रशिक्षित किया जाएगा, जल्द ही संबंध में दिशा निर्देश जारी कर दिए जाएंगे। महानिदेशक स्कूल शिक्षा ने बताया कि इन हाईटेक रसोई घरों में मानक के अनुसार सभी सुविधाएं होंगी।

कार्यक्रम | सीखने की प्रवृत्ति विकसित करने का शिक्षकों ने दिया मंत्र

कृषि विज्ञान विभाग में हुआ दीक्षारंभ

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

दीक्षारंभ कार्यक्रम में मौजूद लोग।। ● अमृत विचार

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय में नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं का दीक्षारंभ कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें छात्रों को विश्वविद्यालय के नियमों से अवगत कराने के साथ उनके विषयों के भविष्य में उपयोग की जानकारी दी गई। रसायन विज्ञान विभाग में एमएससी प्रथम वर्ष के नव प्रवेशी छात्रों के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन विभाग के ऑडिटोरियम में किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. वीके शर्मा ने विद्यार्थियों का स्वागत किया और उन्हें विभाग एवं विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण सुविधाओं से अवगत कराया। प्रो. अनिल मिश्रा ने विद्यार्थियों को सीखने की प्रवृत्ति विकसित करने और विभाग के लैब एवं लाइब्रेरी से विद्यार्थी को परिचित कराया एवं उन्हें इन संसाधनों का प्रयोग अपने शैक्षणिक हित में करने के लिए प्रेरित किया। प्रो. आशा बिश्नोई, प्रो. अभिनव कुमार, डॉ. एनके सिंह आदि शिक्षकों ने छात्रों को संबोधित किया।

विश्वविद्यालय के कृषि संकाय में दीक्षारंभ 2025 के साथ नया शैक्षणिक सत्र प्रारंभ हुआ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनुका खन्ना और कृषि संकाय की अधिष्ठाता प्रो. गौरी सक्सेना के नेतृत्व में कृषि संकाय ने दीक्षारंभ 2025 का आयोजन किया गया। परिचयात्मक कार्यक्रम नवप्रवेशी छात्रों के लिए वनस्पति विज्ञान विभाग के बीरबल साहनी सभागार में संपन्न हुआ। छात्रों को कृषि एवं संबद्ध विज्ञानों के शैक्षणिक वातावरण और अवसरों से परिचित कराने के लिए व्याख्यान, संवादात्मक सत्र, सांस्कृतिक गतिविधियाँ और शैक्षणिक भ्रमण शामिल किए गए। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. गौरी सक्सेना ने किया। कार्यक्रम में प्रो. वाईके शर्मा (सीबी गुप्ता कृषि महाविद्यालय) के आमंत्रित व्याख्यान, डॉ. प्रवीन गुप्ता और डॉ. अवंतिका पांडे द्वारा समन्वित शैक्षणिक भ्रमण तथा डॉ. अंजु बाजपेयी (प्रधान वैज्ञानिक एवं विभागाध्यक्ष, फसल सुधार, सीआईएसएच) के संवादात्मक सत्र ने छात्रों को शोध एवं नवाचार की दिशा में प्रेरित किया।

सिटी डायरी

ऑक्सफोर्ड ताइक्वांडो अकादमी ने जीते 9 पदक

विजेता खिलाड़ी पदक और ट्रॉफी के साथ।

अमृत विचार, लखनऊ : दिल्ली में आयोजित तृतीय विजय कप ताइक्वांडो प्रतियोगिता में लखनऊ की ऑक्सफोर्ड ताइक्वांडो अकादमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 स्वर्ण और 2 रजत पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता 23 और 24 अगस्त को आयोजित की गई थी। क्योरगी स्पर्धा में यशस्वी गुप्ता ने कैडेट बालिका 35 किग्रा वर्ग में, जबकि मृत्युंजय त्यागी ने कैडेट बालक 34 किग्रा में स्वर्ण पदक जीता। विनायक राजवंश ने सब जूनियर अंडर-18 किग्रा वर्ग और व्यक्तिगत पूमसे—दोनों में स्वर्ण पदक जीतकर दोहरी सफलता हासिल की। दिव्य राजवंश (अंडर-20 किग्रा) और अनुभव तिवारी (अंडर-28 किग्रा) ने भी स्वर्ण पदक अपने नाम किए। पूमसे स्पर्धा में आशुतोष मिश्रा ने व्यक्तिगत वर्ग में स्वर्ण जीता।

चैंपियन टीम के साथ विद्यार्थी परिषद पदाधिकारी।

अवध कबड्डी लीग की चैंपियन बनी भारत स्पोर्ट्स अकादमी बनी

अमृत विचार , लखनऊ : क्रीड़ा भारती व खेलो भारत द्वारा आयोजित अवध कबड्डी लीग 2025 का आरंभ केडी सिंह बाबू स्टेडियम में हुआ। इस आयोजन में कुल 11 टीमें प्रतिभाग कर रही हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि गिरीश चंद्र यादव (खेल एवं युवा कल्याण मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार), विशिष्ट अतिथि इं अवनीश कुमार सिंह व अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अवध प्रांत के प्रांत संगठन मंत्री अंशुल विद्यार्थी ने किया। पहले सेमीफाइनल मैच का शुभारंभ अरुण सिंह, सहायक कमांडेंट आईटीबीपी ने किया। दूसरे सेमीफाइनल मैच का शुभारंभ शोभा ठाकुर, निदेशक साई दीप फाउंडेशन ने किया। फाइनल में भारत स्पोर्ट्स अकादमी ने एचसीएल फाउंडेशन को हराकर लीग की विजेता बनी।

बॉस्केटबॉल कोर्ट में भरा पानी।

बारिश बनी बाधा, लगातार दूसरे दिन भी नहीं हो सके बास्केटबॉल मुकाबले

अमृत विचार, लखनऊ : बारिश के कारण जनपदीय विद्यालयीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन मंगलवार को भी नहीं हो सका। आलमबाग स्थित जनता इंटर कॉलेज के बास्केटबॉल कोर्ट पर पानी भर जाने से अंडर-14, 17 और 19 वर्ग के बालक-बालिकाओं के मुकाबले स्थगित कर दिए गए। प्रतियोगिता 25 को होनी थी, लेकिन बारिश के चलते उसे 26 तक टाल दिया गया था। प्रशिक्षक अंजुल ओबराय ने बताया कि जब तक कोर्ट पूरी तरह सूख नहीं जाता, तब तक मुकाबले कराना संभव नहीं है।

प्राचार्या प्रो. मंजुला उपाध्याय के साथ प्रतिभागी छात्राएं।

विकसित भारत पर हुई पोस्टर प्रतियोगिता

अमृत विचार , लखनऊ : नवयुग कन्या महाविद्यालय में 19 उत्तरप्रदेश गर्ल्स बटालियन एनसीसी विंग द्वारा विकसित भारत विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्राचार्य प्रो. मंजुला उपाध्याय की अध्यक्षता और एनसीसी अधिकारी मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढ़ी के नेतृत्व में पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता की निर्णायक प्रो. संगीता कोतवाल व प्रो. सुषमा त्रिवेदी द्वारा परिणाम घोषित किया।

न्यूज ब्रीफ

हरदोई में 80 साल की वृद्धा से किया दुष्कर्म

संडीला, हरदोई, अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र में खेत में घास काट रही 80 वर्षीया बुजुर्ग महिला के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आई है। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने आरोपी को पकड़ कर पुलिस को सौंपा है, घटना से बदहवास वृद्धा को कोथावा सीएचसी में भर्ती कराया गया है। सीओ सण्डीला संतोष कुमार सिंह ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। वृद्धा को सीएचसी में भर्ती कराया गया है, मामले में आरोपी नीरज निवासी ग्राम विरसापुर थाना अटरिया जनपद सीतापुर को हिरासत में लिया गया है। तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया। अन्य आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

बाराबंकी में सड़क हादसे में 17 श्रद्धालु घायल

रामनगर, बाराबंकी : अमृत विचार : मंगलवार सुबह गोंडा-बहराइच हाईवे पर श्रद्धालुओं से भरे हाफडाला को रायबरेली डिपो की बस ने टक्कर मार दी। हादसे में हाफडाला अनियंत्रित होकर हाईवे किनारे गहरे गड्ढे में पलट गया और इस पर सवार 17 श्रद्धालु घायल हो गए। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाये गए घायलों में 5 को गंभीर दशा में जिला अस्पताल रेफर किया गया। मंगलवार को हरितालिका तीज पर जनपद गोंडा स्थित बाबा दुखहरन नाथ मंदिर से पूजन दर्शन कर करीब 35 श्रद्धालु हाफ डाला से अपने घर लौट रहे थे। थाना रामनगर क्षेत्र के ग्राम नचना स्थित चंचल ढाबा के पास पीछे से आ रही रोडवेज बस ने टक्कर मार दी।

कार चालक ने दम्पति पर पिस्टल तानी

फतेहपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : इसरौली चौराहे के पास हंगामा हो गया। देवा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम माती निवासी अनिल कुमार पत्नी के साथ कार से फतेहपुर जा रहे थे। रास्ते में पीछे से आ रही एक कार ने बार-बार तेज हॉर्न बजाकर रोकने का इशारा किया। पीड़ित के अनुसार, जब उन्होंने गाड़ी साइड लगाई तो कार चालक ने पिस्टल निकालकर अनिल के सीने पर रख दी। पीड़ित ने कोतवाली फतेहपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

यूपी में पूजा पाल मामले को लेकर सियासती खींचतान जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- भाजपा या बसपा आखिर किस पाले में जाएंगी पूजा पाल
- फिलहाल सपा और भाजपा दोनों दलों के लिए मुहरा बनीं हैं पूजा

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश में विधायक पूजा पाल मामले को लेकर सियासती खींचतान जारी है। इसी खींचतान के बीच सपा से निष्कासित पूजा पाल को लेकर भाजपा या बसपा के पाले में जाने की कयासबाजी तेज है। फिलहाल सपा और भाजपा दोनों दलों के लिए पूजा राजनीतिक मोहरा बनीं हैं। भाजपा इसे मुद्दा बनाकर जहां सपा के पीडीए की हवा निकालने में जुटी है तो वहीं सपा का तर्क है कि भाजपा ने पूजा पाल को हमारे खिलाफ दुष्प्रचार का मोहरा बना लिया है।

दरअसल, विधायक पूजा पाल को अचानक सपा से निष्कासित करने के बाद सियासत गर्मायी हुई है। बीते दिनों पूजा पाल सपा से अपनी जान का खतरा बताकर इसे और धार दे दिया। जवाब में सपा प्रमुख अखिलेश यादव को प्रतिक्रिया देनी पड़ी कि अगर भाजपा वाले उन्हें मार देंगे तो जेल हम चले जाएंगे। अखिलेश ने अपने मंतव्य को स्पष्ट करते हुए कहा कि भाजपा पूजा पाल को मोहरा बनाकर सपा के खिलाफ दुष्प्रचार करवा रही है। यह भी कहा कि अब इस मामले

पूजा पाल, विधायक।

में केंद्रीय गृहमंत्री को जांच करानी चाहिए। वहीं, सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने इस संबंध में भारत सरकार को पत्र भी भेज दिया। पत्र में मांग की गई है आखिर कौन किसकी जान ले सकता है, इसकी जांच होनी चाहिए।

इधर, भाजपा की ओर से उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का कहना है कि विधायक पूजा पाल के साथ किए व्यवहार का खामियाजा सपा को भुगतना ही पड़ेगा। उनके मुताबिक, सपा ने अपने इस आचरण से दिखा दिया कि उनकी नजर में बहू-बेटियों और अति पिछड़ों के लिए कोई सम्मान नहीं है। भाजपा के अन्य नेता भी पूजा प्रकरण में सपा को निशाने पर लिए हुए हैं।

मालूम हो कि पहले बसपा से पूजा पाल विधायक बनी थीं, बाद में वह सपा में शामिल हो गईं थीं। लेकिन 2024 के राज्यसभा चुनाव में उनको सपा ने क्रॉसवोट करने वाले विधायक के रूप में चिन्हित किया। हाल ही में सपा ने पूजा पाल को पार्टी विरोधी गतिविधियों का हवाला देते हुए निष्कासित भी कर दिया। पूरे प्रकरण पर राजनीतिक समीक्षकों का अपना-अपना नजरिया है। समीक्षकों का तर्क है कि राजू पाल हत्याकांड के बाद सहानुभूति की जो लहर पूजा पाल के साथ सपा में गई थी, अब उसे भाजपा में लाने की तैयारी है। इसीलिए भाजपा अब सपा के पीडीए को ढकोसला करार देने में जुटी है। समीक्षकों का यह भी मानना है कि पूजा पाल को निष्कासित करने में सपा ने मौका गलत चुना। अब समय ही बताएगा कि पूजा पाल मामला किस दल को सियासी लाभ पहुंचाएगा।

12 अध्यापकों को मिला राज्य शिक्षक पुरस्कार

लखनऊ, अमृत विचार: माध्यमिक शिक्षा विभाग ने राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित होने वाले शिक्षकों की सूची जारी कर दी है। इस वर्ष 12 शिक्षक को राज्य शिक्षक एवं तीन अध्यापकों को मुख्यमंत्री अध्यापक पुरस्कार के लिए चुना गया है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेन्द्र देव ने बताया कि आगामी 5 सितम्बर को इन चयनित शिक्षकों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों सम्मानित किया जाएगा। डा. महेन्द्र देव ने चयनित शिक्षकों के नाम पत्र जारी करते हुए उन्हें पुरस्कार प्राप्त करने के लिए चार सितम्बर को लखनऊ पहुंचने की अपील की है। चयनित शिक्षकों के 4 सितम्बर को लखनऊ में प्रवास के लिए आवासीय एवं भोजन की व्यवस्था माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से किया जाएगा।मुख्यमंत्री अध्यापक पुरस्कार के चयनित शिक्षकों में हमीरपुर के सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज के प्रधानाचार्य राम प्रकाश गुप्ता, वाराणसी के आर्य महिला इंटर कालेज की अध्यापक (विज्ञान) छाया खरे तथा गाजियाबाद की महर्षि दयानन्द विद्यापीठ की कोमल त्यागी का नाम शामिल है।

राज्य अध्यापक पुरस्कार के लिए लखनऊ के बख्शी का तालाब इंटर कालेज के अध्यापक (विज्ञान) हरिश्चन्द्र सिंह, बरेली के इस्लामियां गर्ल्स इंटर कालेज की प्रधानाचार्य चमन जहां, सुलतानपुर के पीएमश्री केश कुमारी राजकीय बालिका इंटर कालेज की अध्यापक (भाषा) डा. दीपा द्विवेदी और फर्रुखाबाद के मदन मोहन कानोडिया बालिका इंटर कालेज की अध्यापक (भाषा) सुमन त्रिपाठी के नाम शामिल हैं। गोरखपुर के महात्मा गांधी इंटर कालेज के अध्यापक (विज्ञान) डा. वीरेन्द्र कुमार पटेल तथा बहराइच के राम जानकी शिव संस्कृत माध्यमिक विद्यालय सैलासबाग परसिया आलम के प्रधानाचार्य कृष्ण मोहन शुक्ला का नाम भी राज्य शिक्षक पुरस्कार की सूची में शामिल है।

यूपीएसएसएससी की परीक्षाओं के लिए पीईटी उत्तीर्ण करना होगा

6 और 7 सितंबर को प्रदेश भर में आयोजित की जाएगी परीक्षा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) की प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी-2025) आगामी 6 और 7 सितंबर को प्रदेश भर में होने जा रही है। इस परीक्षा को उत्तीर्ण करने वाले छात्र ही आयोग की अन्य परीक्षाओं में आवेदन के लिए अर्ह माने जाते हैं। पीईटी की परीक्षा महज अर्हता प्राप्त करने की परीक्षा है, लेकिन यह अनिवार्य है। लगातार अभ्यर्थियों की बढ़ती भीड़ से छुटकारा पाने के लिए अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने पिछले कुछ वर्षो से इस परीक्षा को आरंभ किया है। जिससे एक स्तर के अभ्यर्थियों को चिहिंत कर लिया जाता है और आयोग की दूसरी परीक्षाओं में वह आवेदन करते हैं। वर्ष 2025 की पीईटी परीक्षा प्रदेश के 48 जिलों में 1479 परीक्षा केंद्रों पर होने जा रही है। जिसमें इस बार रिकार्ड 25,31, 996 परीक्षार्थियों के शामिल होने की संभावना है। दो दिनों में यह परीक्षा कुल 4 पालियों में आयोजित की जाएगी।

आयोग की तरफ से जारी किए गए पत्र के अनुसार प्रत्येक पाली में 6,32, 999 परीक्षार्थी शामिल होंगे। पहली पाली की परीक्षा पूर्वाह्न 10 बजे से मध्याह्न 12 बजे तक और दूसरी पाली अपराह्न 3 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होगी। परीक्षा के लिए उत्तर प्रदेश के 48 जिलों में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। जिसमें देवरिया, गोरखपुर, जालौन, झांसी, इटावा, फर्रुखाबाद, वाराणसी, आगरा, रायबरेली, सीतापुर, उन्नाव, बुलन्द शहर, गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, हापुड़, मेरठ, भदोही, मिर्जापुर, फिरोजाबाद, मथुरा, अलीगढ़, हाथरस, अम्बेडकर नगर, अयोध्या, सुल्तानपुर, जौनपुर, आजमगढ़, फतेहपुर, मऊ, बरेली, बदायूँ, शाहजहांपुर, बस्ती, गोण्डा, कन्नौज, कानपुर नगर, हरदोई, लखीमपुर खीरी, अमरोहा, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, प्रयागराज, मुजफ्फर नगर, सहारनपुर, शामली, गाजीपुर और लखनऊ में 1479 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

परीक्षार्थियों के परिवहन व सुरक्षा के निर्देश

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष ने सभी 48 जिलों के जिलाधिकारियों को पत्र जारी किया है। पत्र जारी कर कहा गया है कि लाखों की संख्या में अभ्यर्थी प्रदेश भर से परीक्षा केंद्रों की यात्रा करेंगे। इनके लिए उचित प्रबंध किया जाए। उल्लेखनीय है कि अक्टूबर, 2022 में आयोग द्वारा पीईटी परीक्षा आयोजन के दौरान अभ्यर्थियों के आवागमन हेतु उचित प्रबंध नहीं किया गया था जिसके कारण उच्च न्यायालय में जनहित याचिका भी दायर हुई थी।

ऑटो चालकों का किराया निर्धारित हो

आयोग की ओर से जारी किए गए पत्र में कहा गया है कि ऑटो चालक यूनियन, ट्रैवल एजेंसी और रोडवेज के साथ संयुक्त बैठक कर अभ्यर्थियों और उनके साथ आने वालों को समय से परीक्षा केंद्र पहुंचाने और परीक्षा समाप्त होने के बाद उन्हें रेलवे, बस स्टेशन छोड़ने के लिए प्लान तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा इन सभी के किराया तय होना चाहिए जिससे अभ्यर्थियों से अनुचित वसूली न हो सके।

गणेशोत्सव पर 380 से अधिक फेरे लगाएंगी गणपति स्पेशल ट्रेनें

नई दिल्ली, अमृत विचार। गणेश उत्सव को देखते हुए भारतीय रेलवे ने श्रद्धालु यात्रियों के लिए खास इंतजाम किए हैं। रेलवे ने इस वर्ष श्रद्धालु यात्रियों की सुविधा के लिए गणपति स्पेशल ट्रेनों के 380 से अधिक फेरों (ट्रिप्स) के संचालन का फैसला लिया है। गणपति उत्सव के दौरान विशेष रेलगाड़ियों के फेरों का यह नया कीर्तिमान है। इससे पहले वर्ष 2023 और 2024 में भी रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए ना सिर्फ विशेष ट्रेनों का संचालन किया था, बल्कि उनके फेरों की संख्या भी बढ़ाई थी। वर्ष 2023 में रेलवे ने 305 गणपति स्पेशल ट्रेन फेरों का संचालन किया था, जबकि 2024 में यह संख्या बढ़ाकर 358 कर दी गई थी। यात्रियों की सुविधा के लिए जोनवार संचालित जिन स्पेशल ट्रेनों के फेरे बढ़ाए गए हैं उसके अनुसार महाराष्ट्र और कोंकण क्षेत्र में यात्री मांग को देखते हुए मध्य रेलवे में स्पेशल ट्रेनों के 296 फेरे लगेंगे। वहीं, पश्चिम रेलवे में 56 फेरे, कोंकण रेलवे में 06 फेरे और दक्षिण पश्चिम रेलवे में 22 फेरे शामिल हैं।

उमड़ा केसरिया जनसैलाब

कजरी तीज पर भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक के लिए सड़कों पर केसरिया जनसैलाब उमड़ पड़ा। गोंडा शहर के दुखहरननाथ मंदिर, खरगूपुर के बाबा पृथ्वीनाथ मंदिर, मनकापुर के करोहानाथ मंदिर व करनैलगंज के बाबा बरखंडी नाथ महादेव मंदिर समेत विभिन्न शिवालयों में करीब 20 लाख से अधिक शिवभक्तों ने जलाभिषेक किया।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौत

बाराबंकी, अमृत विचार : ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौत हो गई जबकि पीछे बैठा युवक बाल बाल बच गया। देवा प्रतिनिधि के अनुसार सीतापुर के महमूदाबाद थाना अंतर्गत पैंतेपुर का रहने वाला वली मोहम्मद (30) लखनऊ के तकरोही में निजी काम करता था। वह अतहर के साथ सोमवार की रात घर लौट रहा था। किसान पथ के के पास ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से जख्मी वली मोहम्मद को जिला अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया।

हनुमान गढ़ी मंदिर में नियुक्त हुए दो नए पुजारी

अयोध्या, अमृत विचार : अयोध्या के सिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी मंदिर में बजरंगबली के सेवा में बसंतिया पट्टी से दो नए पुजारियों का चयन किया गया है। 10 सितंबर से दोनों पुजारी अपना कार्यभार संभालेंगे। सिद्ध पीठ हनुमान गढ़ी मंदिर पर श्री पंचरामानंदीय निर्वाणी अखाड़ा पंचायती व्यवस्था है। मंगलवार को बसंतिया पट्टी के महंत गौरी शंकर दास के आवास पर नागा संतों की बैठक हुई, जिसमें हिमांशु दास और अनुपम दास को पुजारी नियुक्त किया गया है। इसके बाद अन्य पुजारी ने मंदिर के गर्भगृह में दोनों नए पुजारी का स्वागत महावीर को लगाकर किया। महंत गौरीशंकर दास ने बताया कि हनुमानगढ़ी मंदिर की व्यवस्था पुजारियों के द्वारा की जाती है। 10 सितंबर के बाद मंदिर में सेवा के लिए अपना कार्यभार संभालेंगे, लेकिन उसके पहले पुराने पुजारी द्वारा पूजा पद्धति सिखाई जाएगी।

हत्या में दो सगे भाइयों समेत तीन दोषियों को मिली उम्रकैद

हरदोई, अमृत विचार। अपर सत्र न्यायाधीश कुसुम लता ने हत्या के मामले में आरोपित दो सगे भाइयों समेत तीन लोगों को जुर्म साबित होने पर आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 60-60 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। शासकीय अधिवक्ता राकेश कुमार बाजपेई ने बताया कि थाना लोनार क्षेत्र के बरसोईया गांव निवासी अनिल कुमार सिंह व धर्मेंद्र कुमार सिंह दोनों सगे भाई और थाना क्षेत्र के वृंदावन निवासी रोटू सिंह उर्फ पुष्पेंद्र ने 21 जून 2012 को थाना हरपालपुर क्षेत्र निवासी गौरव की हत्या कर दी और अतुल व राघवेंद्र पर जानलेवा हमला किया। इस मामले की रिपोर्ट मृतक के पिता रामनिवास ने दर्ज कराई। कहा कि उसका बेटा गौरव जॉइनिंग के लिए मर्चेंट नेवी में दिल्ली जा रहा था। साथ में गांव की अतुल कुमार व राघवेंद्र भी जा रहे थे। ग्राम शेखपुरा में एक गाड़ी में तीनों लोग बैठ गए। आरोपित रेतू सिंह ने गाड़ी को सवायजपूर ठेका शराब के सामने रोक दी। जहां पर तीनों आरोपियों ने शराब पी और उसके बच्चों से मारपीट की। इसके साथ ही गौरव से बैग छीन लिया, जिसमें दो लाख रुपये था। बैग न देने पर गौरव को जान से मार डाला। इसके साथ ही दोनों अतुल और राघवेंद्र को मारा पीटा और गाड़ी से नीचे फेंक दिया। सत्र न्यायाधीश ने अदालत के समक्ष पेश हुए सबूत के आधार पर और दोनों पक्षों की दलीलों को सुनकर तीनों आरोपियों पर हत्या और हत्या के प्रयास का जुर्म साबित पाया और उन्हें सजा सुनाई।

हादसा | औद्योगिक क्षेत्र कमरौली में स्थित है फैक्ट्री, मची अफरा-तफरी

केमिकल फैक्ट्री में धमाका, चार मजदूर झुलसे, 3 लखनऊ रेफर

जगदीशपुर, अमेठी, अमृत विचार। मंगलवार की दोपहर औद्योगिक क्षेत्र कमरौली स्थित केमिकल फैक्ट्री में ब्लास्ट हो गया। इससे फैक्ट्री में काम कर रहे चार श्रमिक झुलस गए। सभी को ट्रॉमा सेंटर जगदीशपुर पहुंचाया गया। वहां से तीन को लखनऊ रेफर किया गया है। घटना लखनऊ-वाराणसी हाईवे किनारे औद्योगिक क्षेत्र स्थित जय माता वैष्णव देवी (जेएमवीडी) इंडस्ट्रीज की है।

कमरौली के रोड नंबर चार स्थित यह फैक्ट्री रविशंकर जायसवाल की है। इसमें टैंक पर वेल्डिंग करते समय प्रेशर बढ़ने से केमिकल चटक गया। गर्म रासायनिक पदार्थ बाहर आ गया। इसकी चपेट में आकर श्रमिक जयप्रकाश (50) निवासी ब्यौरेमऊ शुक्ल बाजार, अशोक (48) निवासी ढूंढेहरी, संतोष (50) निवासी रोड नंबर चार और रामअवध (52) निवासी ढूंढेहरी गंभीर रूप से झुलस गए। घायल श्रमिक जयप्रकाश, अशोक और संतोष को लखनऊ के लिए रेफर किया गया है। रामअवध का इलाज जगदीशपुर में जारी है। हादसे के बाद मौके पर मौजूद अन्य श्रमिकों ने इकाई की

अस्पताल में जानकारी लेते थानाध्यक्ष मुकेश पटेल।

बिजली सप्लाई बंद कर बालू डालकर आग पर काबू पाया। उधर, ब्लास्ट के बाद फैक्ट्री परिसर में भगदड़ मच गई। श्रमिकों ने बताया कि टैंक पर लंबे समय से वेल्डिंग कार्य चल रहा था। सुरक्षा इंतजाम कमजोर होने के कारण हादसा हुआ। थानाध्यक्ष कमरौली मुकेश पटेल ने बताया टैंक पर काम करते समय प्रेशर ब्लास्ट से चार श्रमिक झुलसे हैं। उनका इलाज प्राइवेट हॉस्पिटल में कराया जा रहा था, तीन घायलों को लखनऊ रेफर किया गया है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/आर.एस.पी. पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं:- **क्रम सं.-1,** ई-प्रापण निविदा संख्या: NER-GKP-RSP-2025-08, कार्य का नाम: मैजापुर -कर्नलगंज रेलवे स्टेशनों के बीच किमी. 684/6-7 पर एल.सी. संख्या 280/ए के स्थान पर दो लेन वाले एंड-टू-एंड रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) का निर्माण जिसमें पहुंच मार्ग में आर.ई. वॉल/पीएसएसी गर्डर/कम्पोजिट गर्डर शामिल हैं और एन.ई. रेलवे के लखनऊ डिवीजन के रेलवे हिस्से में आरडीएसओ के कैमल बैक ट्रस प्रकार के गर्डर का उपयोग किया जायेगा। अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 52,41,25,830.32, बयाना राशि: ₹ 27,70,600/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य: शून्य, कार्य पूर्ण करने की अवधि: 24 महीने।

- बिड प्रारम्भ करने की तिथि: दि. 03-09-2025
- उपरोक्त ई-निविदा सबमिसन की अन्तिम तिथि: दिनांक 17-09-2025, 15:00 बजे तक,
- उपरोक्त ई-निविदा खुलने की तिथि: दिनांक 17-09-2025, 15:00 बजे
- निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्ते वेबसाइट *http://www.ireps.gov.in* पर देखा जा सकता है।
- निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।

अधिशासी अभियन्ता/निर्माण/आर.एस.पी., गोरखपुर

मुजाधि/डब्लू-219

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

उ.प्र. पावर ट्रान्समिशन कारपोरेशन लिमिटेड

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या 38/ECTC(L)/2025-26

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु पृथक निविदा दो भागों (पार्ट। टेक्निकल बिड एवम् पार्ट- ।। फाइनेंशियल) में आमंत्रित की जाती है। **38 कार्य का नाम**: प्रस्तावित 132/33 के0वी0 विद्युत उपकेन्द्र, मुर्तजानगर उन्नाव के लिए आवासों, सिक्योरिटी वॉल, सिक्योरिटी हट, सिक्योरिटी गेट एवं पहुँच मार्ग का निर्माण कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत**: रु. 209.90 लाख (जी0एस0टी0 अतिरिक्त) **कार्यावधि**: निविदा सूचना संख्या 38/ECTC/2025-25 पर अंकित कार्य 132/33 के0वी0 विद्युत उपकेन्द्र, मुर्तजानगर उन्नाव पर सुरक्षा दीवार, सिक्योरिटी गेट, सिक्योरिटी हट एवं सम्पर्क मार्ग के कार्य प्रारम्भ करने की तिथि से 03 माह में पूर्ण करना होगा तथा आवासों के कार्य प्रारम्भ करने की तिथि से 06 माह में पूर्ण करना होगा। उक्त निविदा की Technical Bid एवम् अन्य शर्ते तथा मात्रा बीजक इत्यादि का विस्तृत विवरण www.upptel.org पर देखा जा सकता है एवम् http://etender.up.nic.in साइट पर देखा एवम् प्राप्त किया जा सकता है। निविदा दिनांक 11.09.2025 को दोपहर 14:00 बजे तक साइट पर डाला/अपलोड किया जा सकता है तथा दिनांक 12.09.2025 को 15:00 बजे सार्वजनिक रूप से निविदायें खोली जायेगी। **कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता विद्युत जानपद पारेषण मण्डल कक्ष स. 223 से 225, प्रथम तल, पारेषण भवन, यूपीएसएल डी सी. परिसर विभूति खण्ड, गोमती नगर लखनऊ 'राष्ट्र हित में बिजली बचायें' पत्रांक: 2633/वि.जा.पा.म.(ल)/निविदा दिनांक: 25.08.2025**

लखनऊ नगर निगम, लखनऊ

लालबाग, टी.एन.रोड, लखनऊ, 226001 (उ0प्र0)

ई-मेल nnlko@up.nic.in

ई-निविदा सू0सं0: 104/मु0अ0/2025-26 — दिनांक: 26.08.2025

ई-निविदा प्रणाली के अन्तर्गत अल्पकालिक निविदा सूचना

ई-निविदा प्रणाली के अन्तर्गत लखनऊ नगर निगम द्वारा दिनांक 08.09.2025 को 4 कार्य हेतु ई-निविदायें, ई-निविदा पोर्टल https://etender.up.nic.in पर आमंत्रित की जाती हैं, पोर्टल https://etender.up.nic.in पर निविदा के साथ जमानत धनराशि एवं निविदा प्रपत्र की धनराशि आर0टी0जी0एस/एन0ई0एफ0टी0/इण्टरनेट बैंकिंग के माध्यम से पोर्टल https://induscollect.indusind.com/pay/index.php पर लागिन करके जमा किया जायेगा। ई-निविदा दिनांक 08.09.2025 को अपराह्न 15.00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर प्राप्त की जायेगी जिन्हे दिनांक-08.09.2025 को 16:00 बजे निविदा समिति के समक्ष खोला जायेगा। किसी भी ई-निविदा को स्वीकार एवं अस्वीकार करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित होगा। अन्य समस्त विवरण/नियम/शर्तें यथा कार्य का नाम, आगणन धनराशि, निविदा प्रपत्र की धनराशि एवं जमानत धनराशि तथा निविदा प्रपत्र पोर्टल https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध हैं।

मुख्य अभियन्ता
लखनऊ नगर निगम

भारत सरकार - रेल मंत्रालय

अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन मानक नगर, लखनऊ-226011

RO No.PGL/ADVT/2025 — दिनांक: 26.08.2025

खुली ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, सिग्नल लैब, अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन, मानक नगर, लखनऊ, द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई-निविदा सूचना	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित मूल्य (रू0)	बयान राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0)	समय अवधि	जमा करने की अन्तिम तारीख व समय
संख्या: एस टीएस-सिग्नललैब अपग्रडेशन	सिग्नल लैब का अपग्रडेशन (चरण-1)	23273789.00	266400.00	शून्य	12 महीने	24.09.2025 को 15:00 बजे तक

उपरोक्त ई-निविदा प्रपत्र वेबसाइट.पतमचे.हवअ.पद पर उपलब्ध है। निविदाकर्ता अपनी निविदा दिनांक 25.08.2025 से दिनांक 24.09.2025 को 15.00 बजे तक प्रेषित कर सकते हैं। उपरोक्त निविदा के लिए केवल ई-निविदा ही स्वीकार्य होगी। निविदा प्रपत्र का मूल्य केवल अश्वन लाईन पेमेन्ट के माध्यम से जो कि आई आर ई पी एस पोर्टल पर उपलब्ध है जमा करा सकते है, इसके अतिरिक्त किसी अन्य माध्यम से भुगतान स्वीकार्य नही होगा। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के लिए सी आर आइ एस/नई दिल्ली के सहायता प्रकोष्ठ में संपर्क कर सकते है। फोन न0-011-24105180, 24102855, 23370704, 23370703

(डी. के. रावत)
डी डी सिग्नल लैब कृते महानिदेशक अ0अ0मा0सं0, लखनऊ

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

मो0-9696715133

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैने एल.बी.एस.एस.एन.आई.सी. बी.एन.डी. राजापुर प्रतापगढ़ से हाईस्कूल वर्ष 1999 में किया था, जिसका अंकपत्र अनुक्रमांक 0963831 वास्तव में कहीं खो गया है। **दिनेश कुमार मिश्रा पुत्र राम शंकर मिश्रा निवासी ग्राम व पोस्ट दोहरी थाना डीह तहसील सलोन जनपद रायबरेली**

सूचना

सूचित हो कि मैं दीपक सिंह (DEEPAK SINGH) पुत्र शिवशंकर सिंह (SHIV SHANKAR SINGH) माता ममता सिंह (MAMATA SINGH) पटेल नगर कसहाई रोड चित्रकूट, मो0- 7080711077, जन्म तिथि - 01/01/1998, मेरा हाईस्कूल - 2013 - अनु0 1961515. मा0शि0प0 (उ0प्र0), इण्टरमीडिएट - 2015- अनु0 1510946, बी0 एस0सी0 -2018 अनु0 3002876 - CSJMU KANPUR - BTC/DLEd-IISem - 2018 - अनु0 1916700046 - PNP PRAYAGRAJ मेरे उपरोक्त प्रमाणपत्र सह अंकपत्र वास्तव में खो गये हैं।

सूचना

मैं राम सिंह कुशवाहा पुत्र श्री चंद्रिका सिंह कुशवाहा नि0: ग्राम रैया पोस्ट रामगढ़, सकलडीह, जिला चंदौली, उ0प्र0 घोषणा करता हूं कि मेरी पुत्री अंजलि कुशवाहा के कक्षा 8 केंद्रीय विद्यालय आर0डी0एस0ओ0 मानक नगर, लखनऊ की अंक तलिका व प्रमाण पत्र में उसकी जन्म तिथि 18.01.2011 अंकित है जो कि गलत है। उसकी सही जन्म तिथि 18.01.2010 है। जो कि ग्राम पंचायत रैया जिला चंदौली के अभिलेखों में (जन्म प्रमाण पत्र) तथा आधार कार्ड में अंकित है।

सूचना

मेरा नाम अन्जना कुमारी सिंह है। जबकि हाईस्कूल मार्कशीट एवं सर्टिफिकेट में भूलवश अन्जना कुमारी अंकित हो गया है। ये दोनों नाम एक ही समझा जाए। **अन्जना कुमारी सिंह पत्नी राकेश कुमार सिंह निवासिनी- लक्ष्मणपुरी नवाबगंज, बाराबंकी (उ.प्र.)- 225001**

सूचना

मेरा नाम हाईस्कूल के सर्टिफिकेट में रिजवान अली दर्ज है एवं आधारकार्ड आदि अन्य सभी दस्तावेजों में मेरा नाम रिज्वान अली हाशमी दर्ज है। रिजवान अली व रिज्वान अली हाशमी दोनों एक ही व्यक्ति के नाम है। भविष्य में मुझे रिज्वान अली हाशमी (पुत्र नज़ीर अली हाशमी (पिता) व वकीला बेगम (माता) नि0 प्लॉट नं. 11 व 12, रहीमनगर, डुडौली, फैजुल्लागंज, बेहटा, लखनऊ) के नाम से जाना पहचाना जाये।

सूचना

सूचित हो कि मेरे पुत्र अयांश यादव का सही जन्मतिथि दि. 07-03-2018 है परन्तु नगर निगम प्रमाण पत्र में त्रुटिवश उसकी जन्मतिथि 07-03-2019 अंकित हो गयी है। जो कि गलत है। मेरी पुत्र की सही जन्मतिथि 07-03-2018 जन्म प्रमाण पत्र में अंकित की जाये- **कुसुम लता यादव पत्नी अमित कुमार निवासी- 91/5, चांदगंज गार्डन, लखनऊ**

सूचना

मैं **शांती देवी पत्नी अनंत राम, निवासी- नहरवल सुन्धियामऊ जिला बाराबंकी,** यह कि मेरा नाम पालिसी सं0 218722917 में राजेश्वरी देवी लिखा हुआ है जबकि सही नाम शांती देवी है जो सही व सत्य है। शांती देवी एवं राजेश्वरी देवी दोनों से जाना व पहचाना जाता है दोनों नाम मेरे ही है अन्य किसी व्यक्ति के नहीं है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी हाईस्कूल वर्ष 2016 अनुक्रमांक 1443883 अंकपत्र सह प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गया है। **वैशाली गुप्ता पुत्री ब्रिजेंद्र गुप्ता निवासी ग्रा. निगोही, पो. टेकारी दांदू, डीह, जिला रायबरेली।**

सूचना

मैंने अपना नाम राजीव कुमार शुक्ला से बदलकर राजीव शुक्ला रख लिया है भविष्य में मुझे राजीव शुक्ला पुत्र श्री वीरेंद्र कुमार ग्राम पिपरी, नोनाहा कलां, चौबेपुर कानपुर से जाना जाये

सूचना

मैं शिव दर्शन पुत्र परसुराम निवासी राम प्रसाद पुरवा तुलसीपुर माझा गोण्डा यह कि आधार कार्ड सं0 3974 3535 5158 है तथा आधार कार्ड में मेरा नाम सुदर्शन SUDARSHAN अंकित है, जबकि मेरा नाम शिव दर्शन पुत्र परसुराम परिवार रजिस्टर राम प्रसाद पुरवा, तुलसीपुर मांझा जनपद गोण्डा में व खतौनी ग्राम-तुलसीपुर मांझा तहसील तरबगंज, जनपद-गोण्डा में अंकित है। त्रुटिवश आधार कार्ड व पैन कार्ड संख्या-SFAPS37775D में भी सुदर्शन व वोटर कार्ड संख्या-ADK0001990 में भी अंकित है। अतः मेरे आधार कार्ड पैन कार्ड व मतदाता कार्ड में सुदर्शन के स्थान पर शिव दर्शन पुत्र परसुराम अंकित किया जाय।

सूचना

मैने अपने भाई आशीष शर्मा, अमित शर्मा पुत्र नरेन्द्र शर्मा, अजय कुमारी पत्नी अमित शर्मा, इन्दू शर्मा पत्नी आशीष शर्मा निवासीगण- गिरसी थाना रेउना कानपुर नगर से उनके आचरण एवं कृत्य बहुत खराब है से दुखी होकर उक्त पारिवारिक जनों से अपना सम्बध विच्छेद करती हूँ! **रेनू भट्ट पत्नी कुलदीप कुमार, निवासी- गिरसी, थाना रेउना कानपुर नगर**

सूचना

सूचित हो कि मैं **दिनेश कुमार पुत्र रामलखन** मेरा पुत्र प्रशांत शर्मा गलत सोहबत में पड़ गया है मेरे समझाने के बावजूद भी मेरे नियंत्रण से बाहर है ऐसी स्थिति में कोई व्यक्ति उससे किसी प्रकार का कोई लेन-देन अथवा अन्य प्रकार से वास्ता रखता है तो वह स्वयं का जिम्मेदार होगा। अगर वह किसी भी प्रकार का कोई नैतिक-अनैतिक कार्य करता है तो वह स्वयं का जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे पत्नी नीतू शर्मा व परिवार के कोई भी सदस्य से उसका कोई भी वास्ता नहीं होगा। **दिनेश कुमार पुत्र रामलखन नीतू शर्मा पत्नी दिनेश कुमार निवासी ग्राम लखना जिला इटावा**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमारे पिता बाबूलाल निषाद पुत्र स्व0 लोटन निषाद निवासी अमवा मजरा बकटा खुर्द थाना राजापुर तहसील राजापुर जिला चित्रकूट हाल पता ग्राम सैदपुर थाना धाता तहसील खागा जिला फतेहपुर का मानसिक संतुलन ठीक नहीं है अतः इनके द्वारा किसी भी प्रकार की चल अचल संपत्ति क्रय विक्रय करने वाले स्वयं जिम्मेदार होंगे। **सुनील निषाद, अनिल निषाद पुत्रगण बाबूलाल निषाद, निवासी- ग्राम अमवा मजरा बकटा खुर्द थाना राजापुर तहसील राजापुर जिला चित्रकूट, वर्तमान पता- ग्राम सैदपुर थाना धाता तहसील खागा जिला फतेहपुर, 8318670137**

सूचना

मैं **रोहन बाबू पुत्र स्व0 शारदा प्रसाद निवासी 133/63 सांवलदास का मंदिर जूही नहरिया बारा देवी, कानपुर नगर** यह सूचित करता हूँ कि मेरी हाईस्कूल (10वीं) की वर्ष 2023 की अंकपत्र (मार्कशीट) रोल नंबर 1231266821 की मूल प्रति दिनांक 11.08.2025 को रास्ते में गुम हो गई है। यदि किसी को यह दस्तावेज प्राप्त हो तो कृपया उपरोक्त पते या मोबाइल नंबर 9336938693 पर संपर्क करें।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम अक्षत शर्मा पुत्र दिनेश कुमार, माता का नाम अंजू देवी था मुझे दिनाँक 02-05-2014 को श्रीमती छविराजी पत्नी वृज बिहारी शर्मा के द्वारा रजिस्टर्ड गोदनामा संख्या 229/232 के आधार पर गोद लिया गया है। दिनाँक 02-05-2014 से मेरा नाम बदलकर विवेक शर्मा पुत्र वृजबिहारी शर्मा, माता का नाम छविराजी के नाम से जाना व पहचाना जाय। एतद्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपयुक्त के सम्बंध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई है। **विवेक शर्मा पुत्र वृजबिहारी, निवासी- ग्राम करौहा, पोस्ट करोहामान तहसील मनकापुर जिला गोंडा**

अमृत विचार

बुधवार, 27 अगस्त 2025

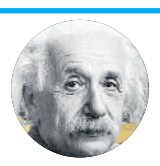

बीते कल से सीखो, आज के लिए जियो, कल के लिए आशा रखो।

–**अल्बर्ट आइंस्टीन**, जर्मन वैज्ञानिक

संप्रभुता पर समझौता नहीं

अमेरिका 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ थोपेगा, संभवतः प्रधानमंत्री को इसकी जानकारी पहले से थी, इसलिए आधिकारिक नोटिस आने से पहले ही उन्होंने सार्वजनिक कर दिया कि भारत किसका क्या खरीदेगा, यह कोई और तय नहीं करेगा। भले ही ऊंचे टैरिफ का दबाव झेलना पड़े, पर वे अपनी संप्रभुता के निर्णयों से कोई समझौता नहीं करेंगे। साहसिक और प्रभावी नेतृत्व का परिचय देते हुए उन्होंने अमेरिका या ट्रंप का नाम लिए बिना एक सख्त संदेश दिया। उनके इस रुख से स्पष्ट हुआ कि अमेरिका चाहे जितनी महाशक्ति हो, पर भारत भी ऐसी ताकत है जो किसी की बेजा इच्छाओं के समक्ष झुकेगा नहीं। अब देशवासियों के सामने यह बात स्पष्ट है कि सरकार कृषि, किसानों, छोटे उद्यमियों, दुकानदारों और टैरिफ से प्रभावित होने वाले अन्य कमजोर वर्गों के साथ दृढ़ता से खड़ी है।

प्रधानमंत्री ने अमेरिका, राष्ट्रपति ट्रंप और उनकी आर्थिक स्वार्थपरक राजनीति को कूटनीतिक कुशलता और शालीनता के साथ बिना नाम लिए ही पूरी तरह उजागर किया। बिना किसी का नाम लिए ही सब कुछ कह देने की उनकी शैली ने विश्व राजनीति पर प्रभाव डाला है और लोग उन्हें एक समर्थ कूटनीतिज्ञ के रूप में देख रहे हैं। प्रधानमंत्री अमेरिकी टैरिफ का प्रबल प्रतिकार कर रहे हैं, पर यह 50 प्रतिशत टैरिफ भारत के बाजार और अर्थव्यवस्था को प्रभावित अवश्य करेगा। इसके अलावा यह दक्षिण एशिया की क्षेत्रीय राजनीति पर असर डालने के साथ-साथ ग्लोबल साउथ और समूचे विश्व की भूराजनीतिक समीकरणों को भी प्रभावित कर सकता है।

भारत, जिसका कि चीन के साथ गंभीर सीमा विवाद है और कुछ मुद्दों पर तीखे मतभेद हैं, अब कुछ मामलों में निकट आता दिख रहा है। रूस के साथ मित्रता भी गहरी होती जा रही है। इसके चलते ब्रिक्स देशों की मजबूती बढ़ेगी और यूरोप के कई देश अपने नए समीकरण तलाशेंगे। फिलहाल यह टैरिफ वाणिज्य-व्यापार का मामला है, इसलिए सबसे बड़ा असर व्यापार पर ही होगा। हालांकि अमेरिका जितना बड़ा नुकसान भारत को पहुंचाना चाहता है, उसमें वह पूरी तरह सफल नहीं होगा। अमेरिकी ग्लोबल रेटिंग एजेंसी स्वीकार करती है कि भारत पर इस टैरिफ का प्रभाव बहुत मामूली रहेगा।

जीएसटी की नई दरों और आंतरिक मांग के चलते निर्माण, खरीद और उपभोग बढ़ सकते हैं। बाहरी निवेश और आंतरिक विकास की वजह से सकल घरेलू उत्पाद की दर भी संतुलित बनी रहने की संभावना है। इसके लिए भारत चीन और रूस के साथ नजदीकी बढ़ाने के अलावा ब्रिटेन, यूरोपीय संघ और आसियान जैसे देशों से ट्रेड डील पर बातचीत शुरू कर चुका है।

प्रधानमंत्री ने लोगों से 'स्वदेशी अपनाओ' अभियान का नारा बुलंद किया। यदि लोगों ने इस पर अमल किया तो इसके दूरगामी प्रभाव की पूरी संभावना है। हालांकि कपड़ा, इंजीनियरिंग गुड्स, स्टील और कृषि उत्पादों पर असर पड़ेगा। उद्योगों में ऑर्डर घटने से नौकरियां प्रभावित होंगी। रुपया, डॉलर के मुकाबले कमजोर हो सकता है। पर इसके साथ ही यूरोप, अफ्रीका और एशिया-पैसिफिक देशों में नए बाजार खोजने से निर्यात में विविधीकरण भी बढ़ेगा। कुल मिलाकर अर्थव्यवस्था को उल्लेखनीय नुकसान की आशंका कम है।

प्रसंगवश

राजनीतिक सिनेमा और सिनेमा पर राजनीति

राजनीतिक सिनेमा ही अच्छे सिनेमा की रीढ़ है, उसकी जान है और इसके कई आयाम हैं। राजनीतिक सिनेमा में बिल्कुल जरूरी नहीं है कि राजनेता को ही दिखाया जाए। पूरा सिस्टम ही शासक, शासन या नेता का प्रतीक बन सकता है। मेरा मानना है कि अगर कोई सिनेमा जिंदा रहेगा, बचेगा तो वह राजनीतिक सिनेमा ही होगा। व्यावसायिक सिनेमा ने राजनीतिक विषय को भले सतही तौर पर छुआ हो, लेकिन राजनेताओं की भ्रष्ट नीति और अपराधी गिरोहों के गठबंधन को खुले रूप में प्रस्तुत किया है।

सुरेंद्र अग्निहोत्री

लेखक

हिंदी सिनेमा में सामाजिक सरोकार और राजनीतिक विचारधारा को पोषित करने में विमल राय की अजानगढ़ और पहला आदमी उल्लेखनीय हैं। राजकपूर की जागते रहो ने तल्ख सच्चाई से दर्शकों को रूबरू कराया। फिर इसके बाद 1970 तक किसी ने भी ऐसी कोशिश नहीं की। भारतीय राजनीति के विद्रूप चेहरे का अक्स राजनीतिक नेता रहे अमृत लाल नहारा की फिल्म किस्सा कुर्सी में रूपांतरित होकर पर्दे पर आया। किस्सा कुर्सी का फिल्म की व्यंग्यात्मक शैली से सत्ता प्रतिष्ठान तक प्रभावित हुए, जिसके परिणाम स्वरूप आपातकाल में इस फिल्म के निगेटिव तक जला दिए गए थे।

प्रतिष्ठान विरोधी इस फिल्म की कहानी कई टुकड़ों में बंटी हुई है। एक जगह मीरा (रेहाना सुल्तान) गोपाल (आदिल) और चार-पांच लोग बैठे निर्णय करते हैं कि बिना प्रतिभा के किसी को भी सड़क से उठाकर कुछ भी बना सकते हैं। सड़क पर एक जमूरे (मनोहर सिंह) को लच्छेदार भाषण के साथ दवा बेचते देखते हैं, तो वे उसे पकड़कर चुनावी जंग में प्रत्याशी बनाकर उतार देते हैं। कुछ विरोधियों को पैसे देकर बैठा दिया जाता है, कुछ को डरा-धमका कर। एक सेठ जी भी चुनाव मैदान में हैं, उन्हें समझाया जाता है कि चुनाव लड़ने की परेशानी उठाने से अच्छा होगा, इस जमूरे को खरीदना। आखिरकार चुनाव जीतकर जमूरा देश का राष्ट्रपति बन जाता है।

1974 में गुलजार ने आंधी फिल्म बनाई। इसमें मुख्य पात्र का जीवन एक बहुत ही प्रमुख नेता के जीवन पर आधारित बताया गया था। फिल्म पर आपातकाल में रोक लगा दी गई। जनता पार्टी की सरकार बनने पर रोक हटा ली गई। 1980 में मेरी आवाज सुनो नामक फिल्म बनी। इसमें तस्कर और अन्य समाज विरोधी तत्वों का राजनेताओं के साथ गहरे सबंध को स्पष्ट रूप से दिखाया गया था। यहां तक कि देश के गृहमंत्री भी उनके साथ मिले दिखलाए गए थे। इस फिल्म को राजनीति के सच को उजागर करने के कारण प्रसिद्धि और सफलता मिली। इससे राजनीतिक विषयों तथा सामाजिक सरोकार युक्त फिल्मों के निर्माण का नया रास्ता खुला।

सार्थक सिनेमा के बीज महबूब खान की औरत (किसानों की परेशानी को रेखांकित करने वाली फिल्म) नजमा (मुसलमानों की सामाजिक स्थिति का चित्रण करने वाली फिल्म) विमल राय की उदयरे पथ, दो बीघा जमीन, राजकपूर की आवारा और जागते रहो के विस्तार में आक्रोश, अर्धसत्य, मंथन, चक्र, अंकुर, निशांत, तरंग, दामुल जैसी फिल्में बनीं। दूसरी ओर कानून क्या करेगा, कानून मेरी मुट्ठी में, अंधा कानून, प्रतिघात, अंधा युद्ध, हक, अर्जुन, मेयर साहब, कॉलेज गर्ल, घायल, इंकलाब जैसी फिल्मों की लंबी श्रृंखला है। बहरहाल एक सवाल यक्ष प्रश्न की तरह हमेशा खड़ा है कि राजनीतिक फिल्में देखकर कब तक दर्शक घर जाकर सोएगा। राजनीतिक फिल्में सामाजिक परिवर्तन की कब वजह बनेंगी!

थोरियम से भारत में आएगी ऊर्जा क्रांति

रजत मेहरोत्रा

वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। 2025 में भारत की जीडीपी लगभग 4.2 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच चुकी है और अनुमान है कि 2030 तक यह सात ट्रिलियन डॉलर को पार कर जाएगी, लेकिन इस विकास यात्रा में सबसे बड़ी चुनौती है- ऊर्जा। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का लगभग 80% आयात करता है, जिसमें सबसे बड़ा हिस्सा तेल और गैस का है। हर साल भारत को ऊर्जा आयात पर 150 अरब डॉलर से अधिक खर्च करना पड़ता है। ऐसे समय में थोरियम भारत के लिए न केवल ऊर्जा सुरक्षा का स्रोत है, बल्कि जीडीपी वृद्धि का भी नया इंजन बन सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की रिपोर्ट बताती है कि भारत के पास लगभग 8.46 लाख टन थोरियम का भंडार है, जो दुनिया में सबसे अधिक है। इसके बाद ब्राजील के पास करीब 6.32 लाख टन, ऑस्ट्रेलिया के पास लगभग 5.95 लाख टन और अमेरिका के पास तकरीबन 5.95 लाख टन भंडार है। चीन के पास लगभग चार लाख टन और तुर्की के पास तीन लाख टन, वहीं नॉर्वे के पास 3.5 लाख टन भंडार है। भारत का भंडार सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण है। ये भंडार मुख्य रूप से केरल, ओडिशा, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के तटीय रेत में पाए जाते हैं। यह स्थिति भारत को एक 'थोरियम महाशक्ति' बनने का अवसर देती है।

भारत के पास लगभग 8.46 लाख टन थोरियम का भंडार है। यह दुनिया में सबसे अधिक है। यह भंडार भारत की तकदीर और तस्वीर दोनों बदल सकता है।

थोरियम को भविष्य का परमाणु ईंधन कहा जाता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, एक टन थोरियम से उतनी ही ऊर्जा प्राप्त की जा सकती है जितनी 25 टन यूरेनियम या लगभग 2,50,000 टन कोयले से मिलती है। थोरियम से चलने वाले रिएक्टर अधिक सुरक्षित होते हैं और इनमें परमाणु दुर्घटना की संभावना बेहद कम होती है। इसके अलावा थोरियम से निकलने वाला रेडियोधर्मी कचरा बहुत कम और अल्पजीवी होता है। यही कारण है कि थोरियम को स्वच्छ, सुरक्षित और टिकाऊ ऊर्जा का भविष्य माना जा रहा है।

भारत ने इस दिशा में दशकों पहले योजना बनाई थी। भारत का तीन-स्तरीय परमाणु कार्यक्रम इसी लक्ष्य की ओर इशारा करता है। पहले चरण में प्राकृतिक यूरेनियम का उपयोग करके बिजली उत्पादन किया गया, दूसरे चरण में फास्ट ब्रीडर रिएक्टर तैयार किए गए और अब तीसरे चरण में थोरियम रिएक्टर पर काम हो रहा है। भारत का लक्ष्य है कि वह 2050 तक अपनी 25% बिजली थोरियम से उत्पन्न करे।

थोरियम का भारत की जीडीपी पर प्रभाव कई स्तरों पर होगा। सबसे पहले यह विदेशी मुद्रा की भारी बचत करेगा। आज भारत हर साल लगभग 22 लाख करोड़ रुपये का तेल और गैस आयात करता है। यदि थोरियम आधारित बिजली उत्पादन शुरू होता है तो इसमें 30-40% की कमी आ सकती है। यानी सालाना लगभग 7-8 लाख करोड़ रुपये की बचत संभव है। यह बचत सीधे भारत की जीडीपी वृद्धि में योगदान करेगी। दूसरा बड़ा प्रभाव उद्योगों पर पड़ेगा।

ऊर्जा भारत के औद्योगिक उत्पादन की सबसे बड़ी लागत है। सस्ती और स्वच्छ बिजली उपलब्ध होगी तो उत्पादन लागत घटेगी। इसका असर निर्यात पर भी होगा, क्योंकि भारतीय उत्पाद अंतर्राष्ट्रीय बाजार में और अधिक प्रतिस्पर्धी बनेंगे। इससे भारत की निर्यात आय में सालाना 50-60 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हो सकती है।

तीसरा, थोरियम आधारित परियोजनाएं नए रोजगार पैदा करेंगी। एक अनुमान के अनुसार, यदि भारत थोरियम ऊर्जा पर बड़े पैमाने पर निवेश करता है तो अगले 20 वर्षों में 15-20 लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होंगी। इसमें इंजीनियरिंग, निर्माण, अनुसंधान और तकनीकी क्षेत्र की नौकरियां शामिल होंगी। चौथा, थोरियम भारत को वैश्विक स्तर पर पर्यावरण-हितैषी राष्ट्र के रूप में पहचान दिलाएगा।

जब पूरी दुनिया नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य की ओर बढ़ रही है, तब भारत यदि थोरियम आधारित ऊर्जा को अपनाता है तो यह न केवल घरेलू स्तर पर लाभकारी होगा बल्कि अंतरराष्ट्रीय निवेश आकर्षित करने का भी अवसर बनेगा। ग्रीन एनर्जी निवेशकों के लिए भारत एक प्रमुख गंतव्य बन सकता है।

विशेषज्ञों का अनुमान है कि यदि भारत 2040 तक थोरियम को अपने ऊर्जा मिश्रण में 15-20% तक ला देता है, तो उसकी जीडीपी वृद्धि दर में हर साल 0.5 से 1% अतिरिक्त बढ़ोतरी संभव है। इसका अर्थ है कि भारत की अर्थव्यवस्था 2040 तक 10 ट्रिलियन डॉलर से भी अधिक हो सकती है।

वैश्विक परिदृश्य में देखें तो अमेरिका, चीन और ब्राजील भी थोरियम पर शोध कर रहे हैं, लेकिन उनके पास न तो भारत जितना बड़ा भंडार है और न ही दशकों का अनुभव। भारत यदि इस क्षेत्र में नेतृत्व करता है तो वह थोरियम तकनीक और ऊर्जा का निर्यातक बन सकता है। यह स्थिति भारत को वैसा ही वैश्विक महत्व देगी जैसा तेल उत्पादक देशों को 20वीं सदी में मिला था। कहा जा सकता है कि थोरियम भारत के लिए सिर्फ ऊर्जा का विकल्प नहीं है, यह भारत के भविष्य का आर्थिक इंजन है। भारत ऊर्जा आयात पर निर्भरता कम करेगा, विदेशी मुद्रा की बचत करेगा, नए रोजगार पैदा करेगा और अपनी जीडीपी को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। अब यह भारत की नीतियों, अनुसंधान और राजनीतिक इच्छाशक्ति पर निर्भर है कि वह इस 'सुनहरे अवसर' को किस तरह पकड़ता है।

आमने

हमने परिवारवाद नहीं किया है। अपने बेटे को पद से हटा दिया है। दूसरी पार्टी के लोग हटाकर देखें। यह बदलाव है। बेटे ई. सरवन को दूसरी और बड़ी जिम्मेदारी देंगे।

–**डॉ. संजय निषाद**

अध्यक्ष

निषाद पार्टी

सामने

यह पॉलटिकल ड्रामेबाजी है। डॉ. संजय अपने बेटे को हटाने का ड्रामा कर रहे हैं। किसी पार्टी का विधायक दूसरी जगह पदाधिकारी हो ही नहीं सकता। अभी भी पार्टी में उनके परिवार के लोग ही भरे पड़े हैं।

–**जयप्रकाश निषाद**

भारतीय जनता पार्टी के नेता

मेक इन इंडिया अब 'मेक फॉर द वर्ल्ड'

डॉ. ओपी त्रिपाठी

लेखक

दबाव कितना भी हो, हम झेलने की ताकत बढ़ाते जाएंगे- ये संकल्प प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 अगस्त को अहमदाबाद में करोड़ों देशवासियों के सामने दोहराया। गुजरात में आयोजित जनसभा में पीएम मोदी ने आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी उत्पादों के उपयोग, औद्योगिक प्रगति और सामाजिक सुधारों पर खुलकर बात की। अपने पूरे भाषण में पीएम मोदी ने आत्मनिर्भर भारत की बुनियाद पर खड़े 'विकसित भारत' के सपने को बार-बार दोहराया। उन्होंने कहा कि 2047 में जब भारत आजादी के 100 साल मनाएगा, तब यह देश विकसित बन चुका होगा। भारत अब सिर्फ सपने नहीं देखता, उन्हें साकार करने का सामर्थ्य भी रखता है। मंगलवार को भी उन्होंने कहा कि मेक इन इंडिया में अब 'मेक फॉर द वर्ल्ड' की शुरुआत है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रणनीति यह है कि यदि रूसी तेल के राजस्व को तोड़ दिया जाए तो रूस को युद्ध समाप्त करने को विवश होना पड़ेगा। यह सोच ही कुंठित और अर्ध सत्य की है, क्योंकि रूस को अमेरिका से जो राजस्व मिल रहा है, क्या राष्ट्रपति पुतिन उसे तिजोरी में सजा कर रखेंगे? दरअसल अमेरिका को भारत एक 'आसान निशाना' लगता है, लेकिन भारत ने टैरिफ बढ़ाने के आदेश को गलत, अतार्किक और दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया है। भारत ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि रूस के साथ तेल और हथियारों के व्यापार जारी रहेंगे, लेकिन अमरीका के साथ रणनीतिक साझेदारी पर कोई संकट नहीं मंडराएगा।

भारत की यह विनम्र नीति भी उचित नहीं है। अमेरिका ने चीन पर जब 145 फीसदी का टैरिफ घोषित किया था, तो चीन ने पलटवार में प्रतिक्रिया जताई थी, नतीजतन राष्ट्रपति ट्रंप की 'हवा' निकल गई थी। अंततः उन्होंने टैरिफ 30 फीसदी तक लुढ़का दिया। यह भारत के साथ भी संभव है, यदि भारत कुछ कड़ा कदम उठाए और व्यापार समझौते को फिलहाल लटका दे। इन स्थितियों में द्विपक्षीय व्यापार समझौता संभव भी नहीं है।

ट्रंप फिलहाल बदहवास मनोस्थिति में लगते हैं। भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लागू होने पर तीन लाख करोड़ रुपये का टैरिफ बढ़ेगा। हालांकि देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) पर बहुत कम असर पड़ेगा। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और प्रमुख आर्थिक एजेंसियों के आकलन हैं कि 2025-26 के दौरान भारत की आर्थिक विकास दर करीब 6.5 फीसदी रहेगी, जो विश्व में सर्वाधिक होगी।

भारत की तरफ से कपड़ा, ऑटो, समुद्री उत्पाद, हीरा, सोना, मशीनरी, इस्पात, एल्युमीनियम, सिले हुए कपड़े आदि क्षेत्रों में अमेरिका को निर्यात किया जाता रहा है। अमेरिका में 47 फीसदी जेनेरिक दवाएं भारत से जाती हैं। फिलहाल उन पर कोई टैरिफ नहीं है, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप ने धमकी दी है कि आने वाले एक-डेढ़ साल में दवाओं पर 150 फीसदी तक टैरिफ लगाया जाएगा। प्रभावित क्षेत्रों में करोड़ों लोग काम करते हैं। यदि इन उत्पादों का निर्यात प्रभावित होता है और अमेरिकी बाजार में भारतीय वस्तुएं महंगी मिलती हैं, तो एक नकारात्मक संदेश भी जाएगा। फिर भी भारत अडिग है कि वह 1.4 अरब लोगों के ही हित में काम करेगा। ट्रंप की कुंठाएं रूस तक ही सीमित हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ को बेअसर करने के लिए मोदी सरकार मिशन मोड में आ चुकी है। इस सिलसिले में आने वाले दिनों में कुछ बड़े आर्थिक फैसले लिए जाएंगे। सरकार ने अगले 100 दिन में लिए जाने वाले संभावित बड़े आर्थिक फैसलों पर काम करना शुरू कर दिया है। इन फैसलों में चीन के साथ व्यापारिक रिश्तों को नरम करना, ई-कामर्स एक्सपोर्ट हब की शुरुआत, चमड़ा उद्योग के लिए पर्यावरण नियमों में छूट, स्टार्टअप को टैक्स में और छूट, जीएसटी में सुधार, तंबाकू व फार्मा व्यापारियों के रजिस्ट्रेशन नवीनीकरण की समय सीमा बढ़ाना और तेजी से औद्योगिक मंजूरी के पोर्टल को अपडेट करना शामिल है। पीएमओ इस दिशा में नीति आयोग, प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार और कैबिनेट की आर्थिक समिति के सदस्यों के साथ बैठक कर रहा है। उधर शेयर बाजार में भी हरियाली बरकरार है।

लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जीएसटी की दरों को और तर्कसंगत बनाया जाएगा। जीएसटी में इस कटौती से कई चीजें सस्ती होंगी। अमेरिकी फाइनेंशियल कंपनी मॉर्गन स्टेनली का कहना है कि इस फैसले से भारत की आर्थिक विकास दर में 0.5 प्रतिशत से 0.7 प्रतिशत तक का इजाफा हो सकता है। मॉर्गन स्टेनली का अनुमान है कि जीएसटी में इस सुधार से बाजार में करीब 2.40 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त मांग आएगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से भारत पर टैरिफ लगाने की घोषणा से जहां कुछ विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में बिकवाली शुरू कर दी, वहीं खुदरा निवेशकों ने इन शेयरों को बड़े पैमाने पर खरीदा है। यानी टैरिफ का खुदरा निवेशकों पर कोई असर नहीं हुआ। वित्त वर्ष 2025-26 की जून तिमाही में 62 प्रतिशत कंपनियों में खुदरा निवेशकों ने अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई, जिनकी आय का बड़ा हिस्सा अमेरिका से आता है। मार्च तिमाही में यह संख्या सिर्फ 23 प्रतिशत थी। घरेलू म्यूचुअल फंड्स में भी जून तिमाही में 77 प्रतिशत कंपनियों में हिस्सेदारी बढ़ाई। वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए भारत सरकार सक्रिय हो गई है। बिजनेस स्टैंडर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने 25,000 करोड़ रुपये की एक समर्थन योजना तैयार की है, जो छह साल की अवधि में लागू होगी।

अमरीका का भारत पर अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ लागू हो गया है। भारत ने न झुकने की नीति अपनाई है। पीएम मोदी ने साफ कहा है कि मेक इन इंडिया में 'मेक फॉर द वर्ल्ड' की शुरुआत है।

सोशल फोरम

वैज्ञानिक बोलेंगे 'वी डोंट नो'

कॉस्मोलॉजी, ब्रह्मांड विज्ञान बहुत ही जटिलताओं और विरोधाभासों से भरा विषय है। इसमें आप जो चाहे कल्पना कर सकते हैं, लेकिन ये कल्पनाएं भाववाद और ऊल-जुलूल दावों से अलग हो तभी इसमें मजा आता है, हालांकि साइंसदान भी ऐसी ही कल्पनाएं करतें हैं, लेकिन वो इसे कल्पनाओं को 'संभावना' कहना ज्यादा पसंद करते हैं। साइंसदान अपनी चर्चाओं में अकसर एक जुमला इस्तेमाल करते हैं और वो जुमला है, 'वी डोंट नो'। आप पूछो कि बिग बैंग से पहले क्या था? वैज्ञानिक बोलेंगे 'वी डोंट नो'। वो बोलेंगे कि हो सकता है कि हमारी तरह ही और भी अनगिनत यूनिवर्स वजूद में हों और ये बिग बैंग वाला छोटा बिंदु (सिंगुलैरिटी) शायद किसी दूसरे यूनिवर्स से आया हो? ये संभव हो सकता है, लेकिन अभी 'वी डोंट नो'।

वाचस्पति शर्मा

ब्लॉगर

तो ये 'वी डोंट नो' से लेकर किसी दावे के सिद्धांत बनने तक के सफर को 'वैज्ञानिक पद्धति' कहते हैं। इस सफर में 'हाइपोथेसिस' (परिकल्पना) एक महत्वपूर्ण चरण होता है, जहां हम किसी प्रश्न का संभावित उत्तर सुझाते हैं। परिकल्पना मतलब कि अभी मान लिया गया है, आगे के प्रयोग और उनके निष्कर्ष ही सिद्ध करेंगे कि ये सही है या नहीं। उसी के बाद किसी भी दावे को 'सिद्धांत' के रूप में मान्यता मिलती है।

उदाहरणार्थ- पृथ्वी के जन्मने और यहां जीवन पनपने को आधार मानकर किसी दूसरे ग्रह पर जीवन की संभावनाओं के बारे में सोचना बहुत ही रोमांचक विचार होता है। सामान्य तौर पर लोग यही मानते हैं कि किसी दूसरे ग्रह पर बुद्धिमान सभ्यता पनपने के लिए सबसे जरूरी है कि जहां पानी, ऑक्सीजन और पृथ्वी के जैसा वातावरण हो, लेकिन सच ये है कि ऐसा कोई बंधा-बंधाया नियम नहीं है कि जीवन होने के लिए पृथ्वी जैसा वातावरण और कंडीशन ही जरूरी है। किसी दूसरे ग्रह पर जहरीले रसायनों से भरे समुद्रों या कहीं एसिड की बारिश होते प्लैनेट्स पर भी जीवन पनप सकता है। ये ब्रह्मांड के अपने नियम हैं। उसके बाद, किसी भी ग्रह पर थोड़ा बहुत कम ज्यादा लेकिन हमारे जैसे ही जीव हों ये भी जरूरी नहीं। हो सकता है कि कहीं सेमी सॉलिड या ट्रांसपेरेंट टाइप के जीव हों! परग्रही जीव हमारी तरह खाना न खाते हों और उनका एनर्जी सोर्स सिर्फ वहां के सूरज की गर्मी या उनकी हवा में मौजूद अवयव हों!

पीके फिल्म में आमिर खान बोलता है कि हमारे गोले पर तो कोई भाषा ही नहीं है। हम लोग तो बस एक-दूसरे को स्पर्श करके कम्युनिकेट करते हैं। आश्चर्य नहीं कि कोई पराग्रही सभ्यता शरीर के कंपन और हाव भावों से कम्युनिकेट करती हो! तो ये ब्रह्मांड इतना विशाल है कि जीवन किसी भी रूप में, किसी भी परिस्थिति में पनप सकता है।

-फेसबुक वाल से

सामयिकी

मोटापा, समाज और ट्रोलर्स

हल्द्वानी की एक खबर ने सुबह-सुबह ध्यान खींचा। शहर की एक महिला को पड़ोसन के मोटी कहने पर इतना गुस्सा आया कि उसने उस पर चाकू से हमला कर दिया। यह घटना दिखने में तो केवल उत्तेजना में आकर किया गया एक सनसनीखेज अपराध लग सकता है, लेकिन यह भारतीय समाज की उस मानसिकता का प्रतीक है, जहां महिलाओं के शरीर को लेकर टिप्पणी करना सहज माना जाता है। घटना हमें सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर क्यों मोटी जैसे शब्द किसी महिला को अत्यधिक व्यथित कर उसे हिंसा तक के लिए उकसा देते हैं! लोग भूले नहीं होंगे कि बॉलीवुड अभिनेत्री बिपाशा बसु को भी मां बनने के बाद मोटी होने पर ट्रोल किया गया था। उन्होंने इसका डटकर प्रतिकार किया और कहा कि मीम्स व ट्रोल्स उन्हें विचलित नहीं करते। बिपाशा की यह साहसिक प्रतिक्रिया हर महिला के आत्म-सम्मान की आवाज थी, लेकिन सच यह है कि हर महिला उनकी तरह बुलंद आवाज नहीं उठा पाती।

चंद्रशेखर बेंजवाल

लेखक

स्त्री काया को लेकर सोशल मीडिया और ग्लैमर इंडस्ट्री ने सौंदर्य के झूठे मानदंड गढ़ दिए हैं। छरहरे शरीर को ही सुंदरता का पैमाना मान लिया गया है। इसमें संदेह नहीं कि छरहरी काया के प्रति स्त्री के आत्म मोह और समाज की दृष्टि के बावजूद हाल के वर्षों में भारत में स्त्रियों के मोटा और थुलथुला होने के अनुपात में तेजी से वृद्धि हुई है। पुरुषों में तो मोटापा मुख्यतः अव्यवस्थित जीवन-शैली से पैदा होता है, किंतु महिलाओं के मोटा होने के लिए एकाधिक कारण जिम्मेदार हैं। इनमें से एक कारण आधुनिक जीवनशैली भी है, जिससे शहरी क्षेत्रों में शारीरिक गतिविधियों में भारी कमी आई है।

इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में लगभग 40 प्रतिशत महिलाएं पर्याप्त शारीरिक श्रम से दूर हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि घर और ऑफिस के कामों में शारीरिक श्रम घटते जाने से महिलाएं दिन भर में कम कैलोरी खर्च कर पाती हैं, जो विशेषकर युवावस्था में मोटापे का मुख्य कारण है। खान-पान तो आपके शरीर की बनावट को प्रभावित करता ही है।

एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, भारत में शहरी महिलाओं के बीच जंक फूड के सेवन की आदत उनमें मोटापे की दर बढ़ा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने तो चेतावनी दी है कि भारत जैसे विकासशील देशों में जंक फूड की बढ़ती खपत मोटापे की महामारी का रूप ले सकती है। महिलाओं में रजोनिवृत्ति और मोटापे के बीच सीधा संबंध है। स्त्री रोग विशेषज्ञों के अनुसार, एस्ट्रोजन हार्मोन का स्तर कम होने से शरीर का मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है, जिससे शरीर पहले की तुलना में कम कैलोरी जला पाता है। रजोनिवृत्ति के बाद महिलाओं में पेट के आसपास चर्बी जमा होने की प्रवृत्ति बढ़ जाती है, जिसे अकसर बढ़ती उम्र का मोटापा कहा जाता है। प्रसव के बाद महिलाओं का वजन बढ़ना भी एक आम समस्या है।

बाल रोग और पोषण विशेषज्ञों का मानना है कि प्रसव बाद बच्चे की देखभाल, नींद की कमी और तनाव के कारण महिलाएं अकसर स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पातीं, जिससे वजन कम कर पाना मुश्किल हो जाता है। तनाव का सीधा असर वजन पर होता है। जब कोई व्यक्ति तनाव में होता है तो कोर्टिसोल नामक हार्मोन का उत्पादन बढ़ जाता है। कोर्टिसोल भूख बढ़ाता है, खासकर मीठे और वसायुक्त भोजन की इच्छा को, जिससे वजन बढ़ सकता है। तनाव और नींद की कमी वजन बढ़ने में योगदान करते हैं, इसलिए महिलाओं का मोटा होना हमेशा आलस्य या इच्छाशक्ति की कमी का परिणाम नहीं है, बल्कि जैविक और सामाजिक कारणों से जुड़ा हुआ है। स्त्री का शरीर उसके व्यक्तित्व का एक पहलू है, न कि उसकी परिभाषा।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***

0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

आजादी के पहले फूलबाग स्थित केईएम हॉल में ब्रिटिश अफसर अंग्रेजी नाटकों का मंचन करते थे, आज वीरान पड़ा है। मर्चेंट चेंबर आडिटोरियम, लाजपत भवन या रागेन्द्र स्वरूप सेंटर फॉर परफार्मिंग आर्ट्स प्रेक्षागृह सभी जगह पहले की तरह नाटकों का मंच नहीं सजता है। लेकिन इन परिस्थितियों के बावजूद उम्मीद की किरण जगा रही है 2005 से सक्रिय संस्था अनुकृति रंगमंडल जो 'गिरिजा के सपने', 'मुख्यमंत्री', 'बकरी', 'जांच पड़ताल', 'मोटेराम का सत्याग्रह' जैसे 35 से ज्यादा नाटकों के 50 से अधिक शहरों में शो कर चुकी है।

कनपुरिया रंगमंच तलाश रहा फिर शिखर के लिए अवसर

अनुकृति से जुड़ी 'सिग्नेचर प्ले पुरुष', 'एक मामूली आदमी', 'टेररिस्ट की प्रेमिका', 'कोई एक रात' व 'सच कहें तो', में केन्द्रीय भूमिका निभाने वाली युवा रंगकर्मी संध्या सिंह कानपुर में थिएटर के भविष्य को लेकर आशान्वित हैं, उनका कहना है कि अनुकृति ने पिछले साल जुलाई में लखनऊ, सितंबर में शिमला के बाद इसी साल मार्च में कानपुर में नाट्य समारोह आयोजित करके दिखाया है कि दर्शकों का रुझान एक बार फिर रंगमंच की तरफ लौट रहा है। कभी नाटकों के लगातार हाउसफुल शो का रिकार्ड बनाने वाला और महानायक अमिताभ बच्चन अभिनीत 'दो और दो पांच', 'मिस्टर नटवरलाल', 'याराना' समेत दो दर्जन से अधिक फिल्मों के स्क्रिप्ट राइटर ज्ञानदेव अग्निहोत्री के शहर कानपुर का रंगमंच आज ओटीटी जैसी चुनौतियों के बीच एक बार फिर मजबूती से रंगमंच के राष्ट्रीय फलक पर अपनी पहचान बनाने में जुटा है। आजादी से पहले और बाद में तीन दशक ऐसे रहे हैं, जब कानपुर के रंगमंच के हिस्से में सिनेमा से ज्यादा सुर्खियां, सीटियां और तालियां दर्ज हैं। 1942 में पीपीएन कॉलेज ग्राउंड में आयोजित इप्टा के राष्ट्रीय सम्मेलन में बलराज साहनी यहां आये थे, वरिष्ठ रंगकर्मी राधेश्याम दीक्षित के अनुसार तब उन लोगों ने कृष्ण चंदर का नाटक 'कुत्ते की मौत' किया था। इसके कुछ साल बाद सोहराब मोदी ने नाटक 'झांसी की रानी' किया। 1945 में देश की जानी मानी पृथ्वी थिएटर कंपनी बंबई से अपने सुपरहिट नाटक 'दीवार', 'पठान', 'पैसा और शंकुतला' लेकर कानपुर आई। आर्य नगर के बड़े मैदान (अब गैंजेस क्लब) में हुए इन नाटकों में पृथ्वीराज कपूर का शानदार अभिनय देखकर हजारों की भीड़ मंत्रमुग्ध रह गई थी।

कभी सिनेमा से ज्यादा सुर्खियां, सीटियां और तालियां बटोरता था नाटकों का मंचन

हाउसफुल शो तथा टिकटों की एडवांस बुकिंग के टूटे रिकार्ड

80 के दशक में देश-विदेश में ख्याति बटोर चुके बब्बन खां के कॉमेडी नाटक "अदरक को पंजे" के लगातार एक हफ्ते तक हाउसफुल शो ने उस वक्त टिकटों की एडवांस बुकिंग के रिकार्ड तोड़ दिए थे। दिग्गज कलाकार जुगनू के नाटक 'सखाराम बाइंडर' के भी एक हफ्ते तक हाउसफुल शो लाजपत भवन में हुए थे। अनुकृति की कोषाध्यक्ष निशा वर्मा के अनुसार दस्यु सुंदरी फूलन देवी के आत्मसमर्पण के बाद साहित्यकार कामतानाथ ने नाटक लिखा फूलन। वरिष्ठ रंगकर्मी, निर्देशक विजय दीक्षित ने लाजपत भवन में इसका सफल मंचन किया। 2018 में कानपुर के लेखक पद्मश्री गिरिराज किशोर की मौजूदगी में उनके प्रसिद्ध नाटक 'प्रजा ही रहने दो' का मंचन देखने वाला था।

आजादी के बाद का स्वर्णिम सफर

1960 से 67 के बीच कानपुर ड्रामेटिक एसोसिएशन (काडा) ने 'नेफा की एक शाम', 'चिराग जल उठा', 'शुतुरमुर्ग' जैसे नाटकों के सफल मंचन किए। लेकिन 70 से 80 का दशक रंगमंच का स्वर्णिम दौर कहा जा सकता है, तब शहर में दर्पण, एंबेसडर, शिल्पी, प्रतिध्वनि, नाट्य भारती, आयाम, रंगलोक, अनुभूति, नाट्यांगन, कलाविद्, एकजुट, तक्षशिला, अलंकृत, कलानयन समेत दो दर्जन से अधिक संस्थाएं तथा प्रेम स्वरूप निगम, विजय दीक्षित, वीरेंद्र सक्सेना, कृष्णा सक्सेना, सुरेन्द्र सविता, अंबिका सिंह वर्मा, राजेंद्र सिंह, डा राजेंद्र वर्मा, रतन राठौर, दीप सक्सेना, विजय बनर्जी, पियूष विद्यासागर, राकेश डग, राकेश चतुर्वेदी, डेनिस क्लेमेट, संजीव सिकोरिया, असित डेनियल, संतोष गुप्ता, अवधेश मिश्रा, एनके नेब सरीखे रंगकर्मी रंगमंच पर नित नये नाटकों का मंचन करते थे।

लेखक
डॉ ओमेन्द्र कुमार
रंग कर्मी

- धीरे-धीरे लाइव परफॉर्मेंस से जुड़ रहा दर्शकों का बड़ा वर्ग : रंगकर्मी दीपक राज राही कहते हैं कि 90 के दशक में पहले टीवी चैनल्स, फिर इंटरनेट क्रांति से छोटे शहरों के थिएटर को काफी नुकसान पहुंचा। घर बैठे मनोरंजन के तमाम विकल्पों ने दर्शको को ड्राइंगरुम में कैद कर दिया। हालांकि अब दर्शकों का बड़ा वर्ग एक बार फिर लाइव परफॉर्मेंस की ओर लौट रहा है।
- कंटेंट दमदार तो फीके कॉस्ट्यूम, सेट और लाइट ले चल जाता काम : थियेटर में कंटेंट ही किंग था, और रहेगा। यदि नाटक विषय-वस्तु के स्तर पर दर्शकों के साथ जुड़ जाता है तो उन्हीं का हो जाता है। फिर सेट, कॉस्ट्यूम, प्रकाश परियोजना किसी भी स्तर के हों दर्शक नाटक को हाथों हाथ ले लेते हैं। यह बताते हुए डा. ओमेन्द्र कुमार इस बात पर निराशा जताते हैं कि नाटकों में आजकल पहले की अपेक्षा कंटेट पर सबसे कम ध्यान दिया जा रहा है। उनके अनुसार यह एक सामूहिक कला है। इसलिए सभी साथियों में तालमेल और लंबे समय तक उनका साथ बने रहना भी जरूरी है।

आस्था, संस्कृति व परंपरा का मिलन है नंदा देवी महोत्सव

सरोवर नगरी नैनीताल 28 अगस्त से भक्ति, संस्कृति और परंपरा की अनुपम छटा से सराबोर होगी। इस दिन से कुमाऊं अंचल का ऐतिहासिक, सांस्कृतिक व अटूट धार्मिक आस्था का उत्सव नंदा देवी महोत्सव आरंभ होगा, जो पांच सितंबर तक चलेगा। यह महोत्सव सदियों से क्षेत्रीय संस्कृति, लोक कला, रीति-रिवाजों और सामूहिक श्रद्धा का परिचायक है। इस महोत्सव की नींव 16वीं शताब्दी में राजा कल्याण चंद के शासनकाल में रखी गई थी। उन्होंने अपनी बहन नंदा देवी की स्मृति में यह पर्व आरंभ किया था। वर्ष 1902 में अल्मोड़ा के मोतीराम साह ने नैनीताल में नंदा देवी महोत्सव के भव्य आयोजन की शुरुआत की थी। 1926 से श्रीराम सेवक सभा ने इस महोत्सव की जिम्मेदारी ले ली, और तब से लगातार आयोजन कर रही है। यह धार्मिक महोत्सव देवी नंदा और सुनंदा को समर्पित है। महोत्सव की शुरुआत आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से कदली वृक्ष लाने के साथ होती। राम सेवक सभा का एक दल श्रद्धालुओं के साथ कदली (केले का पेड़) लेने जाता है, अगले दिन कदली वृक्ष को नगर भ्रमण कराया जाता है, फिर कदली वृक्षों से नंदा व सुनंदा की मूर्तियां तैयार की जाती हैं। यह एक पारंपरिक और पवित्र प्रक्रिया है। मूर्ति निर्माण के बाद नंदाष्टमी के दिन मूर्तियों को श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ रखा जाता है। मंदिर में विशेष पूजा और अनुष्ठान किए जाते हैं। नंदा देवी महोत्सव नैनीताल के नयना देवी मंदिर परिसर में मनाया जाता है। मां नंदा देवी और सुनंदा देवी कुमाऊं क्षेत्र की कुलदेवी मानी जाती हैं। महोत्सव के अंतिम दिन मां नंदा सुनंदा की मूर्तियों को शहर में शोभायात्रा निकाली जाती हैं। नगर भ्रमण के बाद मूर्तियों का विसर्जन किया जाता है। यह महोत्सव कुमाऊं की संस्कृति, परंपरा और एकता का प्रतीक है।

नैनीताल के साथ अल्मोड़ा, भवाली, बिन्दुखत्ता और हल्द्वानी में भी होता महोत्सव का आयोजन

झोड़ा, चांचरी व भगनौल लोकगीत व छोलिया नृत्य

- महोत्सव में स्थानीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। जिसमें झोड़ा, चांचरी व भगनौल आदि लोकगीत व छोलिया नृत्य आयोजित किए जाते हैं। इसमें कुमाऊं के कलाकार भाग लेते हैं। यह महोत्सव नैनीताल के अलावा अल्मोड़ा, हल्द्वानी, बिन्दुखत्ता, चंपावत मुनस्यारी रानीखेत व भवाली समेत अन्य जगहों पर भी मनाया जाता है। महोत्सव के दौरान धार्मिक अनुष्ठान पंच आरती, कन्या पूजन, हवन और यज्ञ नयना देवी मंदिर परिसर में आयोजित किए जाते हैं। महोत्सव में इको फ्रेंडली वस्तुओं और प्राकृतिक रंगों का प्रयोग किया जाता है।

लेखक
मुकेश जोशी, मंटू
पूर्व अध्यक्ष, श्रीराम सेवक सभा, नैनीताल।

सांस्कृतिक-सामाजिक एकता का सार्वजनिक उत्सव

भगवान गणेश की आराधना का पर्व गणेशोत्सव धार्मिक आयोजन से कहीं आगे बढ़कर हमारी सांस्कृतिक धड़कन जैसा है। सनातन परंपरा, सामूहिक शक्ति और सामाजिक एकता का संवाहक है। शिवाजी ने जहां इसे मुगलों के विरुद्ध जनभागीदारी का उत्सव बनाया, वहीं अंग्रेजों ने जब हिंदू पर्वों और सार्वजनिक आयोजनों पर रोक लगाने की कोशिश की, तो लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने इस उत्सव को जन-जन की एकता से जोड़कर स्वतंत्रता संग्राम का जयघोष बना दिया।

गणेश उत्सव का महत्व

भाद्रपद चतुर्थी को गणपति स्थापना से आरंभ होकर अनंत चतुर्दशी को होने वाले विसर्जन तक गणपति विविध रूपों में पूरे देश में विराजमान रहते हैं। उन्हें मोदक तो प्रिय हैं ही, परंतु गणपति अकिंचन को भी मान देते हैं, अतः दूर्वा, नैवेद्य भी उन्हें उतने ही प्रिय हैं।

इसलिए कहा जाता लंबोदर

- ज्योतिषशास्त्र में तीन गणों का उल्लेख मिलता है, देव, मनुष्य और राक्षस। गणपति समान रूप से देवलोक, भूलोक और दानव लोक में प्रतिष्ठित हैं। श्रीगणेश ब्रह्मस्वरूप हैं और उनके उदर में यह तीनों लोक समाहित हैं इसी कारण इनको लंबोदर कहते हैं। लंबोदर होने का अर्थ है जो कुछ उनके उदर में चला जाता है, फिर वहां से निकलता नहीं है।

लोक मंगल के देवता

- गणों के अधिपति श्रीगणेश प्रथम पूज्य हैं। किसी भी शुभ कार्य या कर्मकांड में विघ्नहर्ता के रूप में उनकी पूजा-आराधना सबसे पहले की जाती है। गणेश लोक मंगल के देवता हैं, जहां भी अमंगल होता है, उसे दूर करने में अग्रणी रहते हैं। वह रिद्धि और सिद्धी के स्वामी हैं। भाद्रपद की शुक्लपक्ष चतुर्थी गणपति की प्राकट्य तिथि है। गणेशोत्सव का आरंभ इसी दिन से होता है।

गणपति विसर्जन की कथा

- पौराणिक कथा के अनुसार महर्षि वेद व्यास ने महाभारत लिखने के लिए भगवान गणेश से प्रार्थना की। गणेश जी ने वेद व्यास जी की बात मान ली और 10 दिनों तक बिना रुके महाभारत लिखते रहे। 10 दिन बाद वेद व्यास जी ने जब अपनी आंखें खोलीं, तो उन्होंने देखा कि गणेश जी का शरीर बहुत गर्म हो गया है। वेद व्यास जी ने गणेश के शरीर को ठंडा करने के लिए उन्हें एक सरोवर में स्नान कराया। कहा जाता है कि इसी से गणेश विसर्जन की प्रथा शुरू हुई। यह भी माना जाता है कि गणेश विसर्जन का अर्थ जीवन-मृत्यु के चक्र को समझना तथा मोह माया से मुक्ति पाना है।

लेखक
पं. मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य

ईसा पूर्व का इतिहास, पेशवा राज में प्रमाण

श्रीगणेश उत्सव का इतिहास काफी प्राचीन है। महाराष्ट्र में सातवाहन, राष्ट्रकूट और चालुक्य वंश के शासकों के दौर में गणेशोत्सव की प्रथा थी। 200 ईसा पूर्व से दूसरी सदी (ईसा के बाद) तक दक्षिण भारत के बड़े इलाके पर सातवाहन वंश का शासन था। इस वंश के राजाओं के समय गणेश पूजा शुरू हुई थी। पेशवाओं के दौर में गणेश पूजा का चलन तेजी से बढ़ा। मुगल शासन के दौरान सनातन संस्कृति बचाने के लिए छत्रपति शिवाजी ने माता जीजाबाई के साथ मिलकर गणेश महोत्सव की शुरुआत की थी। पेशवाओं के बाद यह उत्सव कमजोर पड़कर केवल मंदिरों और राजपरिवारों तक सिमट गया। 1892 में भाऊसाहब लक्ष्मण जबाले ने सार्वजनिक गणेशोत्सव प्रारंभ किया। लोकमान्य तिलक ने 1893 में अपनी पत्रिका 'केसरी' के कार्यालय में गणपति की स्थापना की और लोगों से स्थापना के लिए प्रेरित किया।

एक धरोहर जो अब खंडहर, यहीं था कोह-ए-नूर हीरा

वारंगल किला

यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल की अस्थायी सूची में शामिल वारंगल किला, तेलंगाना के वारंगल जिले में स्थित है। किले में चार सजावटी द्वार हैं, जो अब खंडहर हो चुके हैं पर किसी समय शिव मंदिर के प्रवेश द्वार थे। इस किले के निर्माण को लेकर इतिहासकार और पुरातत्वविद् मानते हैं कि पहले ईंट की दीवार वाली संरचना थी जिसे गणपतिदेव (1199 ईस्वी-1262 ईस्वी) द्वारा पत्थर से बदल दिया गया था, और उनकी बेटी रुद्रमा देवी ने इसे पूरा किया, जिन्होंने 1289 तक शासन किया था। 1309 में, अलाउद्दीन खिलजी के सेनापति मलिक काफ़ूर ने बड़ी सेना के साथ किले पर हमला कर इसे घेर लिया था, तब राजा प्रतापरुद्र द्वितीय और उनके लोगों ने खुद को किले के भीतर सुरक्षित कर लिया और हमलावर सेना के साथ कई महीनों तक बहादुरी से युद्ध किया। बाद में हुए युद्धविराम में कई कीमती खजानों के साथ कोह-ए-नूर हीरा भी काफूर दिल्ली ले गया। किले की छह माह से ज्यादा चली घेराबंदी का वर्णन अमीर खुसरो ने किया है। 1318 में फिर से, वारंगल किले पर कुतुबुद्दीन मुबारक शाह की सल्तनत सेना ने हमला किया। 1320 में, खिलजी की जगह लेने वाले दिल्ली के तत्कालीन शासक सुल्तान गियासुद्दीन तुगलक ने अपने बेटे उलुग खान (बाद में मुहम्मद तुगलक) को वारंगल किले पर एक बार फिर हमला करने के लिए भेजा, क्योंकि प्रतापरुद्र द्वितीय ने तुगलकों को अधिपति के रूप में स्वीकार नहीं किया था और उन्हें कर देने से इनकार कर दिया था। उलुग खान ने 1323 में 63,000 तीरंदाज घुड़सवार सैनिकों के साथ किले पर हमला किया 5 महीने तक दीवारों को तोड़ने के लिए क्रूर रणनीति का इस्तेमाल किया। इसने प्रतापरुद्र द्वितीय को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर किया और किले के द्वार खोल दिए गए। तब सल्तनत की सेनाओं ने पत्थर की दीवार के भीतर और बाहर राजधानी को लूटा और स्वयंभू शिव मंदिर भी नष्ट कर दिया, जो राज्य देवता, चतुर्मुख लिंग स्वामी (शिव के चार चेहरों वाला लिंग) था। मंदिर में अब जो कुछ भी दिखाई देता है वह किले के केंद्र के आसपास बिखरे अवशेष हैं। इसके बाद वारंगल शहर का नाम बदलकर सुल्तानपुर कर दिया गया और 1324 से 1332 तक वहां शाही सिक्के ढाले गए।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	80,786.54	24,712.05
गिरावट	849.37	255.70
प्रतिशत में	1.04	1.02

सोना 1,00,770 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,18,000 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार, 27 अगस्त 2025

www.amritvichar.com

स्वदेशी हर किसी के जीवन का मंत्र होना चाहिए : मोदी

प्रधानमंत्री बोले- मेक इन इंडिया ने वैश्विक व घरेलू विनिर्माताओं के लिए अनुकूल माहौल बनाया

- हंसलपुर विनिर्माण संयंत्र से मारुति सुजुकी के पहले ई-विटारा को मोदी ने दिखाई हरी झंडी

अहमदाबाद, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि स्वदेशी हर किसी का जीवन मंत्र होना चाहिए। मोदी ने साथ ही कहा कि उनकी सरकार की 'मेक इन इंडिया' पहल ने वैश्विक एवं घरेलू दोनों विनिर्माताओं के लिए अनुकूल माहौल तैयार किया है। उन्होंने कहा कि 'स्वदेशी' की उनकी परिभाषा सरल है। प्रधानमंत्री ने कहा, कि मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि पैसा किसका लगा है, डॉलर है या पाउंड.. या वह मुद्रा काली है या सफेद। बस उस पैसे से जो भी उत्पादन हो, उसमें मेरे देशवासियों का पसीना होना चाहिए।

गुजरात के हंसलपुर विनिर्माण संयंत्र से मारुति सुजुकी के पहले इलेक्ट्रिक वाहन ई-विटारा को मंगलवार को हरी झंडी दिखाने के बाद प्रधानमंत्री ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि दुनिया भारत में बने इलेक्ट्रिक वाहनों को चलाएगी।

मारुति सुजुकी के समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल व जापानी कंपनी के सदस्य। एजेंसी

मोदी ने लोगों से केवल स्वदेशी उत्पाद खरीदने का आग्रह किया और कहा कि यह महत्वपूर्ण नहीं है कि निवेश कौन करता है, बल्कि महत्वपूर्ण यह है कि उत्पाद बनाने में भारतीयों की कड़ी मेहनत हो। उन्होंने कहा कि इस तरह मारुति सुजुकी भी एक स्वदेशी कंपनी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वदेशी हमारे जीवन का मंत्र बन जाना चाहिए। आइए, स्वदेशी को गर्व से अपनाएं। जापान में जो चीजे यहां बनेंगी, वे भी स्वदेशी होंगी। स्वदेशी की मेरी परिभाषा बहुत सरल है। मुझे इस बात की चिंता नहीं है कि किसका पैसा निवेश किया गया है...चाहे वह डॉलर हो या पाउंड, या वह मुद्रा काली है या सफेद। बस उस पैसे से जो भी उत्पादन किया जाए, उसमें मेरे देशवासियों का पसीना होना चाहिए। उन उत्पादों में मेरे देश की मिट्टी की खुशबू होनी चाहिए।

अभियान की ब्रांड एम्बेसडर बनी मारुति सुजुकी जैसी कंपनियां

मोदी ने कहा कि भारत की सबसे बड़ी कार निर्यातक कंपनी मारुति सुजुकी जैसी कंपनियां मेक इन इंडिया अभियान की 'ब्रांड एम्बेसडर' बन गई हैं। हंसलपुर में टीडीएस लिथियम-आयन बैटरी गुजरात प्राइवेट लिमिटेड (टीडीएसजी) में ली-आयन बैटरी सेल व इलेक्ट्रोड के उत्पादन की शुरुआत का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि कुछ साल पहले तक भारत इन बैटरियों के लिए आयात पर निर्भर था। ईवी विनिर्माण को मजबूत करने के लिए यह महत्वपूर्ण था कि भारत भी बैटरी का उत्पादन करे। हमने 2017 में टीडीएसजी बैटरी संयंत्र की नींव रखी। भारत में पहली बार, तीन जापानी कंपनियां बैटरी सेल का उत्पादन करने के लिए एक साथ आई हैं।

सुजुकी मोटर भारत में 70,000 करोड़ का करेगी निवेश: तोशीहिरो

हंसलपुर (गुजरात)। जापान की वाहन विनिर्माता कंपनी सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन के प्रतिनिधि निदेशक एवं अध्यक्ष तोशीहिरो सुजुकी ने मंगलवार को कहा कि देश में अपने परिचालन को मजबूत करने के लिए पांच से छह साल में कंपनी 70,000 करोड़ का निवेश करेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात के हंसलपुर विनिर्माण संयंत्र से मारुति सुजुकी के पहले इलेक्ट्रिक वाहन ई-विटारा को मंगलवार को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। भारत में बनी मारुति ई-विटारा का जापान सहित 100 से अधिक देशों में निर्यात किया जाएगा। मोदी ने सुजुकी, तोशिबा और डेंसो के लिथियम-आयन बैटरी विनिर्माण संयंत्र का भी उद्घाटन किया जो हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी उत्पादन में सहायक होगा। इस अवसर पर तोशीहिरो सुजुकी ने कहा कि सुजुकी पांच से छह वर्ष में भारत में 70,000 करोड़ से अधिक का निवेश करेगी।

सालाना 40 लाख इकाई उत्पादन के लक्ष्य को करेंगे पूरा

मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन आरसी भार्गव ने कहा कि यह निवेश कंपनी के सालाना 40 लाख इकाई उत्पादन के लक्ष्य को पूरा करने के लिए किया जाएगा। भार्गव ने कहा कि 40 लाख इकाई क्षमता का विस्तार, सभी सहायक बुनियादी ढांचे और अनुसंधान एवं विकास तथा नई प्रौद्योगिकियों में निवेश के साथ, इन सभी के लिए काफी धन की जरूरत होगी। गुजरात में स्थापित होने वाले दूसरे संयंत्र को अंतिम रूप देने पर भार्गव ने कहा कि हम जीएसटी परिषद की बैठक (4 सितंबर को) के बाद इस पर स्पष्ट उत्तर दे पाएंगे क्योंकि उसके बाद हर कोई यह अनुमान लगाएगा कि जीएसटी संबंधी निर्णयों का भविष्य की वृद्धि पर क्या प्रभाव पड़ने वाला है। कंपनी के दूसरे संयंत्र की घोषणा पिछले साल 35,000 करोड़ के निवेश के साथ हुई थी। सुजुकी समूह भारत में एक लाख करोड़ से अधिक का निवेश कर चुका है।

भारत के पास जनसांख्यिकी का लाभ व कुशल कार्यबल का बड़ा भंडार

मोदी ने कहा कि पिछले दशक में भारत में इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन में 500%, मोबाइल उत्पादन में 2,700% और रक्षा उत्पादन में 200% की वृद्धि हुई है। भारत के पास लोकतंत्र की ताकत, जनसांख्यिकी का लाभ और कुशल कार्यबल का बहुत बड़ा भंडार है। यह हमारे सभी साझेदारों के लिए लाभकारी है। मोदी ने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है। ऐसे समय में किसी भी राज्य को पीछे नहीं रहना चाहिए। हर राज्य को इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में आने वाले निवेशक यह सोचने पर मजबूर हो जाने चाहिए कि आखिर वह किस राज्य का रुख करें। मैं सभी राज्यों को सुधारों, विकासोन्मुखी नीतियों और सुशासन में प्रतिस्पर्धा करने के लिए आमंत्रित करता हूं। उन्होंने कहा कि भारत यहीं नहीं रुकने वाला है। हमने जिन क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन किया है, उनमें हमारा लक्ष्य और बेहतर प्रदर्शन करना है। इसलिए हम 'मिशन मैन्युफैक्चरिंग' पर जोर दे रहे हैं। आने वाले समय में हमारा ध्यान भविष्य के उद्योगों पर होगा।

100 देशों में किया जाएगा ई-वाहनों का निर्यात

भारत को 2047 तक एक विकसित देश बनाने के अपने संकल्प का उल्लेख करते हुए मोदी ने लोगों से देश की भावी पीढ़ियों के लिए इस स्वदेशी आंदोलन में शामिल होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि 2047 में हम भारत को ऐसा बनाएंगे कि आने वाली पीढ़ियां आपके त्याग एवं योगदान पर गर्व करेंगी। आपकी आने वाली पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए, आत्मनिर्भर भारत के मंत्र को साकार करने के लिए, मैं आज अपने देशवासियों को आमंत्रित कर रहा हूं। आइए, हम सब आगे बढ़ें और भारत को एक विकसित देश बनाएं। मोदी ने इस बात का जिक्र भी किया कि 2012 में गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर उनके कार्यकाल में मारुति सुजुकी को हंसलपुर में जमीन आवंटित की गई थी। उन दिनों भी मेरे मन में 'मेक इन इंडिया' और आत्मनिर्भर भारत का ही दृष्टिकोण था। आज 'मेक इन इंडिया' पहल के लिए एक बड़ा दिन है क्योंकि देश में बने ई-वाहनों का निर्यात 100 देशों में किया जाएगा।

बिजनेस ब्रीफ

होटल क्षेत्र की कमाई 12.9 प्रतिशत बढ़ी

मुंबई। भारत के अतिथ्य उद्योग में चालू वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में होटल के प्रत्येक कमरे से हुई आय में 12.9 प्रतिशत की सालाना वृद्धि हुई है। जेएलएल की 'होटल मोमेंटम इंडिया (एचएमआई) दूसरी तिमाही-2025' रिपोर्ट के अनुसार, आतिथ्य क्षेत्र ने सालाना आधार पर प्रति उपलब्ध कमरे की आमदनी में 12.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। पिछली तिमाही के आधार पर इसमें 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई। होटल के प्रत्येक कमरे से हुई आय की वृद्धि के मामले में बेंगलुरु 29.4 प्रतिशत के साथ सबसे आगे रहा। जेएलएल की वरिष्ठ उपाध्यक्ष (होटल एवं आतिथ्य समूह, भारत) रूपा जॉर्ज ने कहा कि कुछ तिमाहियों में उद्योग ने अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की है।

इटर्नल पर 40 करोड़ का कर एवं जुर्माना

नई दिल्ली। जोमैटो और ब्लिंकिट ब्रांड का स्वामित्व रखने वाली कंपनी इटर्नल को जीएसटी विभाग से तीन नोटिस मिले हैं। इनमें ब्याज और जुर्माना सहित कुल 40 करोड़ रुपये से अधिक की कर मांग की गई है। ये नोटिस संयुक्त आयुक्त-4 बेंगलुरु से जुलाई 2017 से मार्च 2020 तक की अवधि के लिए प्राप्त हुए हैं। इटर्नल के चार प्रमुख व्यवसाय जोमैटो, ब्लिंकिट, डिस्ट्रिक्ट और हाइपरप्योर हैं। कंपनी ने कहा कि वह कर मांग नोटिस के खिलाफ अपील दायर करेगा। इटर्नल शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि कंपनी को 25 अगस्त 2025 को जुलाई 2017 से मार्च 2020 की अवधि के लिए संयुक्त आयुक्त अपील-4 (बेंगलुरु) द्वारा पारित तीन नोटिस मिले हैं।

ओला ने पीएलआई प्रमाणन किया हासिल

नई दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक के जनरेशन-3 स्कूटर खंड को मोटर वाहन एवं उसके घटकों के क्षेत्र के उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत प्रमाणन प्राप्त हुआ है। ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई) ने ओला के सात- एस1 जनरेशन-3 स्कूटर को प्रमाणन दिया है। बेंगलुरु स्थित कंपनी ने कहा कि ओला इलेक्ट्रिक का जनरेशन-2 और 3 स्कूटर खंड अब पीएलआई-प्रमाणित हो गया है।

सेल ने की नौसेना को विशेष इस्पात की आपूर्ति

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लि. (सेल) ने भारतीय नौसेना के दो नए युद्धपोत आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि के लिए 8,000 टन विशेष इस्पात की आपूर्ति की है। सेल ने भारतीय नौसेना के इन दोनों उन्नत युद्धपोत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कंपनी ने अपने बोकारो, भिलाई और राउरकेला इस्पात संयंत्र से खास किस्म की इस्पात की चादरें और प्लेट्स बनाईं तथा उन्हें मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) को दिया।

कानूनी कार्रवाई का इरादा नहीं : गेम्सक्राफ्ट

नई दिल्ली। ऑनलाइन गेमिंग मंच गेम्सक्राफ्ट ने मंगलवार को कहा कि वह नए ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन अधिनियम 2025 को कानूनी चुनौती नहीं देगा, बल्कि नए कानून के अनुरूप भविष्य की रणनीति पर ध्यान केंद्रित करेगा। कंपनी ने कहा कि उसने 21 अगस्त से अपने रम्मी मंच पर सभी वास्तविक 'रियल मनी' वाली 'गेमप्ले' और 'एड कैश' सेवाओं को बंद कर दिया है। गेम्सक्राफ्ट के प्रवक्ता ने कहा, एक जिम्मेदार एवं कानून का पालन करने वाली कॉर्पोरेट इकाई के रूप में गेम्सक्राफ्ट का इस कानून को कानूनी चुनौती देने का कोई इरादा नहीं है।

श्रीजी शिपिंग ग्लोबल का शेयर हुआ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। पोत परिवहन एवं लॉजिस्टिक समाधान प्रदान करने वाली कंपनी श्रीजी शिपिंग ग्लोबल लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 252 रुपये से आठ प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर निर्गम मूल्य से 7.87 प्रतिशत की बढ़त के साथ 271.85 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। एनएसई पर इसने 7.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 270 रुपये पर शुरुआत की। कंपनी का बाजार मूल्यांकन एनएसई पर 4,268.46 करोड़ रुपये रहा। श्रीजी शिपिंग ग्लोबल लिमिटेड के 411 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली के अंतिम दिन गत बृहस्पतिवार को 58.10 गुना अभिदान मिला था। इसके लिए मूल्य दायरा 240-252 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था।

केंद्र ने सीमित की गेहूं का स्टॉक रखने की सीमा

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने मंगलवार को जमाखोरी और कीमतों में वृद्धि को रोकने के लिए थोक विक्रेताओं, छोटे और बड़े खुदरा विक्रेताओं के लिए गेहूं का स्टॉक रखने की सीमा मानदंडों को और सख्त कर दिया है। खाद्य मंत्रालय ने कहा कि त्योहारी मौसम से पहले गेहूं की कीमतों को नियंत्रित करने के निरंतर प्रयासों के तहत, केंद्र ने 31 मार्च 2026 तक लागू गेहूं की स्टॉक सीमा को संशोधित करने का निर्णय लिया है।

मानदंडों के अनुसार, थोक विक्रेताओं को तीन हजार के बजाय दो हजार टन गेहूं का स्टॉक रखने की अनुमति है। खुदरा विक्रेता प्रत्येक बिक्री केंद्र के लिए 10 के बजाय आठ टन, जबकि बड़ी खुदरा श्रृंखला के विक्रेता केंद्र भी 10 टन के बजाय आठ टन गेहूं रख सकते हैं। प्रसंस्करणकर्ताओं को चालू वित्त वर्ष के बाकी महीनों से गुणा करके अपनी मासिक स्थापित क्षमता के 70 के बजाय 60 प्रतिशत तक गेहूं

- जमाखोरी और कीमतों में वृद्धि रोकने के लिए सरकार ने मानदंडों को किया सख्त

स्टॉक रखने की अनुमति होगी। वर्ष 2025 में सरकार ने गेहूं की स्टॉक सीमा में दो बार संशोधन किया। ताजा आदेश 31 मार्च, 2026 तक मान्य है। मंत्रालय ने कहा कि सभी भंडारण संस्थाओं को गेहूं स्टॉक सीमा को सरकारी पोर्टल पर दर्ज कराना और हर शुक्रवार को स्टॉक की स्थिति अद्यतन करना आवश्यक है। यदि संस्थाओं के पास स्टॉक निर्धारित सीमा से अधिक है, तो उन्हें अधिसूचना जारी होने के 15 दिनों के भीतर मात्रा को निर्धारित स्टॉक सीमा तक लाना होगा।

अंतर-मंत्रालयी बैठक में इस्पात उत्पादन व निर्यात बढ़ाने पर चर्चा

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि लौह अयस्क और इस्पात का उत्पादन एवं निर्यात बढ़ाने के उपायों पर चर्चा के लिए अंतर-मंत्रालयी बैठक हुई।

लौह अयस्क और इस्पात उत्पादन बढ़ाने के लिए सुधारों पर हुई बैठक में कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव, वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री जितिन प्रसाद और ओडिशा के मंत्री विभूति भूषण जेना शामिल हुए। गोयल ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि विचार-विमर्श के दौरान उत्पादन और निर्यात को बढ़ावा देने, लागत को युक्तिसंगत बनाने, क्षमता उपयोग को महत्तम करने और कारोबारी सुगमता बढ़ाने पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि मजबूत सरकार-उद्योग सहयोग और समन्वय के जरिये भारत लौह एवं इस्पात उद्योग के लिए एक प्रतिस्पर्धी, लचीला और टिकाऊ माहौल बना रहा है।

अमेरिकी शुल्क से पहले शेयर बाजार धड़ाम

मुंबई, एजेंसी

अमेरिका के भारतीय उत्पादों पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क लगाने पर एक मसौदा नोटिस जारी करने के बाद मंगलवार को शेयर बाजारों में चौतरफा बिकवाली हुई और प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स 849 अंक टूटकर 81,000 अंक से नीचे आ गया। इसके अलावा विदेशी कोषों की लगातार बिकवाली और कमजोर वैश्विक रुझान ने भी निवेशकों की धारणा को कमजोर किया।

बीएसई का सेंसेक्स 849.37 अंक गिरकर 80,786.54 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 25 शेयर गिरावट के साथ और पांच बढ़त के साथ बंद हुए। कारोबार के दौरान सेंसेक्स में 949.93 अंक की भारी गिरावट आई थी। वहीं, एनएसई का निफ्टी 255.70 अंक टूटकर 24,712.05 अंक पर बंद हुआ। यह सत्र के दौरान 278.15 अंक टूटा था। रियल्टी, फार्मा, बैंकिंग और धातु शेयरों में बिकवाली का सबसे अधिक असर पड़ा, जबकि एफएमसीजी शेयरों ने मामूली बढ़त से अपेक्षाकृत मजबूती दिखाई।

विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फेडरल रिजर्व के गवर्नर को बर्खास्त करने के बाद विदेशी कोषों की लगातार बिकवाली ने भी निवेशकों की धारणा को कमजोर किया। अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर 25% अतिरिक्त शुल्क लागू करने के लिए मसौदा आदेश जारी किया है, जिसकी घोषणा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस महीने की शुरुआत में की थी। रेलिगेयर ब्रोकिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा कि अतिरिक्त शुल्क लागू करने की समयसीमा से पहले सतर्कता के कारण बाजार की धारणा काफी हद तक कमजोर रही, जिसका निर्यात-संवेदनशील क्षेत्रों पर भारी असर पड़ा।

- चौतरफा बिकवाली के कारण सेंसेक्स 849 अंक टूटकर 81,000 अंक से नीचे आया

स्मॉल व मिडकैप भी गिरे

बीएसई का स्मॉलकैप 1.68, मिडकैप 1.34 प्रतिशत गिरा। क्षेत्रवार बात करें तो रियल्टी में 2.24, धातु में 2.10, दूरसंचार में 2.04, ऊर्जा में 1.68, स्वास्थ्य सेवा में 1.65, उपयोगिताओं में 1.61, औद्योगिक उत्पादों में 1.59 और बिजली में 1.53 प्रतिशत की गिरावट आई। केवल एफएमसीजी ही लाभ में रहे। एशिया के अन्य बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग, जापान का निक्की, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और चीन का शंघाई कम्पोजिट नुकसान में रहे। दोपहर के कारोबार में यूरोपीय बाजार नुकसान में थे। अमेरिकी बाजार सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुए थे।

निवेशकों के 5.41 लाख करोड़ रुपये डूबे

नई दिल्ली। शेयर बाजारों में भारी गिरावट से मंगलवार को निवेशकों के 5.41 लाख करोड़ रुपये डूब गए। भारतीय उत्पादों पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क संबंधी नोटिस जारी होने से चौतरफा बिकवाली के दबाव रहा। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 5.41 लाख करोड़ रुपये घटकर 449.45 लाख करोड़ रुपये रह गया। सेंसेक्स के शेयरों में सन फार्मास्युटिकल, टाटा स्टील, ट्रेंट, बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक, टेक महिंद्रा, अदाणी पोर्ट्स, टाइटन, बीईएल और लार्सन एंड टुब्रो में उल्लेखनीय गिरावट हुई। दूसरी ओर हिंदुस्तान यूनिलीवर, मारुति सुजुकी इंडिया, आईटीसी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए।

जीएसटी में सुधारों से वृद्धि को मिलेगा बढ़ावा

कोलकाता, एजेंसी

आईटीसी लिमिटेड के चेयरमैन संजीव पुरी ने प्रधानमंत्री मोदी के माल एवं सेवा कर (जीएसटी) ढांचे में सुधार के आह्वान की सराहना करते हुए मंगलवार को कहा कि इस कदम से उपभोग, निवेश, वृद्धि और रोजगार का एक अच्छा चक्र शुरू होगा।

उन्होंने कहा कि खाद्यान्न सहित आवश्यक वस्तुओं की सामर्थ्य एवं सुलभता पर सरकार का ध्यान मध्यम वर्ग, सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) और किसानों को महत्वपूर्ण राहत प्रदान करेगा। पुरी ने कहा, दैनिक उपभोग की वस्तुओं की सामर्थ्य एवं सुलभता

- आईटीसी के चेयरमैन ने की प्रधानमंत्री के जीएसटी ढांचे में सुधार के आह्वान की सराहना

बढ़ाकर जीवन को आसान बनाने के सरकार के संकल्प से मध्यम वर्ग, एमएसएमई और किसानों को लाभ होगा। पारदर्शी, सरलीकृत एवं विकासोन्मुख कर संरचना से न केवल उद्यमों की प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार होगा, बल्कि कारोबार सुगमता एवं लागत दक्षता को भी बढ़ावा मिलेगा। पुरी ने कहा, प्रस्तावित उपाय अर्थव्यवस्था को संगठित बनाने, अधिक कर-अनुपालन वाले समाज का निर्माण करने एवं आत्मनिर्भर भारत की नींव को मजबूत करने में सक्षम होंगे। केंद्र ने जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने पर गठित मंत्रिसमूह के समक्ष योग्यता और मानक वस्तुओं व सेवाओं के लिए 5 और 18% की द्वि-स्तरीय कर संरचना के साथ 5-7 वस्तुओं के लिए 40% की दर का प्रस्ताव रखा है। इसमें मौजूदा 12-28% कर 'स्लैब' को समाप्त करना शामिल है। इससे अमेरिकी शुल्क से निपटने और अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में मदद मिलेगी।

शुल्क से तिरुपुर, नोएडा, सूरत की निर्यात इकाइयों ने उत्पादन रोका

नई दिल्ली। निर्यातकों के शीर्ष निकाय फियो ने मंगलवार को भारतीय वस्तुओं पर उच्च अमेरिकी शुल्क पर गंभीर चिंता जताई और कहा कि तिरुपुर, नोएडा तथा सूरत के कपड़ा विनिर्माताओं ने इन भारी शुल्कों के कारण उत्पादन रोक दिया है। भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी शुल्क 27 अगस्त से बढ़कर 50% हो जाएगा।

भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) के अध्यक्ष एससी रल्हन ने कहा कि इस कदम से भारतीय वस्तुओं का निर्यात बाजार बाधित होगा। उन्होंने इसको झटका बताते हुए कहा कि इससे अमेरिका को भारत के निर्यात पर गंभीर असर पड़ सकता है। भारत का ज्यादातर निर्यात अब चीन, वियतनाम, कंबोडिया, फिलिपीन और अन्य दक्षिण-पूर्वी तथा दक्षिण एशियाई देशों की तुलना में कम प्रतिस्पर्धी होगा। फियो, अमेरिका के भारतीय सामानो पर अतिरिक्त 25% शुल्क लगाने पर चिंता व्यक्त करता है, जिससे कई निर्यात श्रेणियों पर कुल शुल्क 50 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा।

ग्रासिम का बाजार पूंजीकरण दो लाख करोड़ के करीब : बिड़ला

नई दिल्ली, एजेंसी

आदित्य बिड़ला समूह की प्रमुख कंपनी ग्रासिम इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) दो लाख करोड़ रुपये के करीब है। कंपनी के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने मंगलवार को कंपनी की 78वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में यह जानकारी दी।

ग्रासिम ने वित्त वर्ष 2019-20 और वित्त वर्ष 2024-25 के बीच पांच वर्षों में 67,000 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय किया है। बिडला ने कहा कि इसमें से 51,000 करोड़ मुख्य क्षेत्रों के विकास, रणनीतिक निकटता, डिजिटल नवाचार और स्थिरता से जुड़ी परियोजनाओं के लिए निर्देशित किए गए, जिससे हमारे नेतृत्व को मजबूती मिली और भविष्य के लिए लचीलापन पैदा हुआ। शेयरधारकों से बिड़ला ने कहा कि आपकी कंपनी ने एक नया शिखर छुआ है तथा अबतक के उच्चतम बाजार पूंजीकरण 1,95,000 करोड़ पर है, जो अब 2,00,000 करोड़ के लक्ष्य के करीब है। हमारा एकीकृत राजस्व बढ़कर 1,50,000 करोड़ के उच्चस्तर पर पहुंच गया, जो उद्यम के पैमाने, जुझारू क्षमता और गति का प्रमाण है।

- कंपनी की 78वीं आम बैठक में चेयरमैन कुमार मंगलम बोले- 67,000 करोड़ का किया पूंजीगत व्यय

अपंजीकृत सलाहकारों पर सेबी ने तेज की कार्रवाई

कोलकाता, एजेंसी

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने मंगलवार को कहा कि वह बड़े आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को आसान बनाने और धोखाधड़ी के खिलाफ निवेशकों की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण सुधार कर रहा है।

सेबी के पूर्णकालिक निदेशक कमलेश चंद्र वार्ष्णेय ने कहा कि नियामक ने परामर्श पत्र जारी किया है, जिसमें अत्यधिक बड़ी कंपनियों के लिए 25% सार्वजनिक शेयरधारिता को हासिल करने की समयसीमा बढ़ाकर 10 वर्ष करने का प्रस्ताव है। इस समय कंपनियों को सूचीबद्ध होने के पांच वर्षों के भीतर इसको पूरा करना होता है। इस ढील से एनएसई (नेशनल स्टॉक एक्सचेंज) जैसे बड़े आईपीओ को लाना अधिक आसान होगा।

- विनिमय बोर्ड का बड़े आईपीओ के लिए नियमों में ढील देने का प्रस्ताव

सेबी उन अपंजीकृत सलाहकारों और वित्तीय मामलों में प्रभाव डालने की क्षमता रखने वालों पर भी कार्रवाई तेज कर रहा है, जो सोशल मीडिया के जरिये खुदरा निवेशकों को गुमराह करते हैं। नियामक ने विज्ञापन सत्यापन प्रक्रिया के लिए मेटा से साझेदारी की है, ताकि केवल पंजीकृत इकाइयां ही बाजार से संबंधित सामग्री का प्रचार करें। दूसरे मंचों के साथ भी इस तरह की साझेदारी करने पर काम जारी है।

बाजार की नई चाल | एल्युमीनियम और अन्य धातु के बर्तनों को लेकर स्वास्थ के प्रति सचेत लोगों का रुझान हो रहा कम

जायके संग सेहत का ख्याल रखते हैं तांबा-पीतल के बर्तन

नीरज मिश्र, लखनऊ

अमृत विचार। स्वास्थ्य को लेकर जागरूक (हेल्थ कांशियस) लोगों के लिए यह एक अच्छी खबर है। ये खबर धातु के उन बर्तनों से जुड़ी है जो जायके के साथ आपकी सेहत का भी ख्याल रखेंगे। कुछ साल से हेल्थ कांशियस लोगों को ध्यान में रखते हुए बाजार में तांबे और पीतल के बर्तनों की चमक बढ़ती जा रही है।

लोगों अब एल्युमीनियम और अन्य धातु के बजाय तांबे, पीतल और फूल जैसे धातु से बनी चीजों को पसंद कर रहे हैं। व्यापारियों के मुताबिक पीतल का कुकर आ चुका है तो तांबा भी इसको बना रहा है। बर्तन बाजार में स्टील और अन्य धातु वाले बर्तनों के साथ ही पीतल और तांबे के बर्तनों ने भी धूम मचा रखी है।

बर्तनों की रेंज	कीमत रुपयों में
पकाने वाले बर्तन	1,650 से लेकर 2,500
डिजाइनर गिलास	1,050 से 1,500
जग और मग	1,200 से 1,500
प्रेशर कुकर तांबा	5,000 से 6,000
प्रेशर कुकर पीतल	4,000 से 5,000
गिलास	350 से 450

तांबा और पीतल के बर्तनों का अलग बाजार

दरअसल अब धीरे-धीरे लोग अपने स्वास्थ्य प्रति ज्यादा गंभीर होते जा रहे हैं। ऐसे में मेटल के बर्तनों के चयन में भी उनका खासा ध्यान रहता है। लोग सेहत के लिहाज से उपयुक्त मेटल के बर्तन को पसंद कर रहे हैं। पीतल और तांबे के बर्तनों को लेकर लोग गंभीर हैं। तांबे के जग में कुछ घंटे पानी रखकर उसे तांबे के गिलास से ही पीने की परंपरा अब घर-घर पहुंच गई है। बाजार तमाम आइटम से भरे पडे हैं। चाहे वह गिलास हो बोतल हो थाली हो या फिर कटोरी चम्मत, पकाने के आइटम आदि चीजें। तमाम आइटम अब लोग रोजमर्रा के उपयोग में लेने के लिए खरीद रहे हैं।

-हरीश चंद्र अग्रवाल, अध्यक्ष मेटल एसोसिएशन

लोगों में काफी लोकप्रिय

कारोबारी हरीश चंद्र अग्रवाल बताते हैं कि ये बर्तन अपना पुराना अंदाज छोड़कर नया रंगरूप धारण कर चुके हैं। इसके आकर्षक डिजाइन, विशेष रंग लोगों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। लोग जायके के साथ अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होते जा रहे हैं। खाना पकाना हो या फिर उसे परोसना सभी में इनका उपयोग हो रहा है।

समारोह में हो रहे प्रयोग

कारोबारी कहते हैं कि अब तो कैटर्स भी नए-नए डिजाइन के बर्तन आर्डर कर रहे हैं। इनमें खाना परोसने वाले बर्तन ज्यादा होते हैं। उनका कहना है कि शादी या अन्य समारोह में सजावट के साथ इन बर्तनों की चमक कुछ अलग होती है। कुक एंड सर्व की खास डिजाइन वाले कुकर खूब पसंद किए जाते हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

द्रुज्बा पाइपलाइन पर हमले से हंगरी नाराज

बुडापेस्ट। हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान ने एक बार फिर यूक्रेन पर निशाना साधते हुए कहा कि वह जबरन वसूली, धमकियों और तटस्थ देशों को समर्थन देने के लिए मजबूर करने हेतु ईंधन एवं ऊर्जा के मार्गों पर बमबारी करके यूरोपीय संघ में प्रवेश नहीं कर सकता। यूक्रेन ने द्रुज्बा तेल पाइपलाइन पर हमला करके उसे नष्ट करने की कोशिश की है। आरटी की रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री ओरबान ने यूक्रेनी सेना पर जानबूझकर पाइपलाइन को निशाना बनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह बुडापेस्ट की ऊर्जा सुरक्षा पर एक लक्षित हमला था। क्योंकि हम उनकी यूरोपीय संघ की सदस्यता का समर्थन नहीं करते हैं। यह बमबारी यूक्रेन के 34वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर हुई।

इमरान जेल में सुविधाएं न मिलने पर हुए खफा

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने पुलिस में एक शिकायत दायर कर पंजाब की मुख्यमंत्री मरयम नवाज और वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के खिलाफ जेल में उन्हें बुनियादी सुविधाएं देने से इन्कार करने का मामला दर्ज करने की मांग की है। क्रिकेटर से नेता बने 72 वर्षीय खान अगस्त 2023 से जेल में हैं। उन पर कई मुकदमे दर्ज हैं। फ़िलहाल, वह रावलपिंडी की अडियाला जेल में हैं। मरयम और आठ अन्य जेल अधिकारियों के खिलाफ अपनी शिकायत में खान ने रावलपिंडी के पुलिस प्रमुख को लिखा कि उनके इशारे पर उन्हें जेल में बुनियादी सुविधाओं से भी वंचित रखा जा रहा है।

ऑस्ट्रेलिया : गोलीबारी में दो अफसरों की मौत

वेलिंगटन। ऑस्ट्रेलिया के एक ग्रामीण इलाके में मंगलवार को एक संपत्ति का निरीक्षण करने गई पुलिस को निशाना बनाकर की गई गोलीबारी में दो पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। अधिकारियों ने बताया कि हमलावर फरार है। गोलीबारी की घटना दोपहर के समय हुई जब पुलिस पोरेपुंका में एक संपत्ति का निरीक्षण करने गई थी। पोरेपुंका, मेलबर्न से 320 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित है जिसकी आबादी 1,000 से थोड़ी ही ज्यादा है।

दक्षिण अफ्रीका में सिख समुदाय की शांति पहल

जोहानिसबर्ग। सिख समुदाय द्वारा अंतर-धार्मिक सद्भाव को बढ़ावा देने और पूरे अफ्रीकी महाद्वीप में शांति स्थापना के लिए आयोजित कार्यक्रम में 300 से अधिक धार्मिक नेता एकत्र हुए। रविवार शाम सैंडटन में हुए इस कार्यक्रम का विषय था 'विश्वासों को जोड़ना : अफ्रीका में अंतरधार्मिक सद्भाव के माध्यम से शांति को बढ़ावा देना'। आयोजकों ने कहा कि अपनी तरह का यह पहला आयोजन पूरे महाद्वीप में शांति और सहयोगात्मक आध्यात्मिकता को बढ़ावा देने में आधारशिला बनेगा।

नेपाल : हिंदू महिलाओं ने उपवास रखकर मनाई हरितालिका तीज

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल की हिंदू महिलाओं ने मंगलवार को उपवास, प्रार्थना और भगवान शिव की पूजा कर हरितालिका तीज का त्योहार मनाया और अपने परिवार के कल्याण, समृद्धि और दीर्घायु की कामना की।

विवाहित महिलाएं इस अवसर पर लाल साड़ी, कांच के मोतियों की हार (पोटे), सोने के आभूषण (तिलहरी) और सौभाग्य के प्रतीक सिंदूर लगाकर पति की लंबी उम्र के लिए उपवास किया। कई अविवाहित लड़कियों ने भी योग्य वर की कामना करते हुए व्रत रखा। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने इस अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं और तीज को 'भक्ति, संयम और आत्म-अनुशासन' का त्योहार बताया।

तीज के अवसर पर काठमांडू स्थित पशुपतिनाथ मंदिर सहित प्रमुख शिव मंदिरों में महिला श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई।

हिंदू माह भाद्रपद के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाने वाला तीन दिवसीय त्योहार तीज की पूर्व संध्या पर डार (चावल की खीर, फल, मिठाई, दही और अन्य व्यंजनों का भोज) के साथ शुरू हुआ। महिलाएं तृतीया को उपवास रखती हैं, सुबह स्नान और भगवान शिव को समर्पित संध्याकालीन पूजा करती हैं।

हर सप्ताह करीब 150 महिलाएं गंवाती हैं जान

दहेज का राक्षस

ग्रेटर नोएडा के सिरसा गांव में निक्की नाम की युवती को जिंदा जलाकर मार देने की घटना ने एक बार फिर देश में दहेज के लिए बेटियों पर अत्याचार के सवाल को सुर्खियों में ला दिया है। कई दशकों से भारत में दहेज उत्पीड़न एक गहरी सामाजिक समस्या है जो सांस्कृतिक परंपराओं और आर्थिक असमानता के साथ जुड़ी है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक देश में हर साल दहेज उत्पीड़न के औसतन 90 हजार मामले दर्ज किए जाते हैं। हर साल साढ़े छह हजार से ज्यादा मौतें होती हैं, जिनमें करीब 50 प्रतिशत हत्याएं और इतनी ही आत्महत्याएं होती हैं जो साफ इशारा करती हैं कि भारत में दहेज उत्पीड़न अभी भी गंभीर समस्या है। सख्त कानून होने के बावजूद सामाजिक मानसिकता के कारण यह प्रथा पूरी तरह खत्म नहीं हो पाई है। दहेज उत्पीड़न की तमाम घटनाएं सामाजिक दबाव और लोकलाज की वजह से छिपी भी रह जाती हैं।

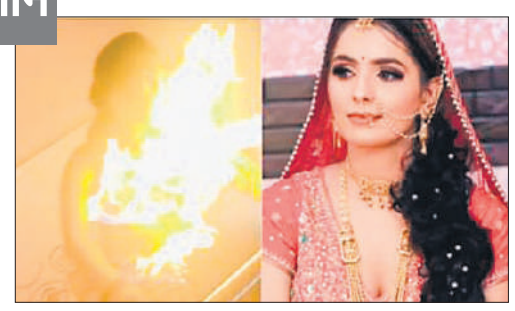

देश में दहेज की विभीषिका

- एनसीआरबी के मुताबिक देश में दहेज उत्पीड़न से संबंधित साढ़े छह हजार मामले रोज दर्ज होते हैं।
- हर दिन करीब 20 महिलाओं की हत्या होती है यानी हर सप्ताह करीब 150 महिलाएं जान गंवाती हैं।
- पारिवारिक न्यायालयों के आंकड़ों के मुताबिक 15 से 20 प्रतिशत शादियां दहेज के कारण टूट जाती हैं।
- वर्ष 2012 में पूरे देश में दहेज हत्या के 8,233 मामले दर्ज किए गए थे, अब तक ये आंकड़ा सर्वाधिक है।

फर्जी केस भी

- दहेज उत्पीड़न रोकने के लिए बने कानूनों के दुरुपयोग पर सुप्रीम कोर्ट कई बार टिप्पणी कर चुका है।
- एनसीआरबी के अनुसार दर्ज होने वाले मामलों में से करीब 15-20% मामले कोर्ट में झूठे साबित होते हैं।
- वर्ष 2014 में सुप्रीम कोर्ट ने दिशा-निर्देश जारी किए थे कि ऐसे मामलों में गिरफ्तारी से पहले जांच की जाए।

सुर्खियों में रहीं ये घटनाएं

- वर्ष 1998 में दिल्ली में निर्मला देवी को ससुराल वालों ने जिंदा जला दिया था। इसके बाद दहेज प्रतिषेध अधिनियम को और कड़ा बनाया गया था।
- दिल्ली में ही वर्ष 2014 में आनंदिता दास की भी दहेज के लिए हत्या की गई जो काफी सुर्खियों में रही थी। आनंदिता एमबीए की छात्रा भी थी।
- केरल में 2020 में 24 वर्षीय डॉक्टर अखिला को पति और ससुराल वालों ने दहेज की मांग पूरी न होने पर आत्महत्या के लिए मजबूर कर दिया।

क्या कहता है कानून

- दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961 के मुताबिक दहेज लेना, देना और मांगना संगीन अपराध है।
- पति या किसी रिश्तेदार की ओर से दहेज के लिए मानसिक शारीरिक उत्पीड़न पर सजा का प्रावधान।
- दहेज संबंधी मौतों के लिए 7 साल से लेकर आजीवन कारावास तक की हो सकती है सजा।
- मदद के लिए महिला हेल्पलाइन 181, महिला आयोग और महिला पुलिस स्टेशन जैसी संस्थाएं।

दहेज उत्पीड़न पर दहेज, वाटर, पार्च्ड आदि कई फिल्में बनी हैं। उपन्यास सम्राट प्रेमचंद ने गोदान और निर्मला जैसे उपन्यासों में भी इस कुरीति को प्रमुखता से चित्रित किया है।

दूसरे देशों में भी ऐसी कुरीतियां

- पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल समेत कई पड़ोसी देशों में भी भारत जैसी दहेज संस्कृति है, वहां भी दहेज उत्पीड़न और हत्याओं की घटनाएं होती हैं।
- युगांडा, नाइजीरिया जैसे अफ्रीकन देशों में ब्राइड प्राइस के तहत लड़की के परिवार को धन व पशु दिए जाते हैं ये परंपरा कई बार हिंसा की वजह बनती है।
- मध्य एशिया के देश किर्गिस्तान और कजाकिस्तान में वर्षों पुरानी कुछ ऐसी प्रथाएं हैं जिनमें शादी के लिए जबरन लड़कियों का अपहरण किया जाता है।

एससीओ घोषणापत्र में आतंकवाद की निंदा की कोशिशों में जुटा भारत

बैठक में भाग लेने चीन जा रहे मोदी कई देशों के साथ करेंगे द्विपक्षीय बातचीत

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत सरकार ने मंगलवार को उम्मीद जताई कि शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) अगले हफ्ते चीन के तियानजिन शहर में होने वाले अपने वार्षिक शिखर सम्मेलन में सीमा पार आतंकवाद की कड़ी निंदा करेगा। यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चीन यात्रा से पहले आई है।

मोदी 29 अगस्त से एक सितंबर तक जापान और चीन की चार दिवसीय यात्रा पर रहेंगे। अपनी यात्रा के पहले चरण में वह प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा के साथ वार्षिक भारत-जापान शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए तोक्यो जाएंगे। दोनों प्रधानमंत्री तोक्यो के बाहर भी मिलेंगे। जापान यात्रा समाप्त करने के बाद मोदी 31 अगस्त और एक सितंबर को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए तियानजिन जाएंगे।

एक संयुक्त प्रेसवार्ता में विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) तन्मय लाल ने कहा कि नई दिल्ली, शिखर सम्मेलन की घोषणा में आतंकवाद की कड़ी निंदा सुनिश्चित करने के लिए अन्य एससीओ सदस्य देशों और भागीदारों के साथ काम कर रहा है। उन्होंने कहा, एससीओ की स्थापना आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद जैसी तीन बुराइयों का मुकाबला करने के प्राथमिक लक्ष्य के साथ की गई थी, जो आज भी एक चुनौती बनी हुई है।

लाल ने कहा कि क्षेत्र की सुरक्षा एससीओ सदस्यों के लिए प्राथमिकता बनी हुई है और उन्होंने कट्टरपंथ, उग्रवाद और आतंकवाद का मुकाबला करने पर एक संयुक्त वक्तव्य का स्मरण किया जिसे 2023 में समूह की भारत की अध्यक्षता के दौरान अपनाया गया था। उन्होंने कहा, अतीत में जिन वक्तव्यों को अंतिम रूप दिया गया है, उनमें सीमा पार आतंकवाद सहित अन्य तरह के आतंकवाद की कड़ी निंदा की गई है, जिसमें वह संयुक्त वक्तव्य भी शामिल है जिसका मैंने उल्लेख किया है, जिसे शिखर सम्मेलन की हमारी अध्यक्षता के दौरान अंतिम रूप दिया गया था।

उन्होंने कहा, अभी इस शिखर सम्मेलन के घोषणापत्र के मसौदे को अंतिम रूप दिया जा रहा है। हम अन्य सदस्यों और साझेदारों के साथ यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि सीमा पार आतंकवाद सहित अन्य आतंकवाद की फिर से कड़ी निंदा की जाए। लेकिन पाठ को अभी अंतिम रूप दिया जा रहा है। लाल की यह टिप्पणी इस सवाल के जवाब में आई कि एससीओ आतंकवाद के खतरे से कैसे निपटेगा।

मोदी की जापान और चीन यात्रा के बारे में जानकारी देते विदेश सचिव विक्रम मिसरी।

शिखर सम्मेलन से अलग चिनफिंग से मिलेंगे मोदी

एससीओ शिखर सम्मेलन से इतर मोदी के चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक करने की उम्मीद है। यह पूछे जाने पर कि क्या प्रधानमंत्री रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे, मिसरी ने कहा कि मोदी की बैठकों को अभी अंतिम रूप दिया जा रहा है। 29 और 30 अगस्त को मोदी की जापान यात्रा के बारे में उन्होंने कहा कि इससे सहयोग के नए रास्ते खुलेंगे और हिंद-प्रशांत क्षेत्र तथा उसके बाहर शांति, समृद्धि और स्थिरता के लिए साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि होगी। यह लगभग सात वर्षों में मोदी की पहली जापान यात्रा होगी। विदेश सचिव मिसरी ने कहा कि मोदी की जापान यात्रा पूरी तरह से द्विपक्षीय एजेंडे के प्रति समर्पित होगी।

भरोसा है युद्ध समाप्त कराने में योगदान देगा भारत : जेलेंस्की

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने देश के स्वतंत्रता दिवस पर बधाई देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मंगलवार को आभार व्यक्त किया और कहा कि कीव को रूस के साथ युद्ध समाप्त कराने संबंधी भारत के योगदान पर भरोसा है। जेलेंस्की ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यूक्रेन शांति के प्रति भारत के समर्पण की सराहना करता है। अब जब पूरी दुनिया इस भयानक युद्ध को गरिमामय तरीके और स्थाई शांति के साथ समाप्त कराने का प्रयास कर रही है, हमें भारत के योगदान पर भरोसा है। उन्होंने कहा, कूटनीति को मजबूत करने वाला प्रत्येक निर्णय न केवल यूरोप बल्कि हिंद-प्रशांत और उससे परे भी बेहतर सुरक्षा की ओर ले जाता है।

चीन ने जापान के बयान पर जताई नाराजगी

बीजिंग। चीन के 80वें विजय दिवस में अन्य देशों से शामिल न होने के जापान के आह्वान को चीन ने गंभीरता से लेते हुए गहरी नाराजगी जताई है। जापान ने दूतावासों के माध्यम से देशों से आहवान किया है कि चीन के विजय दिवस समारोह में न जाएं, क्योंकि यह जापान पर विजय के उपलक्ष्य में आयोजित होता है और जापान के विरुद्ध है। जापान ने इन देशों से यह भी कहा है कि इस समारोह में भाग लेने से पहले वे इस विषय में एक बार सोचें।

सुंदरता का मुकाबला

मिस टीन इंटरनेशनल 2025 की प्रतिभागियों ने मंगलवार को आगरा में ताजमहल के भ्रमण के दौरान तस्वीर खिंचवाई।

खराब मौसम: स्पेसएक्स ने रद्द किया स्टारशिप का प्रक्षेपण

लॉस एंजिल्स। अमेरिकी निजी अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स ने प्रतिकूल मौसम के कारण सोमवार को अपने शक्तिशाली स्टारशिप रॉकेट का 10वां उड़ान परीक्षण रद्द कर दिया।

शुरुआत में प्रक्षेपण टेक्सास में कंपनी की स्टारबेस सुविधा से रविवार के लिए निर्धारित थी लेकिन इसमें समस्या आने के कारण स्थगित कर दिया गया और सोमवार के लिए पुनर्निर्धारित किया गया था।

कल प्रक्षेपण की कोशिश को टी-माइनस 40 सेकंड पर रोक दिया गया जिसके बाद स्पेसएक्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी कि प्रतिकूल मौसम के कारण प्रक्षेपण रद्द कर दी गई है। स्पेसएक्स ने कहा कि टीम प्रक्षेपण के लिए अगले सर्वोत्तम उपलब्ध अवसर का पता लगा रही है।

ऑस्ट्रेलिया का ईरान पर यहूदी विरोधी हमले कराने का आरोप राजदूत को किया निष्कासित

मेलबर्न, एजेंसी

- ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स को घोषित करेगा आतंकी संगठन

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने ऑस्ट्रेलिया में कम से कम दो यहूदी विरोधी हमलों में ईरान का हाथ होने का आरोप लगाया और जवाब में मंगलवार को तेहरान के साथ राजनयिक संबंध खत्म कर लिए। उन्होंने कहा, ये ऑस्ट्रेलिया की धरती पर किसी अन्य राष्ट्र द्वारा रची गई असाधारण और खतरनाक आक्रामकता की घटनाएं थीं।

अल्बनीज ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई सुरक्षा खुफिया संगठन (एएसआईओ) ने निष्कर्ष निकाला है कि ईरान सरकार ने पिछले साल अक्टूबर में सिडनी में कोषेर (यहूदी धार्मिक कानूनों के अनुसार तैयार किया गया भोजन) खाद्य कंपनी 'लुईस कॉन्टिनेंटल किचन' और पिछले साल दिसंबर में मेलबर्न में अदस इजराइल आराधनालय पर हमले का निर्देश दिया था। ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग ने कहा कि द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद यह पहली बार है जब ऑस्ट्रेलिया ने किसी राजदूत को निष्कासित किया है। हमास और इजराइल के बीच 2023 में युद्ध शुरू होने के बाद से इन दोनों शहरों में यहूदी विरोधी घटनाओं में तेजी से वृद्धि हुई है। अल्बनीज ने कहा, ईरान ने अपनी संलिप्तता छिपाने की कोशिश की लेकिन एएसआईओ का आकलन है कि हमलों के पीछे ईरान का ही हाथ था। अब ऑस्ट्रेलिया ईरान के इस्लामिक 'रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' को आतंकवादी संगठन घोषित करने के लिए कानून बनाएगा।

फ्रांस: यहूदी विरोधी आरोपों पर अमेरिका का दूत तलब

पेरिस। फ्रांस के विदेश मंत्रालय ने यहूदी विरोधी आरोप लगने के बाद अमेरिकी राजदूत चार्ल्स कुशनर को तलब किया है। अमेरिकी राजदूत ने फ्रांस पर आरोप लगाया था कि उसने यहूदी-विरोधी भावना से निपटने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए। अमेरिकी राजदूत की टिप्पणी को फ्रांस के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप माना गया है जो वास्तविकता से कोसों दूर है।

श्रीलंका: पूर्व राष्ट्रपति विक्रमसिंघे को भ्रष्टाचार मामले में जमानत

कोलंबो। श्रीलंका की एक अदालत ने सरकारी धन के दुरुपयोग के मामले में पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को मंगलवार को जमानत दे दी। वे इस मामले में हिरासत में थे।

कड़ी सुरक्षा और अदालत परिसर के बाहर प्रदर्शनों के बीच विक्रमसिंघे ने कोलंबो के राष्ट्रीय अस्पताल की आईसीयू से डिजिटल माध्यम से सुनवाई में भाग लिया। सुनवाई 'कोलंबो फोर्ट मजिस्ट्रेट' निलुपुली लंकापुरा की अध्यक्षता में हुई। पूर्व राष्ट्रपति को पिछले सप्ताह शुक्रवार को सीआईडी ने गिरफ्तार किया था। 'कोलंबो फोर्ट मजिस्ट्रेट' अदालत में 26 अगस्त तक रिमांड की मंजूरी

- गिरफ्तारी के बाद तबीयत बिगड़ने से अस्पताल में भर्ती थे विक्रमसिंघे

पर शुक्रवार आधी रात उन्हें मुख्य 'मैगजीन रिमांड' जेल ले जाया गया। तबीयत बिगड़ने पर उन्हें राष्ट्रीय अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। विक्रमसिंघे पर 2023 में ब्रिटेन की एक निजी यात्रा के लिए 1.66 करोड़ श्रीलंकाई रुपये के सरकारी धन के दुरुपयोग का आरोप है।

नागरिक अशांति दबाने के लिए तैयार रहें नेशनल गार्ड: ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी

- एक स्थाई त्वरित प्रतिक्रिया बल का गठन करने का भी निर्देश

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि हर अमेरिकी प्रांत में नेशनल गार्ड किसी भी प्रकार की नागरिक अशांति से निपटने के लिए तैयार रहें।

व्हाइट हाउस की ओर से जारी बयान के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति ने रक्षा मंत्री से स्थायी त्वरित प्रतिक्रिया बल के गठन का आग्रह किया है कि जिसे इस तरह की अशांति के बारे में सूचना मिलने पर कहीं भी भेजा जा सके। यह आदेश रक्षा मंत्री को निर्देश देता है कि वे राष्ट्रीय राजधानी में जन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष डीसी नेशनल गार्ड इकाई का गठन करें। साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि राज्य के नेशनल गार्ड भी इसी तरह प्रशिक्षित हों और देशभर में नागरिक अशांति को दबाने में सहायता के लिए तैयार रहें। विगत 1 अगस्त को ट्रंप ने आपातकाल के बीच वाशिंगटन डीसी में 800 नेशनल गार्ड की तैनाती का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राजधानी के बाद वह न्यूयॉर्क, शिकागो, बाल्टीमोर, ऑकलैंड और लॉस एंजिल्स जैसे उच्च अपराध दर वाले अन्य शहरों में भी इसकी व्यवस्था बहाल करेंगे।

फेडरल रिजर्व की गवर्नर लिसा कुक बर्खास्त

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार देर रात फेडरल रिजर्व की गवर्नर लिसा कुक को बर्खास्त कर दिया। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। ट्रंप ने कहा कि वह कुक को इसलिए बर्खास्त कर रहे हैं क्योंकि उन पर संपत्ति ऋण धोखाधड़ी का आरोप है। कुक पर यह आरोप ऋण क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों 'फैने मेई' और 'फ्रेडी मैक' को नियंत्रित करने वाली एजेंसी में ट्रंप द्वारा नियुक्त बिल पुल्टे ने पिछले हफ्ते लगाए थे। कुक को पद से हटाने का यह कदम तब उठाया गया जब उन्होंने कहा कि ट्रंप के इस्तीफा मांगने के बावजूद वह अपना पद नहीं छोड़ेंगी। ट्रंप के इस कदम के गहरे आर्थिक और राजनीतिक परिणाम हो सकते हैं। ट्रंप ने कहा कि उनके पास कुक को हटाने का संवैधानिक अधिकार है, लेकिन ऐसा करने से एक स्वतंत्र इकाई के रूप में फेडरल रिजर्व के नियंत्रण पर सवाल उठेंगे। इसे अमेरिका में शेष बचीं कुछ स्वतंत्र एजेंसियों में एक पर नियंत्रण पाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। ट्रंप ने फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल की अल्पकालिक ब्याज दर में कटौती न करने के लिए बार-बार आलोचना की है और उन्हें बर्खास्त करने की धमकी भी दी है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 27 अगस्त, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-भाद्रपद, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्थी 15.44 तक तत्पश्चात पंचमी।

आज का पंचांग

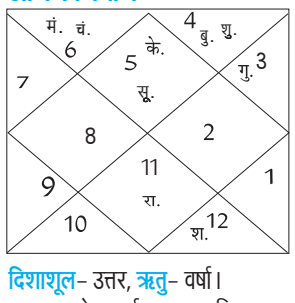

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- वर्षा।
चन्द्रबल-मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-हस्त 06.04 तक तत्पश्चात चित्रा।

मेष आज कार्यक्षेत्र में विरोधी परेशान करेंगे। छाती व फेफड़ों में समस्या आ सकती है। दवाइयों के कारोबार से जुड़े लोगों के लिए दिन जबरदस्त है। सहकर्मी आपकी सहायता करेंगे। लेकिन आज आपको अपने काम के लिए दूसरों पर निर्भर रहना पड़ेगा।

वृष आज आपके विनम्र व्यवहार के कारण व्यापारिक संबंध मजबूत होंगे। आज आपको अव्यावहारिक निर्णय लेने से बचना चाहिए। पेट में जलन की शिकायत हो सकती है। प्रेम संबंधों में निकटता बढ़ेगी। अध्यात्मिक प्रवृत्ति के लोग आज किसी साधना को लेकर विचारशील रहेंगे।

मिथुन आज नकारात्मक विचारों के कारण काम में मन नहीं लगेगा। स्वादिष्ट भोजन व विलासी जीवनशैली का आनन्द लेंगे। पुराने लोन के कारण थोड़े चिन्तित होने की संभावना बन रही है। शाम को किसी कारण घर में झगड़ा हो सकता है।

कर्क आज आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। पुराने दोस्तों से मुलाकात होने की संभावना बन रही है। व्यवसाय में सहयोगियों के माध्यम से धन लाभ हो सकता है। वैवाहिक जीवन काफी रोमान्टिक रहेगा। जीवनसाथी से अपने मन की बातें शेयर कर सकते हैं।

सिंह आज दिन की शुरुआत अच्छी नहीं रहेगी। शरीर मे थकावट व ऊर्जा में कमी महसूस करेंगे। कुण्ठित यौन आकर्षण आपके काम में बाधा बन सकते हैं। योग व प्राणायाम से मन को संतुलित करें। काम का दबाव बढ़ने से आप थोड़े नाखुश हो सकते हैं।

कन्या आज नई जॉब ढूंढ रहे लोगों को सफलता मिल सकती है। अनुभवी लोगों की राय से लाभ होगा। अपने खर्चों पर नियंत्रण पा लेंगे। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। लोग आपके व्यक्तित्व से आकर्षित रहेंगे। व्यापार में बड़ा धन लाभ होगा।

तुला आज अपनी क्षमता से अधिक खर्च का बजट न बनायें। धन को लेकर परिवार में झगड़ा हो सकता है। आवश्यक न हो तो आज लम्बी यात्रा न ही करें। सामाजिक कार्यों में न चाहते हुए भी सम्मिलित होना पड़ सकता है।

वृश्चिक आज आप अत्यधिक प्रसन्न रहेंगे। वैवाहिक जीवन बेहद रोमान्टिक रहेगा। घर में प्रसंनता का वातावरण रहने वाला है। आपके उदार व्यवहार की लोग प्रशंसा करेंगे। युवा साथी अपने प्रेम की अभिव्यक्ति कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में सम्मान व आर्थिक लाभ दोनों प्राप्त होगा।

धनु आज व्यवसाय में वृद्धि के लिए निवेश कर सकते हैं। पुराने संपर्क से लाभ होगा। एकाग्रचित्त होकर अपने काम पर ध्यान दें। जीवनशैली में कुछ परिवर्तन आ सकते हैं। जिसे अपनाने में आपको थोड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। शाम को कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

मकर आज राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद प्राप्त हो सकता है। अधिकारी गण आपकी राय व विचारों के आधार पर महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं। घर में मेहमानों का आगमन हो सकता है। व्यापार को लेकर नये अनुबंध हो सकते हैं।

कुंभ आज नया काम शुरु न करें। कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व कम होगा। कानूनी पचड़ों में घिरने की आशंका है। पुरूष जातकों की महिला सहकर्मियों से अनबन हो सकती है। दांपत्य संबंधों में अविश्वास की स्थिति उत्पन्न न होने दें।

मीन आज कारोबार में नए प्रयोग करना लाभकारी हो सकता है। पहले की गई मेहनत का सुखद परिणाम प्राप्त होगा। प्रेम विवाह को परिवार की सहमति मिल सकती है। छात्रों को बड़ी सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। आपकी योजनाएं समय पर पूर्ण होंगी।

सुडोकू-81

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			8			4		5
		8		7			6	
	1		2			3		
3	9		1			6		
		1						8
		6			5		2	
	8				4		5	
	5			6		7		
7		9			3			

सुडोकू - 80 का हल

6	8	1	4	9	2	5	7	3
9	4	5	7	3	6	8	1	2
7	3	2	5	1	8	9	6	4
5	7	9	2	4	3	1	8	6
8	2	6	9	5	1	4	3	7
3	1	4	8	6	7	2	5	9
1	5	3	6	2	9	7	4	8
4	9	7	3	8	5	6	2	1
2	6	8	1	7	4	3	9	5

स्टेडियम

लखनऊ, बुधवार, 27 अगस्त 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

चोट के बाद मैदान पर वापसी के लिए तैयार सूर्यकुमार

बोले- अच्छा महसूस कर रहा हूं, रिहैबिलिटेशन के अनुभव को किया साझा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपनी हाल की चोट के बारे में खुलकर बात करते हुए कहा कि यह ब्रेक अगले महीने होने वाले एशिया कप से पहले अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर लौटने का एक मौका था। उन्हें चोट के कारण सर्जरी करानी पड़ी और छह हफ्ते के रिहैबिलिटेशन से गुजरना पड़ा। चौंतीस साल के सूर्यकुमार ने जून में आईपीएल के अंत में पेट के दाहिने निचले हिस्से में समस्या का पता चलने के बाद म्यूनिख में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी करवाई थी। इसके बाद उन्होंने बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया में हिस्सा लिया।

सूर्यकुमार अब पूरी तरह से फिट हो गए हैं और नौ सितंबर से यूएई में शुरू होने वाले एशिया कप में टीम की अगुवाई करेंगे। बीसीसीआई द्वारा मंगलवार को पोस्ट किए गए एक वीडियो में सूर्यकुमार ने कहा मैं अभी अच्छा महसूस कर रहा हूं। पांच-छह हफ्ते हो गए हैं। यह एक अच्छी प्रक्रिया है। पिछले छह हफ्तों से अच्छी दिनचर्या है और उम्मीद है कि मैं बहुत अच्छा महसूस करूंगा। उन्होंने कहा रिहैब के दौरान सबसे जरूरी बात यह है कि आपके आस-पास अच्छे लोग हों जो आपका अच्छी तरह से मार्गदर्शन करें और पिछले दो-तीन वर्षों में मैं जब भी मैं रिहैब में था तो मैंने यही किया। मैंने इसे अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर में वापसी करने के अवसर के रूप में देखा। भारतीय टी20 कप्तान ने कहा अगर मैं यहां छह हफ्ते, आठ हफ्ते या 12 हफ्ते के लिए होता तो मैं एक-एक हफ्ते को ध्यान में रखकर योजना बना सकता था। खुद को मानसिक रूप से उस तरह तैयार कर सकता था और बस सुविधाओं का उपयोग करता और सही दिशा में आगे बढ़ सकता था। पहली बार अपनी चोट की गंभीरता का एहसास होने को याद करते हुए सूर्यकुमार ने कहा कि यह समस्या काफी हद तक वैसी ही थी जैसी उन्होंने पहले अनुभव की थी। सूर्यकुमार ने कहा आईपीएल के अंत के करीब इसका पता चला। मुझे यह महसूस हुआ क्योंकि पिछले साल भी मुझे इसी तरह की चोट लगी थी और इसी से मुझे पता चला। सूर्यकुमार की 2023 में टखने की और 2024 की शुरुआत में स्पोर्ट्स हर्निया की एक और सर्जरी हुई थी।

भारत एशिया कप जीतेगा : सहवाग

■ **नई दिल्ली :** बहुप्रतीक्षित एशिया कप 2025 से पहले, सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के साथ बातचीत में वीरेंद्र सहवाग ने कहा कि भारत एशिया कप जीतेगा। एशिया कप 2025 के आधिकारिक प्रसारक, सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के साथ एक विशेष बातचीत में, वीरेंद्र सहवाग ने भारत की संभावनाओं पर कहा हम विश्व चैंपियन हैं। हमने अभी-अभी चैंपियंस ट्रॉफी और टी20 विश्व कप जीता है और मुझे यकीन है कि हम एशिया कप में सर्वश्रेष्ठ टीम हैं और उम्मीद है कि हम एशिया कप जीतेंगे। भारत के अभियान के लिए युवाओं की तुलना में उनका अनुभव कितना महत्वपूर्ण है? उन्होंने कहा मुझे लगता है कि हमारी टीम बहुत अच्छी है और स्काई (सूर्यकुमार यादव) आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहे हैं और वह टी20 प्रारूप में एक शीर्ष खिलाड़ी हैं। मुझे यकीन है कि उनकी कप्तानी में हम अच्छा प्रदर्शन करेंगे क्योंकि हमने पहले भी देखा है कि जब स्काई ने कमान संभाली थी, हमने कई टी20 मैच जीते थे और मुझे यकीन है कि हम एशिया कप भी जीतेंगे।

हाईलाइट

कोहली ने पुजारा को धन्यवाद दिया

नई दिल्ली : स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने भारतीय टीम के अपने पुराने साथी चेतेश्वर पुजारा को मंगलवार को टेस्ट बल्लेबाजी क्रम में उनका काम आसान बनाने के लिए धन्यवाद दिया। दोनों लगभग एक दशक तक मध्यक्रम में मजबूत जोड़ी रहे। सैंतीस वर्षीय पुजारा ने रविवार को अपने शानदार करियर को अलविदा कह दिया। उन्होंने 2010 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बेंगलुरु में अपने करियर की शुरुआत की थी। इस साल मई में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले कोहली ने इंस्टाग्राम पर लिखा (नंबर) चार पर मेरा काम आसान करने के लिए शुक्रिया पुजारा। आपका करियर शानदार रहा है। बधाई और आगे के लिए शुभकामनाएं।

कोयल बार ने दो विश्व रिकॉर्ड बनाए

अहमदाबाद : भारतीय भारोत्तोलक कोयल बार ने मंगलवार को यहां राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में महिलाओं की 53 किग्रा स्पर्धा में दो नए युवा विश्व रिकॉर्ड स्थापित करके युवा और जूनियर दोनों खिताब जीते। जूनियर और युवा दोनों वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए इस किशोरी ने कुल 192 किग्रा (85 किग्रा + 107 किग्रा) वजन उठाया। उन्होंने पहले 85 किग्रा भार उठाकर युवा स्नैच विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की और फिर क्लीन एंड जर्क में अपने दूसरे प्रयास में 107 किग्रा भार उठाकर 105 किग्रा के रिकॉर्ड को बेहतर बनाया। इसके साथ ही, उन्होंने 188 किग्रा के मौजूदा युवा विश्व कुल रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया।

हॉकी एशिया कप में निशुल्क प्रवेश

पटना : हॉकी इंडिया ने मंगलवार को घोषणा की कि 29 अगस्त से बिहार के राजगीर हॉकी स्टेडियम में शुरू हो रहे एशिया कप में दर्शकों को मुफ्त प्रवेश मिलेगा। हॉकी इंडिया ने एक बयान में कहा प्रशंसक डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू टिकट जिनी डॉट इन या हॉकी इंडिया ऐप के जरिए मुफ्त टिकट पा सकते हैं। उन्हें प्रक्रिया पूरी करने पर वर्चुअल टिकट मिलेगा। हीरो पुरुष एशिया कप में आठ टीमें भारत, जापान, चीन, कजाखस्तान, मलेशिया, कोरिया, बांग्लादेश और चीनी ताइपै भाग लेंगे। भारत को पूल ए में जापान, चीन और कजाखस्तान के साथ रखा गया है। भारत को 29 अगस्त को चीन से, 31 को जापान और एक सितंबर को कजाखस्तान से खेलना है।

फिडे विश्व कप गोवा में 30 अक्टूबर से

मुंबई : फिडे शतरंज विश्व कप का आयोजन गोवा में 30 अक्टूबर से 27 नवंबर तक किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में अगले साल के कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए तीन स्थान और 20 लाख डॉलर की इनामी राशि दांव पर लगी होगी। इस टूर्नामेंट में विश्व चैंपियन डी गुकेश, मैग्नस कार्लसन, फाबियानो करुआना और आर प्रज्ञानानंदा सहित 206 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

यूएस ओपन के पहले दौर में अमेरिका की एलिसिया पार्क्स के खिलाफ एक अंक जीतने के बाद खुशी जतातीं रूस की मीरा एंड्रीवा।

अल्काराज ने दूसरे राउंड में प्रवेश किया

● **यूएस ओपन में रीली ओपेल्का को सीधे सेटों में हराया**

न्यूयॉर्क, एजेंसी

कार्लोस अल्काराज ने दूसरे यूएस ओपन खिताब की अपनी तलाश की शुरुआत आत्मविश्वास से की और आज आर्थर ऐश स्टेडियम में अमेरिकी खिलाड़ी रीली ओपेल्का को 6-4, 7-5, 6-4 से हरा दिया।

नए हेयर स्टाइल के साथ न्यूयॉर्क पहुंचे स्पेनिश स्टार ने एटीपी टूर के सबसे मजबूत सर्विस करने वाले खिलाड़ियों में से एक के खिलाफ मुकाबले में अपनी पकड़ मजबूत करते हुए अपनी एकाग्रता और सटीकता का परिचय दिया। शुरुआती सेट में, दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया, अपने सभी 20 सर्विस पॉइंट जीते और केवल तीन बार पहली सर्विस मिस की। अपनी तेज सर्विस के बावजूद, ओपेल्का को उस दौर में दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन को परेशान करने का ज्यादा मौका नहीं मिला। अमेरिकी खिलाड़ी ने अगले दो सेटों में अपना स्तर बढ़ाया और तीन ब्रेक-पॉइंट के मौके बनाए, लेकिन अल्काराज के लचीलेपन और समय पर शॉट लगाने से यह सुनिश्चित हुआ कि कोई भी चूक न हो। तीसरे सेट में 4-4 के स्कोर पर एक महत्वपूर्ण पासिंग शॉट ने निर्णायक ब्रेक का रास्ता तैयार कर दिया, जिसने ओपेल्का की किस्मत को पूरी तरह से तय कर दिया।

कार्लोस अल्काराज। एजेंसी

सीधे सेटों में मिली जीत का मतलब था कि अल्काराज ने ग्रैंड स्लैम के पहले दौर में अपना बेदाग रिकॉर्ड 19-0 तक पहुंचा दिया। पिछले साल के यूएस ओपन में डचमैन बोटिक वैन डे ज़ैंडशुल्प से दूसरे दौर में मिली चौंकाने वाली हार को छोड़कर, अल्काराज 2022 में न्यूयॉर्क में ट्रॉफी जीतने के बाद से लगातार हर बड़े टूर्नामेंट के कम से कम क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं। 22 वर्षीय इस खिलाड़ी ने इस सीजन में टूर पर सबसे ज्यादा जीत हासिल करने वाले खिलाड़ी के रूप में अपनी स्थिति को और मजबूत किया है। अब उनके नाम टूर में सबसे ज्यादा 55 जीत और 2025 में छह खिताब हैं।

सिंधु और प्रणय की जीत से शुरुआत

विश्व चैंपियनशिप

पेरिस, एजेंसी

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पूर्व चैंपियन पीवी सिंधु और एचएस प्रणय मंगलवार को यहां बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में सीधे गेम में जीत के साथ क्रमशः महिला और पुरुष एकल के दूसरे दौर में पहुंच गए।

विश्व की 15वें नंबर की खिलाड़ी सिंधु शुरुआत में थोड़ी असहज नजर आई, लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने अपनी लय हासिल कर ली और अपने आक्रामक खेल का शानदार नजारा पेश करते हुए महिला एकल के अपने पहले दौर के मुकाबले में 69वीं रैंकिंग की बुल्गारिया की कालोयाना नलबांटोवा को 23-21, 21-6 से हराया। विश्व में 34वें नंबर के खिलाड़ी प्रणय ने 47 मिनट तक चले मुकाबले में फिनलैंड के विश्व में 47वें नंबर के खिलाड़ी जोकिम ओल्डॉर्फ को 21-18, 21-15 से हराया। रोहन कपूर और रूथविका शिवानी गड्डे की मिश्रित युगल जोड़ी ने भी मकाऊ के लियोंग इओक चोंग और एनजी वेंग ची को 47 मिनट में 18-21, 21-16, 21-18 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। सिंधु का अगला मुकाबला थाईलैंड की करुपाथेवन लेटशाना से होगा, जबकि प्रणय का सामना दूसरे वरीय एंडर्स एंटोनसेन से हो सकता है।

भारत की 30 वर्षीय खिलाड़ी सिंधु को शुरुआत में संघर्ष करना पड़ा और उन्होंने कुछ गलतियां की जिसके कारण एक समय वह 0-4 से पीछे चल रही थी। नलबांटोवा ने दबाव बनाए रखते हुए 9-5 की बढ़त बना ली थी और इंटरवल तक वह 11-7 से आगे थी। ब्रेक के बाद सिंधु ने अपनी लय पकड़ी और अपने पसंदीदा क्रॉस-कोर्ट विनर सहित कई स्मैश लगाकर स्कोर 12-12 से बराबर कर दिया। बुल्गारियाई खिलाड़ी की दो गलतियों ने सिंधु को 14-12 की बढ़त दिला दी। नलबांटोवा के पास 19-20 के स्कोर पर एक गेम प्वाइंट था, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाईं। बुल्गारिया की खिलाड़ी को एक और गेम प्वाइंट मिला लेकिन वह इसे भुनाने में भी नाकाम रही।

प्रणय ने पिछड़ने के बाद हासिल की लय

■ प्रणय शुरुआत में थोड़ा पीछे हो गए, लेकिन जल्द ही उन्होंने अपनी लय हासिल कर ली और क्रॉस कोर्ट स्मैश से स्कोर 8-7 कर दिया। उन्होंने फोरहैंड क्रॉस से स्कोर 10-8 किया और फिर सीधे स्मैश से दो अंकों की बढ़त बना ली। ओल्डॉर्फ ने हालांकि अच्छी वापसी करके स्कोर 16-16 से बराबर कर दिया। फिनलैंड के खिलाड़ी की लगातार गलतियों ने भारतीय खिलाड़ी को तीन गेम प्वाइंट दिला दिए। प्रणय ने दूसरे गेम प्वाइंट पर पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में शुरू में भारतीय खिलाड़ी 7-4 से आगे था और इंटरवल तक उन्होंने तीन अंक की बढ़त बना रखी थी। प्रणय ने रैलियों में अपना दबदबा बनाए रखा और जल्द ही उन्होंने 17-11 की बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने मैच जीतने के लिए ज्यादा मशक्कत नहीं की।

पूर्व चैंपियन पीवी सिंधु शॉट लगाती हुईं। एजेंसी

नेमार विश्व कप क्वालीफायर हुए से बाहर

रियो डी जेनेरियो : नेमार को चिली और बोलीविया के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर के लिए ब्राजील की टीम से बाहर कर दिया गया है। वह लगातार चोटों से जूझ रहे हैं। 33 वर्षीय सैंटोस फॉरवर्ड ने अक्टूबर 2023 के बाद से ब्राजील के लिए कोई मैच नहीं खेला है, जब उरुग्वे के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर के दौरान उनके बाएं घुटने में एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट फट गया था।

मांसपेशियों की बार-बार की समस्याओं के कारण उनकी रिकवरी में बाधा आ रही है और पिछले गुरुवार को प्रशिक्षण के दौरान उनकी जांघ में फिर से खिंचाव आ गया। ब्राज़ील के मैनेजर कार्लो एंसेलोटी ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "नेमार (टीम में) नहीं हैं क्योंकि पिछले हफ्ते उन्हें कोई समस्या हुई थी। लेकिन हमें नेमार को परखने की ज़रूरत नहीं है। तकनीकी समिति से लेकर प्रशंसकों तक, हर कोई उन्हें जानता है। नेमार को भी राष्ट्रीय टीम की मदद करने और विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए अच्छी शारीरिक स्थिति में रहना होगा।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन मेडिसन पहले दौर में हारीं

न्यूयॉर्क, एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन मेडिसन कीस को अमेरिकी ओपन के पहले दौर में मैक्सिको की 82वीं रैंकिंग वाली रेनेटा जाराजुआ ने हराकर उलटफेर कर दिया। जबकि स्पेन के कार्लोस अल्काराज दूसरे दौर में पहुंच गए। छठी वरीयता प्राप्त कीस ने 89 सहज गलतियां और 14 डबल फाल्ट किए, जिसकी वजह से उन्हें 7-6, 6-7, 5-6 से पराजय का सामना करना पड़ा। हार के बाद उन्होंने कहा पहली बार मैं काफी नर्वस महसूस कर रही थी। आज मैंने कई गलतियां की, खराब फैसले लिए और फुटवर्क भी अच्छा नहीं था। स्पेन के अल्काराज ने रीली ओपेल्का को 6-4, 7-5, 6-4 से हराया। अमेरिकी धुरंधर वीनस विलियम्स दो साल में पहला ग्रैंडस्लैम मैच हार गई जिन्हें 11वीं वरीयता प्राप्त कैरोलिन मुचोवा ने 6-3, 2-6, 6-1 से मात दी। 45 वर्ष की वीनस 1981 के बाद फ्लशिंग मीडोज पर खेलने वाली सबसे उम्रदराज एकल खिलाड़ी हैं। अन्य मुकाबलों में ब्राजील के 19 वर्ष के जोओ फोंसेका ने अमेरिकी ओपन में पदार्पण के साथ जीत दर्ज करते हुए मियोमीर केसमानोविच को 7-6, 7-6, 6-3 से हराया। वहीं कनाडा की 18 वर्ष की विकी एमबोको ने दो बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन बारबोरा क्रेसिकोवा को 6-3, 6-2 से मात दी। दो बार की विंबलडन चैंपियन पेत्रा क्वितोवा को डायने पैरी ने 6-1, 6-0 से हराया।

हांगकांग के वोंग ने देश का नाम रोशन किया

■ **न्यूयॉर्क :** इक्कीस वर्ष के कोलमैन वोंग 1968 के बाद से ओपन युग में किसी ग्रैंडस्लैम में एकल मैच जीतने वाले हांगकांग के पहले खिलाड़ी बन गए। वोंग ने अमेरिका के अलेक्जेंडर कोवासेविच को सीधे सेटों में 6-4, 7-5, 7-6 से हराया। जीत के बाद उन्होंने कहा मेरे लिए यह बड़ा पल है। मेरे परिवार और हांगकांग के लोगों के लिए भी। वोंग के आदर्श रफेल नडाल हैं और उनका परिवार स्पेन जा बसा था ताकि वह राफा नडाल अकादमी में प्रशिक्षण ले सकें। वोंग ने कहा यह टूर्नामेंट हर टेनिस खिलाड़ी का सपना है। हर खिलाड़ी यहां अच्छा प्रदर्शन करना चाहता है। मैं इस लय को कायम रखना चाहता हूं।

हार के बाद पेत्रा क्वितोवा ने संन्यास लिया

न्यूयॉर्क : दो बार की विंबलडन चैंपियन पेत्रा क्वितोवा ने अमेरिकी ओपन के पहले दौर में डायने पैरी से मिली हार के बाद टेनिस को अलविदा कह दिया। मुकाबला खत्म होने के बाद क्वितोवा की आंखें भर आई। दर्शक दीर्घा में मौजूद उनके पति और कोच जिरि वानेक ने उन्हें गले लगाया।

पिछले साल जुलाई में बेटे को जन्म देने वाली क्वितोवा 17 महीने बाद कोर्ट पर लौटी थी। उन्होंने इस साल की शुरुआत में ही कह दिया था कि अमेरिकी ओपन उनका आखिरी टूर्नामेंट होगा। मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने बताया कि कुछ सप्ताह पहले वह कोविड 19 संक्रमण का शिकार होने के कारण अमेरिकी ओपन से नाम वापिस लेने की सोच रही थी।

उन्होंने कहा सुबह उठने के बाद से मुझे लग रहा था कि कुछ अच्छा नहीं होगा। मैं खा नहीं सकी। मैं काफी नर्वस थी और कुछ कर नहीं पा रही थी। यह काफी कठिन था। मैने कभी ऐसा अनुभव नहीं किया था। क्वितोवा ने 2011 में मारिया शारापोवा को हराकर विंबलडन खिताब जीता था। दिसंबर 2016 में उनके घर पर एक घुसपैठिये ने चाकू से हमला किया जिससे उबरने के लिये उन्हें सर्जरी करानी पड़ी थी।

सिफ्ट कौर ने दिलाया छठा सीनियर स्वर्ण पदक

एशियाई निशानेबाजी

शिमकेंट (कजाखस्तान), एजेंसी

ओलंपियन सिफ्ट कौर समरा ने कजाखस्तान के शिमकेंट में आयोजित 16वीं एशियाई शूटिंग चैंपियनशिप में महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन्स (3पी) स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतकर अपना पहला एशियाई खिताब हासिल किया।

महिलाओं की 3पी फाइनल में सिफ्ट ने अपने अनुभव और खासकर स्टैंडिंग पोज़िशन में अपनी महारत दिखाई। उन्होंने 459.2 का स्कोर किया, जिससे चीन की उभरती निशानेबाज यांग युजीए से 0.4 अंकों से पीछे रह गईं। शुरुआत में नीलिंग पोज़िशन के बाद सिफ्ट सातवें स्थान पर थीं। भारत के जूनियर निशानेबाज़ों ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल छह स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक जीते, जिसमें चार टीम गोल्ड शामिल थे। महिलाओं की 50 मीटर 3पी में अनुष्का ठोकुर और ट्रैप महिलाओं की स्पर्धा में सबीरा हारिस ने व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीते। आर्यवंश त्यागी ने पुरुषों की ट्रैप स्पर्धा में रजत और समीर गुलिया ने पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में कांस्य पदक जीता। अब प्रतियोगिता में दो और ओलंपिक इवेंट फाइनल शेष हैं - पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल और ट्रैप मिक्स्ड टीम - जो अगले दो दिनों में खेले जाएंगे।

भारत और चीन अब बराबरी पर हैं, दोनों ने छह-छह स्वर्ण पदक जीते हैं। इससे पहले सिफ्ट ने आशी चौकसे (586) और अंजुम मुदगिल (578) के साथ मिलकर महिलाओं की 3पी टीम स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीता।

भारतीय निशानेबाज सिफ्ट कौर समरा। एजेंसी

भारतीय टीम का कुल स्कोर 1753 रहा

■ भारतीय टीम का कुल स्कोर 1753 रहा, जो चीनी टीम से तीन अंक ज्यादा था। सिफ्ट ने 589 अंकों के साथ क्वालिफिकेशन में पहला स्थान हासिल किया, जबकि आशी चौथे स्थान पर रहते हुए फाइनल में पहुंचीं। फाइनल में सिफ्ट और आशी के अलावा मंगोलिया की यसुगेन ओयुनबाट, चीन की झांग लियुआन, कोरिया की दिग्गज ली यूंसीओ, जापान की मिसाकी नोबाटा और मेजबान कजाखस्तान की येलिजावेटा बेजरुकोवा शामिल थीं। सिफ्ट ने प्रोन पोज़िशन के अंत तक अपनी लय पाई और चौथे स्थान तक पहुंचीं। सिफ्ट ने फाइनल के अंतिम स्टैंडिंग पोजिशन में चौथे शॉट (10.7) पर बढ़त हासिल की और दबदबा कायम किया।

तैयारी

अभी वह आसानी से हासिल किए जा सकने वाले लक्ष्यों पर कर रही हैं ध्यान केंद्रित

एशियाई खेलों पर टिकी चिनप्पा की निगाहें

नई दिल्ली, एजेंसी

अनुभवी स्क्वाश खिलाड़ी जोशना चिनप्पा 38 की उम्र पार करने के बावजूद खेल में बने रहना चाहती हैं। उनका तात्कालिक लक्ष्य अगले साल होने वाले एशियाई खेल हैं। विश्व की पूर्व नंबर 10 खिलाड़ी जोशना अगले महीने 39 साल की हो जाएंगी।

वह दीपिका पल्लीकल और सौरव घोषाल के संन्यास लेने के बाद भारतीय स्क्वाश की स्वर्णिम पीढ़ी की अंतिम सक्रिय सदस्य हैं। जोशना ने एचसीएल और भारतीय स्क्वाश रैकेट महासंघ द्वारा आयोजित सम्मान समारोह के मौके पर पीटीआई से कहा मैं अभी एक समय में एक ही टूर्नामेंट पर ध्यान दे रही हूं और इस साल के अंत में कुछ और पीएसए प्रतियोगिताओं में खेलने जा रही हूं। उन्होंने कहा मैं अभी जिंदगी के उस पड़ाव पर हूं जहां मुझे यह देखना पड़ता है कि मेरा शरीर टूर्नामेंट में खेलने के लिए पूरी तरह से फिट है या नहीं। इसलिए मैं चुनिंदा टूर्नामेंट में ही भाग ले रही हूं। खेल से शरीर पर पड़ने वाले असर को देखते हुए जोशना तत्काल और आसानी से हासिल किए जा सकने वाले लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। उनमें से एक अगले साल जापान में होने वाले एशियाई खेल हैं।

ट्रायल्स से गुजरना पड़ सकता है

■ जोशना ने कहा एशियाई खेल निश्चित रूप से मेरे दिमाग में हैं। लेकिन यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि मैं अन्य टूर्नामेंट में कैसा प्रदर्शन करती हूं क्योंकि मुझे ट्रायल्स से भी गुजरना पड़ सकता है। लेकिन निश्चित तौर पर मैं एशियाई खेलों को ध्यान में रखकर तैयारी कर रही हूं। स्क्वाश का 2028 लॉस एंजिलिस खेलों में ओलंपिक में पदार्पण होना तय है, लेकिन जोशना इतनी दूर की नहीं सोच रही हैं। उन्होंने कहा मैं अभी ओलंपिक के बारे में नहीं सोच रही हूं। अभी मैं अपने खेल का पूरा आनंद ले रही हूं।